19 जून 2025
गुरुवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

बेगूसराय में नदी में डूबने से 4 की मौत, चार को बचाया गया

3

अब मात्र 15 दिन में घर पहुंचेगा वोटर कार्ड

खुशखबरी

एजेंसी/नई दिल्ली

मुख्य चुनाव आयोग ने देश में होने वाले सभी चुनावों के लिए बड़ा बदलाव किया है। बुधवार को चुनाव आयोग ने कहा कि उसने वोटर कार्ड को 15 दिन के अंदर घर पहुंचाने के लिए एक नई प्रक्रिया शुरू की है। यह सुविधा नए वोटर बनने, या पुराने वोटर की जानकारी में कोई बदलाव होने की स्थिति में लागू होगी। अभी तक वोटर कार्ड लोगों को मिलने में एक महीने से ज्यादा का समय लग जाता है। नई प्रक्रिया के तहत अब वोटर कार्ड बनने से लेकर डाक विभाग के जरिए घर तक पहुंचने तक हर स्टेज को ट्रैक किया जाएगा। यानी पूरा सिस्टम अब रियल-टाइम में ट्रेस होगा। इसके साथ ही, हर स्टेप की जानकारी एसएमएस के

जरिए वोटर को दी जाएगी, ताकि उन्हें पता चलता रहे कि उनका वोटर कार्ड कहां तक पहुंचा है।

वोटर हेल्पलाइन ऐप करना होगा डाउनलोड: ऑनलाइन वोटर आईडी कार्ड बनवाने के लिए आपको अपने मोबाइल में गूगल प्ले स्टोर और प्ले स्टोर से भारतीय निर्वाचन आयोग का वोटर हेल्पलाइन ऐप डाउनलोड करना होगा। इस ऐप की मदद से आप ऑनलाइन वोटर कार्ड और वोटर कार्ड में करेक्शन करा सकते हैं।

नए कार्ड के लिए ऐसे करें अप्लाई

सबसे पहले अपने मोबाइल में वोटर हेल्पलाइन ऐप इंस्टॉल करें। इसके बाद इसे ओपन कर वोटर रजिस्ट्रेशन पर क्लिक करना होगा। इसके बाद ऐप में मांगी गई जानकारी जैसे आपका नाम, पता, मोबाइल नंबर और आधार कार्ड की डिटेल भरना होगा। ये सब प्रक्रिया पूरी होने के बाद समिट बटन पर क्लिक करें। इतना प्रोसेस पूरा होने के बाद बीएलओ के द्वारा वेरिफिकेशन होगा और आपका नया वोटर कार्ड बनकर आपके घर आ जाएगा।

पुराने वोटर कार्ड में कैसे करें करेक्शन: ठीक इसी तरीके से आप वोटर हेल्पलाइन ऐप से अपने पुराने वोटर आईडी कार्ड में करेक्शन भी कर सकते हैं। इसके लिए आपको ऐप के लास्ट में कंप्लेन एंड रजिस्ट्रेशन ऑप्शन पर क्लिक करना होगा। डिटेल भरने के 15 दिनों के बाद आपका नया वोटर आईडी कार्ड घर पर तैयार होकर पहुंच जाएगा।

15 अगस्त से 3000 रु. में बनेगा सालाना फास्टैग पास

घोषणा

एजेंसी/नई दिल्ली

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने एक नई घोषणा की है। अब फास्टैग से जुड़ा एक नया सालाना पास मिलेगा। यह सालाना पास उन लोगों के लिए है जो अक्सर नेशनल हाईवे पर यात्रा करते हैं। यह पास 15 अगस्त 2025 से लागू होगा। इस पास की कीमत 3,000 रुपये होगी। यह खास तौर पर निजी, गैर-व्यावसायिक वाहनों जैसे कार, जीप और वैन के लिए है। यह पास एक्टिवेट होने के बाद एक साल तक या 200 यात्राओं तक (जो भी पहले पूरा हो जाए) मान्य रहेगा। यूजर्स नेशनल हाइवे ऐप और एनएचएआई और एमओआरटीएच के ऑफिशियल पोर्टल पर एक खास सेक्शन के जरिए अपने पास को एक्टिवेट और रिन्यू कर

सकेंगे। इस पास का मकसद टोल प्लाजा पर होने वाली परेशानियों को कम करना है। खासकर उन लोगों के लिए जो टोल प्लाजा के 60 किलोमीटर के दायरे में रहते हैं। अक्सर ऐसा होता है कि आस-पास रहने वालों को भी टोल देना पड़ता है। इस पास से उन्हें राहत मिलेगी। अभी जो लोग किसी खास टोल प्लाजा से बार-बार गुजरते हैं, वे एड्रेस प्रूफ और जरूरी कागजात जमा करके मंथली पास बनवा सकते हैं।

कैसे होगा रिचार्ज

अभी हम फास्टैग को किसी भी यूपीआई प्लेटफॉर्म से रिचार्ज कर सकते हैं। हमारे पास 100 रुपये से लेकर 3000 रुपये तक रिचार्ज करने का विकल्प होता है। लेकिन इस वार्षिक पास के लिए भुगतान के लिए आपको मोबाइल में एप डाउनलोड करना होगा। राजमार्ग यात्रा एप के जरिए आप आसानी से इस पास को ले सकते हैं। इसके अलावा एनएचएआई / एमओआरटीएच की ऑफिशियल वेबसाइट से भी आप भुगतान कर पाएंगे। इन वेबसाइट्स पर एक लिंक उपलब्ध कराया जाएगा।

टोल प्लाजा पर कम होगी भीड़: सरकार का मानना है कि इस पास से टोल प्लाजा पर भीड़ कम होगी। निजी गाड़ियां हाईवे पर तेजी से चल सकेंगी। सरकार चाहती है कि सब कुछ डिजिटल हो जाए। इससे लोगों को सुविधा होगी और सड़कें भी आधुनिक बनेंगी। यह सब राष्ट्रीय राजमार्ग ग्रिड पर उपयोगकर्ता की सुविधा को बढ़ाने के लिए किया जा रहा है।

बुलंदशहर में पुलिया से टकराई कार, आगरा में डिवाइडर से टकरा पलटी गाड़ी

बुलंदशहर और आगरा में भीषण सड़क हादसे में नौ लोगों की मौत

- बुलंदशहर में हुए सड़क हादसे में एक ही परिवार के पांच लोगों की चली गई जान
- बदायूं के सहसवान में चाचा की शादी में शामिल होकर कार से वापस दिल्ली लौट रहा था परिवार

एजेंसी/लखनऊ

बुलंदशहर के जहांगीराबाद थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह हुए कार हादसे में तंजील अहमद समेत उनके परिवार के पांच सदस्यों की जलकर मौत हो गई। बदायूं के सहसवान में चाचा की शादी में शामिल होकर परिवार कार से वापस दिल्ली जा रहा था। जहांगीराबाद थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह कार पुलिया से टकराकर पलट गई। इससे कार में आग लग गई। हादसे में तंजील, उनकी पत्नी निदा, बहनोई जुबैर, बहन मोमिन व दो साल का भांजा जैनुल की जिंदा जलकर मौत हो गई। हादसे में उनकी छोटी बहन गुलनाज गंभीर रूप से झुलसी है, जिसका उपचार चल रहा है।

तंजील और निदा की शादी सात महीने पहले हुई थी। इस दर्दनाक हादसे में तीन परिवारों की खुशियां खाक हो गईं। सहसवान कोतवाली क्षेत्र के गांव हमूपुर चमरपुरा निवासी तंजील अहमद उर्फ लल्ला (25 वर्ष) दिल्ली के मालवीयनगर में पत्नी निदा व पिता तनवीर अहमद के साथ रहते थे। वह एक प्राइवेट कंपनी में काम करते थे और पिता भी ठेकेदारी करते हैं। पास में ही सहसवान निवासी उसके बहनोई जुबैर भी अपने परिवार के साथ रहते थे। वह रंगाई-पुताई के ठेकेदार थे। गांव हमूपुर चमरपुरा में तंजील के चाचा अलीम की शादी थी। 16 जून को तंजील पत्नी निदा, बहन मोमिन, बहनोई जुबैर व दो साल के भांजे जैनुल को साथ लेकर कार से शादी में शामिल होने गांव आए थे। बड़ी धूमधाम से शादी हुई। शादी के बाद रिश्तेदार अपने-अपने घर चले गए। बुधवार सुबह करीब चार बजे तंजील परिवार के साथ दिल्ली जाने के लिए कार से निकले। कार वह खुद ही चला रहे थे। परिजनों ने बताया कि सभी लोग खुशी-खुशी यहां से रवाना हुए थे। क्या पता था कि रास्ते में मौत उनका इंतजार कर रही है। तंजील अहमद बबराला व अनूपशहर-बुलंदशहर होते हुए दिल्ली के लिए जा रहे थे। जहांगीराबाद थाना क्षेत्र के गांव चांदोक फैमिली रेस्टोरेंट के निकट तंजील अहमद को झपकी आ गई, जिससे कार अनियंत्रित होकर पुलिया व डिवाइडर से टकरा गई। सीएनजी गैस किट लगी होने से कार में आग लग गई। देखते ही देख कार आग का गोला बन गई।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने हादसों में हुई जनहानि पर शोक जताया

सीएम योगी आदित्यनाथ ने आगरा एवं बुलंदशहर में हुए सड़क हादसों में हुई जनहानि पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर उनका समुचित उपचार कराने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

आगरा में वाहन पलटने से चार लोगों की मौत

आगरा। आगरा के थाना ट्रांस क्षेत्र के शाहदरा फ्लाई ओवर पर बुधवार सुबह हादसा हो गया। लखनऊ मंडी से मैक्स में आम भरकर ला रही गाड़ी डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई है। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। बताया जा रहा है कि आम से भरा तेज रफ्तार पिकअप डिवाइडर से टकराया। इसमें मॉर्निंग वॉक पर आए सड़क किनारे सुस्ता रहे 3 लोग दब गए। इन तीनों की मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि पिकअप चालक की भी मौत हुई है। क्लीनर की हालत गंभीर है। घायल को अस्पताल भेजा गया है। जानकारी के अनुसार, हादसे के बाद मैक्स का ड्राइवर स्टीयरिंग के बीच फंस गया था। वह काफी देर तड़पता रहा लेकिन जब तक उसे निकाला गया तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने क्रेन की मदद से मैक्स में दबे तीन और लोगों को निकाला। मार्निंग वॉक पर निकले तीन लोगों की इस हादसे में मौत हुई है। इनकी पहचान आगरा निवासी राजेश (55), हरीबाबू (65) और रामेश्वर के तौर पर हुई है। ये लोग बुधवार सुबह टहलने के बाद डिवाइडर पर बैठकर सुस्ता रहे थे। इस बीच लखनऊ से आई मैक्स डिवाइडर से टकराकर तीनों के ऊपर पलट गई। उन्हें संभलने तक का मौका नहीं मिला। तीनों लोग गाड़ी के नीचे दब गए।

डोनाल्ड ट्रंप बोले... ईरान बिना शर्त सरेंडर करे
ईरान बोला... इजरायल ने बड़ी गलती की है

एजेंसी/नई दिल्ली

इजरायल और ईरान के बीच लगातार छठें दिन जंग जारी है। ईरान की ओर से बुधवार को इजरायल के ऊपर हाइपरसोनिक मिसाइल से हमला किया गया। इजरायल के तेलअवीव में आसमान से रात भर मिसाइलें गिरती रहीं। इजरायल में अधिकारियों ने लोगों को बंकरों के पास रहने को कहा है। वहीं इजरायल ने ईरान के मिसाइल लॉन्चरों को निशाना बनाया है। इसके अलावा इजरायल ने तेहरान में भारी बमबारी की है, जिसमें 585 लोग मारे गए हैं। इजरायल ने कहा है कि उसका तेहरान के हवाई क्षेत्र पर नियंत्रण है और वह लगातार ईरानी राजधानी पर हमले कर रहा है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई को बिना शर्त सरेंडर करने को कहा है। ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकने की चेतावनी देते हुए ट्रंप ने साफतौर पर कहा है कि तेहरान के लोगों को तुरंत शहर खाली कर देना चाहिए। ट्रंप का यह बयान ने ईरान के साथ-साथ वैश्विक नेताओं के बीच भी खलबली मचा दी है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को दावा किया कि ईरान अब बातचीत करना चाहता है, लेकिन उन्होंने इस प्रस्ताव को खारिज करते हुए कहा, मैंने कहा कि बहुत देर हो चुकी है। यह टिप्पणी ईरान और इजराइल के बीच बढ़ते सैन्य संघर्ष और संभावित अमेरिकी भागीदारी के बारे में बढ़ती अटकलों के बीच आई है। ट्रम्प ने हाल ही में अमेरिका को दूर रखने के अपने रुख को बदलते हुए गहरे जुड़ाव का संकेत दिया है, जिसमें कहा गया है कि वह युद्धविराम से कहीं ज्यादा बड़ा कुछ चाहते हैं। उनकी नवीनतम टिप्पणियां वाशिंगटन के रुख को और सख्त करने का सुझाव देती हैं, भले ही वैश्विक शक्तियां पूर्ण क्षेत्रीय युद्ध को रोकने के लिए संयम बरतने का आग्रह कर रही हैं।

ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई ने देश के नाम संबोधन में अमेरिका और इजरायल पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका इस युद्ध में शामिल होता है तो इससे सिर्फ नुकसान ही बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि हमारी सेनाएं रक्षा को तैयार हैं। इजरायल ने एक बड़ी गलती की है, जिसका खामियाजा उसे भुगतना पड़ेगा। उन्होंने यह भी कहा है कि ईरान के लोग शहीदों के खून को कभी नहीं भूलेंगे। खामेनेई ने बिना शर्त आत्मसमर्पण करने की अमेरिकी ट्रंप की अपील को खारिज कर दिया है।

भारत ने अपने नागरिकों को निकालने में जुटा

ईरान और इजराइल के बीच बढ़ते संघर्ष के बीच, भारत ने बुधवार को ऑपरेशन सिंधु शुरू करने की घोषणा की। यह युद्ध से प्रभावित क्षेत्र में फंसे भारतीय नागरिकों को वापस लाने के लिए एक समन्वित निकासी मिशन है। पहले चरण में 17 जून को 110 भारतीय छात्रों को उत्तरी ईरान से सुरक्षित निकाला गया और सड़क मार्ग से आर्मेनिया ले जाया गया। फिर उन्हें 18 जून को 14:55 आईएसटी पर येरेवन से एक विशेष उड़ान द्वारा भेजा गया और 19 जून की सुबह नई दिल्ली पहुंचने की उम्मीद है। विदेश मंत्रालय ने निकासी में मदद करने के लिए ईरानी और आर्मेनियाई दोनों सरकारों के प्रति आभार व्यक्त किया। तेहरान में भारत का दूतावास, आर्मेनिया में भारतीय मिशन के साथ, ईरान के भीतर उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों से नागरिकों को सुरक्षित क्षेत्रों में सक्रिय रूप से स्थानांतरित कर रहा है, जबकि उपलब्ध मार्गों के माध्यम से निकासी के अगले चरणों का समन्वय कर रहा है। सरकार ने फिर से पुष्टि की कि विदेश में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, और स्थिति की निगरानी और सहायता प्रदान करने के लिए नई दिल्ली में 24 घंटे सातों दिन कंट्रोल रूम स्थापित किया है।

केंद्र सरकार के संविधान की हत्या वाला कथन निंदनीय: ममता बनर्जी

एजेंसी/कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को कहा कि केंद्र सरकार 1975 के आपातकाल के विरोध में 25 जून को संविधान हत्या दिवस मनाने जा रही है, लेकिन भाजपा तो हर दिन संविधान का उल्लंघन करती है। बनर्जी ने कहा

बनर्जी ने कहा, केंद्र सरकार कहती है कि इस साल आपातकाल के 50 साल पूरे होने पर वह संविधान हत्या दिवस मनाएगी। मैं 'संविधान हत्या' वाले कथन पर आपत्ति जताती हूं। संविधान हमारे अधिकारों का आधार है, यह लोकतंत्र की जननी है, वह इसे संविधान हत्या कैसे कह सकते हैं। इसमें लिखा है कि 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाया जाएगा। वे आपातकाल हत्या दिवस भी मना सकते थे लेकिन वे संविधान हत्या दिवस मना रहे हैं। मैं इस विचार की निंदा करती हूं।

एअर इंडिया ने तीन अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को रद्द किया

एजेंसी/नई दिल्ली

एअर इंडिया ने बुधवार को अपनी तीन अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को रद्द कर दिया। इन उड़ानों के रद्द होने के पीछे तकनीकी खराबी, मेंटेनेंस और सुरक्षा संबंधी कारण बताए गए हैं। खास बात यह है कि इनमें से दो उड़ानों में यात्री पहले से ही विमान में सवार हो चुके थे, जिन्हें बाद में उतारा गया।

कौन-कौन सी उड़ानें रद्द की गईं?: टोरंटो से दिल्ली की उड़ान (एआई188) - यह उड़ान मेंटेनेंस लंबा चलने और फ्लाइट क्रू की ड्यूटी की समय सीमा पार होने की वजह से रद्द की गई। इस उड़ान में यात्री पहले से विमान में बैठ चुके थे। बाद में उन्हें उतारा गया।

दुबई से दिल्ली की उड़ान (एआई 996) - यह फ्लाइट तकनीकी खराबी के कारण रद्द हुई। इस उड़ान में

भी यात्रियों को विमान में चढ़ा दिया गया था लेकिन बाद में उन्हें भी उतारना पड़ा।

दिल्ली से बाली की उड़ान (एआई 2145) - यह फ्लाइट उड़ान भरने के बाद बीच रास्ते से ही वापस दिल्ली लौट आई। बाली हवाई अड्डे के पास ज्वालामुखी विस्फोट की खबर के बाद यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इसे लौटाया गया। सभी यात्रियों को सुरक्षित उतार दिया गया।

केंद्र सरकार जल्द ही भारतीय मानक समय नियम 2025 को करेगी अधिसूचित

सभी कानूनी, डिजिटल व प्रशासनिक कार्यों में अनिवार्य होगा आईएसटी

एजेंसी/नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने फैसला किया है कि अब सभी कानूनी, व्यावसायिक, डिजिटल और प्रशासनिक कार्यों में भारतीय मानक समय (आईएसटी) का उपयोग अनिवार्य किया जाएगा। यह जानकारी केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने बुधवार को दी। उन्होंने कहा कि इस पहल से डिजिटल लेन-देन अधिक सुरक्षित होंगे, बिजली-पानी जैसी

सेवाओं में बिलिंग सटीक होगी, साइबर अपराध के खतरे कम होंगे और यातायात व संचार में समय की एकरूपता बनी रहेगी। अभी कई प्राणाली विदेशी समय स्त्रोतों पर निर्भर हैं। आईएसटी को अनिवार्य बनाने के लिए सरकार जल्द ही 'विधिक मापविज्ञान (भारतीय मानक समय) नियम, 2025' अधिसूचित करेगी। इन नियमों का मसौदा जनवरी 2025 में जनता और हितधारकों की राय के लिए जारी किया गया था। जोशी ने कहा, हम जल्द ही इन नियमों को अधिसूचित करने जा रहे हैं। अब हम एक देश, एक समय की दिशा में बढ़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि आज के डाटा आधारित युग में अगर घड़ियां एक जैसी न हों तो डिजिटल गड़बड़ियां, जांच में दिक्कतें और नेटवर्क की कमजोरियां पैदा होती हैं। आज कई प्रणाली जीपीएस जैसे विदेशी समय स्त्रोत पर आधारित हैं, जिससे साइबर हमले, मेल न खाने और समय की सही पहचान न हो पाने का खतरा बना रहता है।

मंत्री ने कहा कि यह परियोजना आईएसटी को आधिकारिक और कानूनी रूप से लागू करने की कमी को पूरा करेगा। उन्होंने बताया कि 100 से ज्यादा क्षेत्रों के प्रतिनिधियों ने सम्मेलन में भाग लिया, जिनमें टेलीकॉम, बैंकिंग, रेलवे जैसे क्षेत्र शामिल थे। सरकारी बयान में कहा गया कि यह पहल आम लोगों के लिए डिजिटल सुरक्षा, सही बिलिंग, कम साइबर खतरे और सेवा में पारदर्शिता को सुनिश्चित करेगी। कहा कि वित्तीय बाजार, पावर ग्रिड, टेलीकॉम और ट्रांसपोर्ट जैसे क्षेत्रों में एक समान और सटीक समय प्रणाली होना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जरूरी है।

अविलंब दें इंटरमीडिएट परीक्षा में शामिल होने वाले छात्रों की सूची : डीएम

- माह जून में अब तक निर्धारित लक्ष्य 300 के विरूद्ध मात्र 36 आवेदन प्राप्त किया गया जो कि लक्ष्य का लगभग 12 प्रतिशत

केटी न्यूज/बक्सर

डीएम डॉ. विद्यानंद सिंह की अध्यक्षता में निबंधन एवं परामर्श केन्द्र, बक्सर द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक समाहरणालय परिसर स्थित कार्यालय कक्ष में की गई। समीक्षा के क्रम में प्रबंधक डीआरसीसी एवं जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, योजना एवं लेखा ने बताया कि उपलब्ध कराई गई सूची में छात्रों का दूरभाष संख्या गलत पाया गया है, जिसकी सूचना उन्हें दी गई है। उन्होंने कहा कि मोबाईल नंबर सुधार कर अद्यतन सूची उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया है। ताकि अधिक से अधिक विद्यार्थियों को योजना का लाभ दिया जा सके, लेकिन अभी तक सूची अप्राप्त है। प्रबंधक डीआरसीसी को निर्देशित किया गया कि जिला कार्यक्रम पदाधिकारी सर्व शिक्षा अभियान से व्यक्तिगत रूप से समन्वय स्थापित कर त्रुटि रहित सूची प्राप्त करते हुए

योग्य छात्र-छात्राओं से आवेदन प्राप्त कर योजना से आच्छादित करना सुनिश्चित करेंगे। सरकारी विद्यालयों में वर्ष 2025 में इंटरमीडिएट में सम्मिलित होने वाले छात्र एवं छात्राओं की सूची के लिए सभी विद्यालयों से संपर्क किया गया है। अब तक कुल 45 सरकारी विद्यालयों ने सूची सौंपी है, जिसके लिए जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, योजना एवं लेखा के द्वारा सभी नामित नोडल शिक्षकों को पुनः निदेशित किया गया है। सभी सिंगल विंडो ऑपरेटर के द्वारा दिये गये डाटा से छात्र-छात्राओं को कॉल किया जा रहा है तथा प्रबंधक, डीआरसीसी द्वारा रेंडमली सिंगल विंडो ऑपरेटर के माध्यम से संपर्क किये गये छात्राओं का डाटा की समय-समय पर जांच भी की जा रही है। लगभग 25 से 30 नोडल शिक्षकों के द्वारा छात्रों से सम्पर्क स्थापित कर सूची डीआरसीसी कार्यालय को उपलब्ध कराई गई है, जो अपूर्ण है। समीक्षा के दौरान पाया गया कि इस संबंध में कोई अपेक्षित प्रगति नहीं हुई है। निदेशित किया गया कि लक्ष्य की प्राप्ति के लिए उपर्युक्त निदेशों का अनुपालन कर आगामी बैठक में प्रतिवेदित उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे। वहीं, माह जून में अब तक निर्धारित लक्ष्य 300 के विरूद्ध मात्र 36 आवेदन प्राप्त किया गया जो कि लक्ष्य का लगभग 12 प्रतिशत है। इस प्रकार वित्तीय वर्ष 2025-26 में कुल निर्धारित लक्ष्य 3170 के विरूद्ध अब तक मात्र 0.07 प्रतिशत ही आवेदन प्राप्त हुआ है, जो अत्यंत खेदजनक है। योजना में प्रगति के लिए जिला योजना पदाधिकारी को निदेशित किया गया कि वित्तीय वर्ष 2019-20, 2020-21 एवं 2021-22 में वैसे छात्र जो प्लस टू उर्त्तीण हुए है तथा अब तक अपना एसएलसी एवं सीएलसी प्राप्त नहीं किये है कि सूची प्राप्त करना सुनिश्चित करेंगे।

एक नजर

किशोरी हत्या मामले में कोरानसराय पुलिस ने मामा को किया गिरफ्तार,साक्ष्य छुपाने का आरोप

डुमरांव । कोरानसराय थाना क्षेत्र में 17 वर्षीय किशोरी की हत्या मामले में पुलिस ने एक और अहम गिरफ्तारी की है। बुधवार को पुलिस ने डुमरांव निवासी लल्लू गोंड को गिरफ्तार किया, जो मृतका का मामा बताया जा रहा है। इससे पहले पुलिस ने मृतका के पिता राजकुमार गोंड को भी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। घटना कुछ दिन पहले की है, जब किशोरी की हत्या और शव को गायब कर साक्ष्य छुपाने की बात सामने आई। जांच के दौरान पुलिस को कई अहम सुराग हाथ लगे, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि किशोरी की हत्या कर शव को ठिकाने लगाया गया है। थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए लगातार छानबीन की जा रही थी। जांच के क्रम में मृतका के पिता की संलिप्तता सामने आने पर उन्हें पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका था। अब मृतका के मामा लल्लू गोंड की गिरफ्तारी से मामले में और स्पष्टता आई है। पुलिस का कहना है कि इस कांड से जुड़े अन्य पहलुओं की भी गहराई से जांच की जा रही है, ताकि सभी आरोपियों को कानून के दायरे में लाया जा सके।

मोबाइल वेटनरी यूनिट ने बचाई गर्भवती भैंस की जान, केसठ में समय पर पहुंचे डॉक्टर बने मसीहा

केसठ । केसठ में एक अनोखी मिसाल तब देखने को मिली जब मोबाइल वेटनरी सेवा ने एक गर्भवती भैंस और उसके बच्चे की जान समय रहते बचा ली। प्रसव के दौरान बच्चा पेट में फंस गया था, जिससे भैंस की जान खतरे में पड़ गई थी, लेकिन समय पर पहुंचे पशु चिकित्सकों की टीम ने सूझबूझ से काम लेते हुए सफल डिलीवरी करवाई और दोनों पशु और उसके बच्चे को सुरक्षित बचा लिया। घटना बुधवार सुबह की है, जब स्थानीय पुराना बाजार में पशुपालक भूपेंद्र प्रसाद की भैंस को प्रसव पीड़ा शुरू हुई। कुछ ही देर में स्थिति गंभीर हो गई, बच्चा उल्टा फंस गया था और भैंस तड़पने लगी।तुरंत मोबाइल वेटनरी सेवा को कॉल किया गया। सूचना मिलते ही डॉ रजत कुमार और उनकी टीम केसठ पहुंची और बिना देरी किए उपचार शुरू कर दिया। करीब एक घंटे के संघर्ष के बाद बच्चा बाहर निकाला गया। डॉक्टरों की मेहनत रंग लाई और मां-बच्चे दोनों स्वस्थ हैं।

सिमरी में चालक को फंसाने के लिए ई-रिक्शा में रखा गया था कट्टा, एक गिरफ्तार

डुमरांव। सिमरी थाना क्षेत्र के एकौना गांव में सोमवार की रात सड़क किनारे खड़ी एक ई-रिक्शा से देशी कट्टा बरामद हुआ था। पुलिस ने 24 घंटे में ही इस मामले का खुलास करते हुए एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि उसका दूसरा साथी फरार हो गया है। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान एकौना निवासी अभिमन्यु उर्फ गोलू राय पिता सुनील राय के रूप में हुई है, जबकि उसका साथी पवन राय पिता स्व. विक्रम राय फरार हो गया है। एसडीपीओ ने बताया कि दोनों ने मिलकर ई-रिक्शा चालक को फंसाने की नियत से सड़क किनारे खड़ी उसके ई-रिक्शा में देशी कट्टा रख दिया था तथा डायल 112 को फोन कर यह बताया था कि ई-रिक्शा में देशी कट्टा रखा गया है तथा इस ई-रिक्शा से शराब की तस्करी होती है। इस सूचना पर डायल 112 की टीम ने उक्त ई-रिक्शा से देशी कट्टा बरामद करने के साथ ही उसे जब्त कर लिया था।मामले की जांच के दौरान सिमरी पुलिस ने ई-रिक्शा चालक सुनील पासवान को हिरासत में ले पूछताछ की थी। पूछताछ में उससे मिली जानकारी व वैज्ञानिक अनुसंधान के दौरान इस मामले में अभिमन्यु व पवन की संलिप्तता सामने आई थी। जिसके बाद पुलिस ने उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की। इस दौरान अभिमन्यु पकड़ा गया, जबकि पवन घर से फरार था। एसडीपीओ ने बताया कि उसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

धीरज कुमार बने संपूर्ण क्रांति राष्ट्रीय मंच बिहार के बक्सर जिला का संयोजक

डुमरांव। संपूर्ण क्रांति राष्ट्रीय मंच बिहार की ओर से बुधवार को बक्सर जिले के सिमरी प्रखंड के मझवारी महावीर स्थान पर सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन पटना हाई कोर्ट के वरीय अधिवक्ता सह कार्यकारणी संयोजक महेश्वर शर्मा ने किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि 25 जून को दिल्ली में आपातकाल की बरसी मनाई जाएगी। इसमें देश भर के जेपी सेनानी शामिल होंगे। उन्होंने बक्सर जिले के साथियों को भी इसमें शामिल होने का आवाहन किया। कार्यक्रम के दौरान डुमरांव के पूर्व पार्षद धीरज कुमार को सर्वसम्मति से संपूर्ण क्रांति राष्ट्रीय मंच बिहार के बक्सर जिला का संयोजक बनाया गया। इस अवसर पर धीरज कुमार ने बताया कि जेपी आंदोलन के संघर्षशील साथियों के हक की लड़ाई लड़ेंगे और उनके जीवन यापन सह पेंशन की आवाज को बुलंद करेंगे। कार्यक्रम के दौरान भोजपुर जिले के प्रभारी नवलाख सिंह कुशवाहा, पूर्व जिलाध्यक्ष पन्नालाल, नथुनी कुशवाहा, राजेंद्र सिंह, शिवरत्न कुशवाहा, शांति देवी, मंजू देवी, उर्मिला देवी, धर्मशिला देवी, बुधीया देवी, कुंती देवी आदि सैकड़ों लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष देवमुनि तुरहा तथा संचालन धीरज कुमार ने किया।

साख-जमा अनुपात में तीव्र गति से वृद्धि लाए सभी बैंक : डीएम

बक्सर। डीएम डॉ. विद्यानंद सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को डीएलसीसी की मार्च महीने की बैठक समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में की गई। बैठक में अपर समाहर्ता कुमारी अनुपम सिंह, वरीय समाहर्ता बैंकिंग सत्येंद्र त्रिपाठी, भारतीय रिजर्व बैंक तथा जिला स्तरीय विभिन्न विभागों के अधिकारी गण तथा सभी बैंकों के जिला समन्यवक उपस्थित थे। अग्रणी जिला प्रबंधक ने बैठक की शुरूआत करते हुए पिछली बैठक के अनुपालन के बारे में जानकारी दी। जिलाधिकारी ने जिले के साख जमा अनुपात और वार्षिक ऋण योजना पर चर्चा करते हुये जिले के साख-जमा अनुपात (45.85 प्रतिशत), राज्य के अनुपात (56.67 प्रतिशत) से कम रहने पर असंतोष व्यक्त किया और इसमें त्वरित वृद्धि करने का निर्देश दिया गया। ऋण स्वीकृति एवं वितरण तेजी लाने के लिए सभी बैंक समन्वयकों से सुझाव मांगते हुए इसमें शीघ्रता से आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश डीएम ने दिए। वहीं, डीएम ने पीएमएफएमई एवं पीएमईजीपी के लक्ष्यों की प्राप्ति होने पर संतोष व्यक्त किया गया। पीडीआर वादों के मिलान और उन पर कार्यवाही की समीक्षा में वरीय समाहर्ता बैंकिंग ने बैंकों से वैसे पीडीआर केस वाले खाते जिन्हें बैंकों द्वारा समझौता या ऋण वसूली कर बंद कर दिया गया है कि सूची संबंधित जिला प्रशासन को उपलब्ध करा उसमें नो ड्यूज निर्गत करने को कहा गया।

नेता प्रतिपक्ष शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए पहुंचे चौसा, परिजनों से की मुलाकात

युद्ध व देश की रक्षा के दौरान बिहारी कभी भी बलिदान देने से पीछे नहीं हटते : तेजस्वी

- तेजस्वी ने राजद नेता अर्जुन यादव व प्राकृतिक आपदा में जान गंवाने वालों के परिजनों से मिल बंधाया ढांढस
- सरकार को शहीदों के नाम पर बनवाना चाहिए स्मारक

केटी न्यूज/चौसा

भारतीय सेना विश्व की सबसे बहादुर सेना है। सेना के प्रति सबको सम्मान की भावना रखनी चाहिए। उक्त बातें बुधवार को चौसा के नरबतपुर में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कही। वे आपरेशन सिंदूर के दौरान जख्मी हुए व बाद में इलाज के दौरान शहीद हुए चौसा के नरबतपुर गांव निवासी हवलदार सुनील यादव, देश सेवा के कर्तव्यपथ की बलिवेदी पर चढ़े चौसा निवासी सीआरपीएफ जवान जयशंकर चौधरी के स्वजनों से मिलने पहुंचे थे। इसके अलावे हाल ही में अपराधियों की गोलीबारी के शिकार हुए राजद मजदूर प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष स्व. अर्जुन यादव व चौसा में आकाशीय बिजली से जान गंवाने वालों के परिजनों से भी मिल उन्हें ढांढस बंधाया।

तेजस्वी ने कहा कि युद्ध व देश की रक्षा के दौरान बिहारी कभी भी बलिदान देने से पीछे नहीं हटते हैं। उन्होंने कहा कि खासकर शाहाबाद इलाके के लोग बड़ी संख्या में सेना में हैं। उन्होंने कहा कि आज पूरा देश शहीदों के परिवार के साथ खड़ा है। एक सवाल के जबाव में उन्होंने कहा कि शहीदों के मामले में वे कभी राजनीति नहीं करते है। जब हवलदार सुनील यादव का शव फ्लाइट से पटना आया था उस दौरान मैं एअरपोर्ट पहुंचकर उन्हें नमन किया था तथा उनके स्वजनों से मिल कहा था कि मैं नरबतपुर जरूर आउंगा।

तेजस्वी ने कहा कि शहीदों के परिवार की कुछ मांग है। सरकार ने आर्थिक मदद जरूर की है, लेकिन शहीदों के नाम पर स्मारक जरूर बनना चाहिए, ताकी उनके त्याग व बलिदान को भावी पीढ़ी जान सकें, इसे लिए सरकार से मांग नहीं करना चाहिए बल्कि खुद सरकार को ऐसा नियम बनाना चाहिए कि सेना व परा मिलीट्री के जवान जब देश सेवा के दौरान कर्तव्यपथ पर खुद को न्योछावर करते है तो उन्हें शहीद का दर्जा मिले। तेजस्वी ने कहा कि इसके लिए मैने केन्द्रीय गृह मंत्री को पत्र लिख मांग किया हूं, लेकिन अभी तक मेरे पत्र का जबाव नहीं आया है। उन्होंने कहा कि सिर्फ नेताओं ही नहीं बल्कि आम जनता को भी शहीदों के परिवार के साथ खड़ा रहना चाहिए। गौरतलब हो कि सोमवार को चौसा के दुर्गा स्थान स्थित थाना घाट के समीप आकाशीय बिजली गिरने से दो तथा नरबतपुर में एक समेत कुल तीन लोगों की मौत हो गई थी, जबकि चार लोग जख्मी हुए थे। इस घटना को लेकर प्रतिपक्ष नेता चौसा पहुंचे।

बिहार में अपराधियों के बेलगाम होने का प्रमाण है अर्जुन यादव की हत्या

चौसा गोला निवासी व राजद मजदूर प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष रहे स्व. अर्जुन यादव के परिजनों से मिल इस घटना पर गहरा दुख जताया। इस दौरान उन्होंने कहा कि बिहार में अपराधी बेलगाम हो गए है, यह घटना उसी का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि पूरे बिहार में अपराध का ग्राफ बढ़ा है। हर दिन हत्या, लूट, बलात्कार जैसे जघन्य अपराध हो रहे है और सरकार चुप बैठी है। उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में अपराधियों द्वारा राजद नेताओं को टारगेट किया गया है। तेजस्वी ने कहा कि जब हमारी सरकार बनेगी तो अपराधी जेल के अंदर होंगे।उन्होंने स्व. अर्जुन यादव के परिजनों को ढांढस बंधाया और कहा कि राजद पीड़ित परिवार के साथ खड़ा है। गौरतलब हो कि 26 मई को दिन के 11 बजे अपराधियों ने राजद नेता व चौसा थर्मल पॉवर प्लांट के ठेकेदार अर्जुन यादव को प्लांट के मोहनपुरवा गेट के सामने गोली मार दिया था, इलाज के लिए वाराणसी ले जाने के दौरान उनकी मौत हो गई थी।प्राकृतिक आपदाओं को रोका नहीं जा सकता वहीं, तेजस्वी यादव चौसा में आकाशीय बिजली की चपेट में आ जान गंवाने वालों के घर भी पहुंचे। उन्होंने इस घटना पर गहरा दुख जताया और कहा कि प्राकृतिक आपदाओं को रोका नहीं जा सकता है। उन्होंने दुख की इस घड़ी में पीड़ि परिवारों के साथ खड़ रहने का आश्वासन दिया तथा कहा कि पीड़ित परिवारों को हर संभव मदद किया जाएगा।

लीगेंसी वेस्ट के सहयोग से उर्वरा शक्ति को बढ़ावा देने जा रही है नप

केटी न्यूज/डुमरांव

नगर परिषद अब कचरे से खाद से लेकर अन्य वस्तुओं के निर्माण करने की दिशा में अपना कदम बढ़ाना शुरू कर दिया है। इसके लिये प्लांट लगाने के लिये स्थल चयन करने की दिशा में खोजबिन जारी कर दिया है। उम्मीद है कि अगले महीने से इस दिशा में पहल शुरू हो जाएगा। इसकी जानकारी नप के स्वच्छता पदाधिकारी ने देते हुए बताया की लीजेंसी वेस्ट के तहत इस कार्य की शुरूआत होगी। उन्होंने बताया की रेमीडिएशन के तहत सूखा और गिला कचरा का उठाव कर उसे चयनित स्थल पर जमा किया जाएगा। इसके लिये पहले से ही दोनों कचरा उठाव का वाहन पहले से ही नप के पास उपलब्ध हो चुका है।

स्वच्छता पदाधिकारी ने बताया की यह सारी प्रक्रिया सरकार के एनजीटी गाइडलाइन के तहत किया जाएगा। जो प्लस्टिक होगा उस अलग कर उसे बाहर भेजा जाएगा, जिससे नप की आमदनी बढ़ेगी। फिर डम्फ कचरा के उपरी भाग को हटाकर जो नीचे मिट्टी जमा होगा उसे यूरिया के रूप में प्रयोग करने के लिये तैयार किया जाएगा। इसकी डिमांड मोर्केट में बहुत ज्यादा है, जिसका मार्केटिंग भी किया जाएगा। स्थल चयन को लेकर इसमें विलंब हो रहा है, इसके अगले महीने में उत्पादन शुरू होने की संभावना प्रबल है।

क्यूआर कोड से जान सकेंगे दवा की उपलब्धता

केटी न्यूज/डुमरांव

स्थानीय अनुमंडल अस्पताल में दवाओं की उपलब्धता की जानकारी मरीज क्यूआर कोड से जान सकेंगे। अस्पताल परिसर में क्यूआर कोड लगाया है। दवा सप्लाई चेन को स्वास्थ्य विभाग की ओर से मजबूत किया गया है। यहां बड़े वाहनो से विभाग द्वारा दवा पहुंचाई जाती है। अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि इलाज के लिए आने वाले मरीजों को अब यह जानने के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा कि कौन से दवा उपलब्ध हैं और कौन नहीं। विभाग ने मरीजों की सुविधा के लिए एक नई और तकनीकी पहल की शुरूआत की है। बताया जाता है कि अनुमंडल

अस्पताल में 255 आवश्यक दवाएं सूची में शामिल है। मरीजों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधा के साथ दवा की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के लिए विभाग सजग है। अगर कहीं दवा खत्म हो रही हो तो तुरंत उपलब्ध कराने की प्रक्रिया की जाती है। विभाग बड़े वाहनों से अनुमंडल अस्पताल तक दवा पहुंचाता है। जो जीपीएस सिस्टम से लैस होता है। स्वास्थ्य विभाग ने दवाओं की निगरानी के लिए एक आधुनिक पोर्टल तैयार किया है। जिसके माध्यम से अस्पताल में उपलब्ध दवाओं के स्टॉक की स्थिति को वास्तविक समय मे ट्रैक किया जाता है। यह प्रणाली दवाओं की मांग और आपूर्ति की नियमित निगरानी सुनिश्चित करती है। जिससे किसी भी दवा की कमी को त्वरित रूप से पूरा किया जा सके। अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. गिरीश कुमार सिंह ने बताया कि 255 प्रकार के आवश्यक दवाएं सूची में शामिल है। यह दवाएं शत प्रतिशत्र उपलब्ध है। प्रत्येक मरीज को मुफ्त में हर प्रकार की दवा उपलब्ध करायी जा रही है। विदित हो कि पूर्व में कई बार यह बात सामने आ गई है कि दवा होने के बाद भी मरीजों को काउंटर से वापस कर दिया जाता है। जिससे उन्हें परेशानी होती थी।

दो माह से पेयजल सप्लाई बाधित होने से लोगों में आक्रोश, देंगे धरना

पानी सप्लाई का पाइप टूटने से डुमरांव के वार्ड नंबर 22 में गहराया पेयजल संकट

- नाली, गली एवं पीसीसी निर्माण को लेकर पेयजल पाइप को तोड़ा गया था

केटी न्यूज/डुमरांव

नगर में नाली, गली और पीसीसी सड़क बनाने का जाल पूरे वार्डों में बिछाया जा राह है। इस अभियान के तहत रोड बनाने के दौरान बिछाए गए भूमिगत पाइप टूट जा रहे हैं, जिससे लोगों के घरों तक पानी पहुंच नहीं पाता है। इतना ही नहीं पाइप टूट जाने के कारण हजारो लीटर पानी प्रतिदिन बर्बाद होता है। इसी समस्या से नगर के वार्ड 22 के पासवान टोली की जनता त्रस्त है। इधर नगर परिषद के पास शिकायत करने के बाद भी इस पर कोई संज्ञान

नहीं लिया जा रहा है। इस मोहल्ले के निवासी भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य बिनोद पासवान ने नप के कार्य प्रणाली के विरोध में पासवान टोली के जनता के साथ आने वाले सोमवार को धरना-प्रदर्शन का कार्यक्रम रखा है।

उन्होंने बताया की पासवान टोली के लोग नगर परिषद में अपने पूरे परिवार के साथ पहुंचेगे और वहीं पर रात भी गुजारेंगे। इस कार्यक्रम को लेकर उन्होंने नप ईओ को आवेदन चौबीस घंटे के भीतर देने की बात कही है। इस संबंध में वार्ड 22 के पार्षद अमर पासवान से बात की गई तो उन्होंने बताया की नगर पासवान टोली का विकास बहुत दिनों से अवरूद्ध था। नाली गली और सड़क सुविधा नहीं होने से लोगों को परेशानी हो रही थी। इस परेशानियों को देखते हुए रोड, नाली और गली बनाने के लिये अनुशंसा किया गया था। उसी अनुशंसा के आलोक में कार्य शुरू हुआ था, जिसके चलते पानी सप्लाई का पाइप टूट गया है। इसके बनाने के लिये आवेदन दिया गया है, जिसको लेकर ईओ मनीष कुमार नप कर्मी को इसका निरीक्षण करते हुए सारी समस्या को दूर करने का आदेश दिया था।

उसी आदेश के आलोक में बुधवार को नप का मिस्त्री के साथ कर्मी पहुंच सारी जानकारी हासिल किया, फिर उसने गुरूवार से टूटे पाइप को ठीक करने की बात कही। मिस्त्री के आने से पासवान टोली के लोगों का कहना है कि जबतक काम शुरू नहीं हो जाता और पेयजल समस्या दूर नहीं हो जाती तबतक हमलोग चुप बैठने वाले नहीं हैं, सोमवार से हमलोगों का घर नगर परिषद कार्यालय हो जाएगा।

CAMBRIDGE SCHOOL DUMRAON
Affiliated to C.B.S.E., Delhi, Up to (10+2)- Aff. No. 330723, SCHOOL No. 65720
Harnahi Road, Dumraon, Buxar - 802119
8210918840, 7319972175, 6393686958 www.cambridgeschooldumraon.com facebook.com/CAMBRIDGEDUMRAON
A CO-EDUCATIONAL SCHOOL FROM NURSERY TO STD. XII
ADMISSION NOTICE FOR STD. XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS)
OUTSTANDING PERFORMANCE OF OUR STUDENTS IN AISSE (Std. X) & AISSCE (Std. XII) CBSE BOARD EXAMS 2025
SCHOOL TOPPER- STD. XII
SUBJECT WISE HIGHEST MARKS IN STD. XII
SARTHAK RAJ MISHRA 92%
Chemistry : 98 Biology : 91
English Core : 97 Physics : 91
Physical Education : 96 Business Studies : 86
Mathematics : 92 Economics : 83
TOPPERS- STD. X
1st KHUSHI KUMARI 95.2%
2nd ANSH RAJ SINGH 94.8%
2nd PRAGATI KUMARI 94.8%
2nd SHREYA RAJ 94.8%
3rd ANMOL RAJ VATS 94%
3rd MOHIT KUMAR SINGH 94%
SUBJECTWISE HIGHEST MARKS
• Mathematics : 100 • Sanskrit : 100 • Social Science : 97
• Science : 100 • English : 95 • Hindi : 94
INFORMATION
The Information & Admission Cell at the JUNIOR WING, Dr. Jagnarayan Singh Hospital Campus, will remain open on all working days (Mon. - Sat.) from 9:00 am - 01:00 pm also during Summer Vacation.
LIMITED SEATS. HURRY UP!!!
REGISTRATION IS GOING ON FOR ADMISSION TO CLASS XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS) FOR THE ACADEMIC SESSION 2025-26. CLASSES WILL START FROM 23 JUNE, 2025.
SCHOLARSHIP SCHEME
• CANDIDATES WITH 90% & ABOVE WILL BE GIVEN HALF FREESHIP (50% REBATE IN ADMISSION FEE AND MONTHLY TUITION FEE) FOR BOTH CLASSES XI & XII. OTHER CHARGES ARE PAYABLE FOR BOTH CLASSES.
• INTEGRTION OF FOUNDATION CLASSES FOR NEET AND JEE MAINS IN CURRICULUM.
CHAIRMAN- MR. T.N. CHOUBEY

बिहार के 544 सीओ पर हुआ एक्शन, विभाग नकेल कसने की तैयारी में

♦ 248 को लघु दंड, 92 को वृहद दंड, 89 की पेंशन कटौती और 135 पर चेतावनी की कार्रवाई की गई

केटी न्यूज/नालंदा

बिहार के अंचल अधिकारियों पर नकेल कसने की कोशिश जारी है. हालांकि सरकार के तमाम प्रयास अब तक विफल साबित हुए हैं। विभागीय कार्यवाही में मामूली सजा दी जाती है। वैसे अंचल अधिकारी आगे भी अपने पद पर ही बने रह जाते हैं। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री संजय सरावगी ने बिहार राजस्व सेवा के अधिकारियों-अंचलाधिकारियों पर गठित आरोप, परिवाद से संबंधित लंबित वादों की समीक्षा बैठक की। बैठक में विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह, सचिव जय सिंह, सचिव गोपाल मीणा भी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान लम्बित वादों की अद्यतन स्थिति की गहन समीक्षा की गई। मंत्री संजय सरावगी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ऐसे वादों का निष्पादन प्राथमिकता के आधार पर किया जाए, ताकि गलत करने वालों को सजा मिले और निर्दोष को न्याय। इससे प्रशासनिक पारदर्शिता बनी रहेगी तथा अधिकारियों की जवाबदेही भी सुनिश्चित होगी। उन्होंने यह भी कहा कि लम्बित मामलों के निपटारे में ढिलाई किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने जिलों से प्राप्त होने वाले प्रतिवेदन की गुणवत्ता और समय बद्धता सुनिश्चित करने पर बल दिया। साथ ही कहा कि ऐसे अधिकारी जिनपर गंभीर प्रकृति के आरोप लगे हों, उनपर त्वरित कार्यवाई सुनिश्चित की जाये।

पुराने मामले का किया गया निष्पादन

अपर मुख्य सचिव ने मंत्री को लम्बित वादों की अद्यतन स्थिति से अवगत कराते हुये कहा कि सभी मामलों की लगातार समीक्षा कर पुराने मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निपटारा सुनिश्चित कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अंचल अधिकारी-राजस्व अधिकारी पर कार्रवाई के कुल 544 मामलों का निपटारा किया गया है। इसमें 248 को लघु दंड, 92 को वृहद दंड, 89 की पेंशन कटौती और 135 पर चेतावनी की कार्रवाई की गई। इनमें से 234 मामलों का निष्पादन वर्ष 2024-2025 मेंराजस्व मंत्री ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि विभागीय निगरानी प्रणाली को और मजबूत कर निष्पादन प्रक्रिया को गति दी जाये और यह सुनिश्चित किया जाये कि लंबित वाद जल्द से जल्द सुलझाए जाएं। मंत्री सरावगी ने ऐसे आवेदन जो मुख्यालय में आते हैं उनके निष्पादन के संबंध में चर्चा की। उन्होंने कहा कि लोग उम्मीदों के साथ विभाग में आकर अपना आवेदन देते हैं, हमें उनका यह विश्वास बनाये रखना है। इसके लिये ऐसी व्यवस्था बनायी जाये कि इन आवेदनों की समुचित जांच के पश्चात त्वरित निष्पादन सुनिश्चित किया।

भाजपा छोड़कर 23 जून को मनीष कश्यप जा सकते हैं जन सुराज में

पटना। मनीष कश्यप का बीजेपी से मोह भंग हो गया है। भारतीय जनता पार्टी को छोड़ अब मनीष प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी को ज्वाइन करने जा रहे हैं। 23 जून को वो जन सुराज पार्टी की सदस्यता लेंगे और हमेशा-हमेशा के लिए बीजेपी से नाता तोड़ देंगे। कुछ दिन पहले ही मनीष कश्यप जन सुराज पार्टी के संस्थापक सदस्य और पटना हाईकोर्ट के वरीय अधिवक्ता वाईवी गिरी से मिले थे। तभी मनीष कश्यप ने जन सुराज ज्वाइन करने की इच्छा रखी थी। ऐसी चर्चा हो रही है कि मनीष 23 जून को पीके की पार्टी जनसुराज को ज्वाइन करेंगे। कमल की जगह अब स्कूल का बस्ता मनीष कश्यप थामेंगे। लेकिन अभी तक ना तो मनीष कश्यप की ओर से कोई बयान आया है और ना ही जन सुराज की ओर से आधिकारिक बयान आया है। लेकिन इसे लेकर अटकले तेज हो गयी है। सोशल मीडिया पर भी इस बात की चर्चा खूब हो रही है। मनीष कश्यप के जन सुराज का दामन थामने की बात सोशल मीडिया के हरेक प्लेटफार्म पर खूब वायरल हो रहा है।

बिहार में डिजिटल मतदान की नई पहल

पटना। बिहार राज्य निर्वाचन आयोग ने मतदान प्रक्रिया को और अधिक सुलभ, सुरक्षित और स्मार्ट बनाने के लिए ई-वोटिंग की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। इस डिजिटल नवाचार के माध्यम से अब विशेष रूप से दिव्यांगजनों, वरिष्ठ नागरिकों और प्रवासी मतदाताओं को अपने घर से ही मतदान करने का अवसर मिलेगा। राज्य निर्वाचन आयुक्त दीपक प्रसाद ने बताया कि आयोग का उद्देश्य एक ऐसी मतदान व्यवस्था तैयार करना है जो पूरी तरह से स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी हो और जिसमें हर नागरिक को समान रूप से मतदान का अधिकार मिल सके।

खोदवंदपुर थाना क्षेत्र के सागी पंचायत के नुरुल्लाहपुर गांव के पास हुई घटना

बेगूसराय में नदी में डूबने से 4 की मौत, चार को बचाया गया

♦ चारों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया

केटी न्यूज/बेगूसराय

बेगूसराय में बूढ़ी गंडक नदी में 8 लोग डूब गये। नदी में डूबने से दो सगे भाई सहित 4 लोगों की मौत हो गयी। जबकि 4 को लोगों ने किसी तरह बचा लिया। 8 लोग नदी में स्नान करने आए थे। वही खगड़िया के पसराहा थाना क्षेत्र के बदेहरा में पानी से भरे गड्ढे में तीन बच्चे डूब गये जिसमें एक बच्ची की मौत हो गयी जबकि दो बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। यहां भी बच्चे नहाने के लिए गये हुए थे। बेगूसराय में बूढ़ी गंडक नदी में 8 लोग नहाने के लिए गये हुए थे। नहाने के क्रम में 4 लोग नदी में समा गये और उनकी मौत हो गई। हालांकि 4 अन्य लोगों को ग्रामीणों ने बचा लिया। घटना खोदवंदपुर थाना क्षेत्र के सागी पंचायत के नुरुल्लाहपुर गांव की है। मृतकों की पहचान कल्लर दास के 12 वर्षीय पुत्र रोशन कुमार, राम शोभित दास के 14 वर्षीय पुत्र नीतीश कुमार, चांदसी दास के 19 वर्षीय पुत्र अविनाश और 18 वर्षीय पुत्र अभिषेक के रूप में हुई है। अभिषेक कुमार और अविनाश कुमार दोनों जुड़वा भाई बताए जा रहे हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि सभी लोग नदी में स्नान कर रहे थे, तभी 8 लोग गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। लोगों ने कूदकर 4 लोगों को बचा लिया, लेकिन 4 अन्य लोगों को नहीं बचा पाए, जिनकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही घटनास्थल पर काफी लोगों की भीड़ जमा हो गई। वहीं स्थानीय पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी। चारों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है। मिली जानकारी के मुताबिक चार लोग बूढ़ी गंडक नदी के सहनी घाट पर स्नान करने गए थे, जहां एक नाबालिग गहरे पानी में चला गया। उसे बचाने के चक्कर में अन्य लोग भी डूब गए। स्थानीय लोगों ने शोर मचाया और ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी। गोताखोरों ने चारों का शव नदी से निकाला। घटना की के बारे में बताया जाता है कि एक नाबालिग गहरे पानी में चला गया, जिसे बचाने के चक्कर में तीन अन्य लोग भी डूब गए। स्थानीय लोगों ने शोर मचाया और ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी।

गड्ढे में डूबने से 2 सगी बहनों की मौत

सुपौल। सुपौल के किशनपुर थाना क्षेत्र स्थित तुलापट्टी वार्ड 2 में खेत से मिट्टी खनन के लिए खोदे गए लगभग 20 फीट के गड्ढे में नहाने के दौरान डूबने से दो सगी बहन की मौत हो गई। बुधवार की दोपहर लगभग 2 बजे दोनों का शव ग्रामीणों की मदद से बाहर निकाला गया। दोनों की पहचान तुलापट्टी वार्ड 2 निवासी मो. मंजूर आलम की बेटी एहतशा प्रवीण (12) और नेमत प्रवीण (10) के रूप में हुई है। बताया गया कि दोपहर में दोनों बहन अन्य बच्चों के साथ पोखर की तरह दिखने वाले गड्ढे में नहाने गई थी। इसी बीच पैर फिसलने के बाद दोनों गहरे पानी में डूब गई। अन्य बच्चों के द्वारा शोरगुल पर ग्रामीणों की वहां भीड़ जुट गई। गोताखोर की टीम को सूचना दी गई। सूचना पर किशनपुर थानाध्यक्ष कृष्ण कुमार सहित अन्य भी घटनास्थल पर पहुंचे। इससे बाद राहत में जुट गए।

जिला भू-अर्जन कार्यालय के लिपिक 70 हजार रुपये की घूस लेते रंगेहाथ गिरफ्तार

केटी न्यूज/शिवहर

शिवहर जिले में पांच साल के लंबे अंतराल के बाद निगरानी विभाग की टीम ने एक बार फिर भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए जिला भू-अर्जन कार्यालय के लिपिक को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई समाहरणालय परिसर में की गई, जहां लिपिक विजय कुमार श्रीवास्तव को 70 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया। इस कार्रवाई के बाद कार्यालय परिसर में अफरातफरी का माहौल बन गया और अधिकारी व कर्मचारी सकते में आ गए। निगरानी विभाग के डीएसपी सुजीत कुमार सागर ने बताया कि शहर के बभनटोली गांव निवासी पप्पू कुमार तिवारी ने विभाग में लिखित शिकायत की थी, जिसमें कहा गया था कि रेलवे द्वारा अधिग्रहित भूमि के मुआवजे की फाइल पास कराने के एवज में भू-अर्जन कार्यालय के कर्मचारी द्वारा 70 हजार रुपये की रिश्वत मांगी जा रही है। शिकायत की जांच के बाद विभाग ने 17 जून को इस मामले में एफआईआर दर्ज की थी। इसके बाद बुधवार की सुबह जैसे ही कार्यालय खुला, निगरानी विभाग की टीम ने पहले से ही वहां जाल बिछा दिया। शिकायतकर्ता जैसे ही तय राशि लेकर पहुंचा और लिपिक ने पैसे लिए, टीम ने तत्काल उसे रंगे हाथ पकड़ लिया। डीएसपी सागर ने कहा कि इतनी बड़ी रकम की रिश्वत केवल एक लिपिक के स्तर पर ली जा रही हो, यह मानना मुश्किल है। प्रारंभिक जांच में स्पष्ट हो रहा है कि इस घोटाले में कनिष्ठ से लेकर वरिष्ठ स्तर तक के अन्य अधिकारी भी शामिल हो सकते हैं। गिरफ्तार लिपिक से कई घंटे तक पूछताछ की गई, जिसमें कई नाम सामने आए हैं। डीएसपी ने स्पष्ट किया कि अब आगे अन्य लोगों की गिरफ्तारी भी हो सकती है। बापूधाम शिवहर से होकर गुजरने वाली नई रेलवे लाइन परियोजना के लिए शहर सहित आसपास के क्षेत्रों की भूमि अधिग्रहित की गई है।

बीईओ समेत दो को निगरानी ने किया गिरफ्तार

सासाराम। जिले के बिक्रमगंज प्रखंड के बीईओ सुधीर कांत शर्मा एवं लेखा सहायक सुभाष कुमार को पटना से आई निगरानी विभाग की टीम ने बुधवार को घूस लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। बीईओ को सात हजार छह सौ रुपए रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है जबकि लेखा सहायक सात हजार रुपए घूस की रकम के साथ गिरफ्तार हुए हैं। बिक्रमगंज प्रखंड मुख्यालय पर निगरानी विभाग की इस बड़ी कार्रवाई से हड़कंप मचा हुआ है तथा निगरानी विभाग ने दोनों को गिरफ्तार कर अपने साथ पटना ले गई। आदर्श मध्य विद्यालय, गोटपा में पदस्थापित शिक्षक विद्या भूषण ने इसको लेकर पूर्व में ही निगरानी विभाग में एक शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके आलोक में विभाग ने शिकायत का सत्यापन कर जाल बिछाते हुए दोनों को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।

बिजली की खपत 2025 में जून तक यह बढ़कर 8 हजार 428 मेगावॉट तक पहुंच गई

सूबे में 20 साल में बिजली खपत में 12 गुना उछाल, हर गांव और शहर तक पहुंची रौशनी

केटी न्यूज/पटना

राज्य में पिछले 20 वर्ष के दौरान ऊर्जा की मांग और खपत में निरंतर बढ़ोतरी हो रही है। 2005 में 700 मेगावॉट बिजली की खपत हुआ करती थी। इसमें 12 गुणा से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की गई और 2025 में जून तक यह बढ़कर 8 हजार 428 मेगावॉट तक पहुंच गई है। 2012 में 1 हजार 751 मेगावॉट तथा 2014 में 2 हजार 831 मेगावॉट बिजली की खपत दर्ज की गई है। ऊर्जा विभाग से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, ऊर्जा की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। इसके मद्देनजर पारंपरिक ऊर्जा के स्रोतों का भी उपयोग व्यापक स्तर पर करने की तैयारी है, ताकि बढ़ती मांग की पूर्ति की जा सके। मुख्यमंत्री विद्युत संबंध निश्चय योजना के अंतर्गत राज्य के सभी घरों तक निर्धारित अवधि से 5 महीने पहले यानी अक्टूबर 2018, में ही बिजली कनेक्शन पहुंचाया जा चुका है। इस योजना का नाम बाद में सौभाग्य कर दिया गया।

प्रति व्यक्ति 5 गुणा बढ़ी ऊर्जा की खपत : सूबे में बीते 20 वर्षों के दौरान प्रति व्यक्ति ऊर्जा की खपत में करीब 5 गुणा की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। 2005 में ऊर्जा खपत प्रति व्यक्ति 75 किलोवॉट थी, जो 2025 में बढ़कर 363 किलोवॉट हो गई है। 2012 में प्रति व्यक्ति ऊर्जा की खपत 134 किलोवॉट और 2014 में यह बढ़कर 160 किलोवॉट दर्ज की गई थी। इसी तरह उपभोक्ताओं की संख्या में भी करीब साढ़े 12 गुणा की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। 2005 में राज्यभर में बिजली उपभोक्ताओं की संख्या 17 लाख थी, जो 2025 में बढ़कर 2 करोड़ 14 लाख हो गई। 2012 में 38 लाख और 2014 में उपभोक्ताओं की संख्या बढ़कर 43 लाख हुई थी।

अब शहर हो या गांव 22-24 घंटे रहती है बिजली : वर्तमान में राज्य के सभी शहरों या गांवों में औसतन 22 से 24 घंटे बिजली रहती है। अभी शहरी क्षेत्रों में औसतन 23-24 घंटे तथा ग्रामीण क्षेत्रों में औसतन 22-23 घंटे बिजली रहती है। वहीं, 2005 की बात करें, तो शहरी क्षेत्रों में औसतन 10-12 घंटे और ग्रामीण क्षेत्रों में यह औसत 5-6 घंटे का था। 2012 में शहरी क्षेत्रों में बिजली की उपलब्धता 14-16 घंटे और ग्रामीण क्षेत्रों में 8 से 10 घंटे बिजली रहती थी। 2014 में शहरी इलाके में औसतन 20-21 घंटे तथा ग्रामीण क्षेत्र में औसतन 14-16 घंटे बिजली मिलती थी। राज्य में विद्युतीकृत गांवों की संख्या 14 हजार 20 से बढ़कर 39 हजार 73 हो गई है। 2025 में राज्य के विद्युतीकृत टोलों की संख्या 1 लाख 6 हजार 249 हो गई है।

संक्षिप्त समाचार

सीएम ने शहीद सुनील के परिजनों को दी 2.66 करोड़ की मदद, पत्नी को नौकरी

रांची, एजेंसी। झारखंड जगुआर (एसटीएफ) के शहीद आरक्षी सुनील धान के परिजनों ने मंगलवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने उन्हें 2.66 करोड़ की आर्थिक मदद दी। इनमें एसबीआई पुलिस सैलरी पैकेज के तहत 1.20 करोड़ का चेक दिया गया। वहीं गृह विभाग की ओर से 1.46 करोड़ रुपए उनके खाते में ट्रांसफर किए गए। सीएम ने उनकी पत्नी गंदरी धान को राज्य सरकार के प्रावधान के तहत अनुकंपा पर नौकरी देने का भी प्रस्ताव दिया। मुख्यमंत्री ने शहीद जवान के परिजनों से बात कर उनकी पारिवारिक स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शहीद के परिजनों के साथ हमेशा खड़ी रहेगी। सुनील धान ने राज्यवासियों की सेवा करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया है। शहीद की मां फगनी उराइन ने सीएम को बताया कि खूंटी के कर्रा प्रखंड के कांटी पोहरा टोली में उनका पुश्तैनी घर है। आय के लिए खेतीबाड़ी के साधन उपलब्ध हैं। सीएम ने अफसरों से पेंशन सहित सभी लाभ शीघ्र देने का निर्देश दिया। 12 अप्रैल को चाईबासा के रातामाटी जंगल में नक्सलियों के खिलाफ अभियान के दौरान आईईडी विस्फोट में सुनील धान गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें रांची भेजा गया। यहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

खूंटी में लोन एजेंट से लूटपाट, एक नक्सली समेत चार गिरफ्तार

खूंटी, एजेंसी। जिले में लोन एजेंट से हथियार के बल पर लूटपाट करने वाले चार लुटेरों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है, जिसमें रशन मुंडा, सहिंद्र महली, भोलानाथ सिंह मुंडा और लालमोहन सिंह मुंडा शामिल है। गिरफ्तार अभियुक्तों के पास से एक देशी पिस्टल, दो जिंदा कारतूस, एक अपाची बाइक, मोबाइल फ़ोन, लूटा हुआ एक टैब, मोबाइल और एक बैग बरामद किया गया है। गिरफ्तार लुटेरों ने 13 जून को दिनदहाड़े अड़की थाना क्षेत्र के पुरनानगर स्थित कुजयामा के पास आरबीएल फिनसर्व लिमिटेड में लोन रिकवरी करने वाला शोएब अंसारी से 35,580 रुपये, टैब, मोबाइल सहित कई सामानों को लूट लिया था। गिरफ्तार सभी अभियुक्त बुंडू थाना क्षेत्र में हुए लूटकांड मामले का आरोपी रहा है। इनके खिलाफ बुंडू थाने में 123/12 केस दर्ज है। इस मामले में एसपी मनीष टोप्पो ने बताया कि 13 जून को अड़की में लूटकांड की घटना की जांच के लिए डीएसपी के नेतृत्व में एक एसआईटी की टीम गठित की गई थी। एसआईटी में प्रोबेशनर डीएसपी, इंस्पेक्टर और अड़की प्रभारी सहित कई सब इंस्पेक्टर शामिल थे। जांच के दौरान पता चला कि भाकपा माओवादी का सदस्य रशन मुंडा जेल से छूटने के बाद एक ग्रुप बनाकर व्यापारियों एवं क्षेत्र में घूमने वालों का रेकी कर उनके साथ लूटपाट करता था। जांचोपरांत टीम ने रशन के निशानदेही पर अन्य लोगों को भी गिरफ्तार किया गया। एसपी ने बताया कि इस लूटकांड में चार अन्य लुटेरे फरार है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। छापेमारी टीम में डीएसपी वरुण रजक, प्रोबेशनर डीएसपी रामप्रवेश कुमार, इंस्पेक्टर किशुन दास, अड़की प्रभारी प्रवीण कुमार तिवारी, पुअनि कुंदन कुमार, सुधीर कुमार, रोशन खाखा, राजीव कुमार, रौशन कुमार मुनेश्वर राम सहित सशत्र बल शामिल थे। वहीं, जिले में ऑपरेशन मुस्कान के तहत खूंटी पुलिस ने अभियान चलाकर अबतक कुल 58 मोबाइल रिकवर किया। खूंटी एसपी मनीष टोप्पो ने बताया कि विगत एक वर्षों के अंदर खूंटी पुलिस ने ऑपरेशन मुस्कान के तहत बेहतर कार्य किए। आज 13 मोबाइल रिकवर किया गया।

सासंदों-विधायकों के खिलाफ 12 आपराधिक मामले कोर्ट में लंबित, सीबीआई ने हाई कोर्ट को दी जानकारी

रांची, एजेंसी। झारखंड हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव और जस्टिस राजेश शंकर की खंडपीठ में सांसद- विधायकों के खिलाफ आपराधिक मामले के त्वरित निष्पादन को लेकर स्वत- संज्ञान से दर्ज जनहित याचिका पर मंगलवार को सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान मामले में सीबीआइ की ओर से स्टेटस रिपोर्ट दाखिल की गई। जिसमें झारखंड में सांसद-विधायकों के खिलाफ 12 लंबित आपराधिक मामलों की अद्यतन जानकारी दी गई, जिसमें कहा गया कि अलकतरा घोटाला से संबंधित बिहार के पूर्व मंत्री इलियास हुसैन के मामले में फैसला हो चुका है।

औचक निरीक्षण करने पहुंचे स्वास्थ्य मंत्री सेंट्रल इमरजेंसी में मॉनिटर बंद देख भड़के

रांची, एजेंसी। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी मंगलवार रात को एक्शन के मूड में दिखे। रात 9: 15 बजे खिजरी विधायक राजेश कच्छप के साथ इरफान अंसारी रिम्स का औचक निरीक्षण करने पहुंचे। पुराने इमरजेंसी में पहुंचते ही सबसे पहले वे न्यूरोसर्जरी के एक्सटेंशन वार्ड पहुंचे।

यहां मरीजों से इलाज की जानकारी ली। मरीजों को समय पर डॉक्टर देखते हैं या नहीं? दवाएं मिल रही या नहीं? नर्सिंग केयर आदि से संबंधित सवाल पूछे। लोगों से सकारात्मक जवाब भी मिला। मंत्री ने तीन-चार गरीब व असहाय रोगियों की आर्थिक मदद भी की। यहां मरीजों का हाल पूछने के दौरान उनकी नजर बेड के ऊपर लगी मॉनिटर पर पड़ी। मॉनिटर बंद पड़े थे। मंत्री ने बंद मॉनिटर को देख फटकार लगाई।

उन्होंने चिकित्सा अधीक्षक डॉ. हिरेन बिरुआ से पूछा कि आखिर मॉनिटर बंद क्यों है? जल्द से जल्द सभी मॉनिटर फंक्शनल करने का निर्देश दिया। सेंट्रल इमरजेंसी में एक रोगी को बेड नही मिला था। जानकारी

लेने के क्रम में मरीज ने अपनी परेशानी मंत्री को बताई।

इसपर मंत्री ने निदेशक को निर्देश देते हुए कहा कि जहां कमी है, मुझे तत्काल बताएं। रिम्स में पेशेंट के पहुंचते ही हर हाल में उसे बेड देना सुनिश्चित करें। अस्पताल आते ही मरीज को मिल मिल जाना चाहिए। अगर बेड नही मिलने की शिकायत मिली, तो यह ठीक नहीं होगा। उन्होंने तत्काल पूरी व्यवस्था दुरुस्त करने का भी निर्देश दिया।

स्वास्थ्य मंत्री ने सेंट्रल इमरजेंसी में मरीजों के ओवर फ्लो के सवाल का जवाब देते हुए कहा कि मुझे शिकायतें मिली है कि प्राइवेट अस्पताल देर रात मरीजों को रिम्स में डंप करते हैं। मरीज की स्थिति बिगाड़कर रिम्स भेजकर रिम्स का लोड बढ़ा देते हैं। चूंकि रिम्स सरकारी संस्थान है इसलिए रिम्स की मजबूरी सभी रोगियों को एडमिट करना है। लेकिन बहुत जल्द मैं निजी अस्पतालों के लिए पेशेंट रेफरल पॉलिसी लाने जा रहा हूं, जिसके बाद मरीज रेफर करने से पहले पूरा विवरण उसे लिखित में देना होगा।

मंत्री ने रिम्स में जलजमाव की समस्या के संबंध में निदेशक से जानकारी ली। इसके बाद पेइंग वार्ड के बाहर बन रहे ड्रेनेज सिस्टम को देखने पहुंचे। पेइंग वार्ड और सुपर स्पेशियलिटी विंग के बीच रास्ते में ड्रेनेज सिस्टम के लिए किए गड्ढे को देख पूछा, यह क्यों है? इसके बाद निदेशक डॉ. राजकुमार ने बताया कि बेसमेंट में अत्यधिक जलजमाव है, चूंकि सालों पहले से पतली पाइप लगी थी और पाइप जाम हो गया था। जिसे दुरुस्त कराने के लिए स्थाई रास्ता निकाला जा रहा है।

सेंट्रल इमरजेंसी में निरीक्षण के दौरान वजिहा परवीन नामक एक महिला ने मंत्री से गुहार लगाई कि रिम्स आए हुए कई घंटे हो गए हैं। मेरा मरीज सीरियस है, सर वेंटिलेटर नही मिल रहा है। इसपर स्वास्थ्य मंत्री ने तत्काल वेंटिलेटर उपलब्ध कराने का निर्देश रिम्स प्रबंधन को दिया। मंत्री ने कहा कि रिम्स में बेड की काफी कमी है। सेंट्रल इमरजेंसी में पेशेंट का फ्लो काफी ज्यादा है। ऐसे में प्रबंधन को मैंने निर्देश दिया है कि 7 दिनों के भीतर बेड बढ़ाएं और जो भी कमी-खामियां हैं, उसे दूर करें।

पति नहीं था पसंद, पत्नी ने जहर देकर मार डाला

गढ़वा, एजेंसी। गढ़वा जिला के रंका प्रखंड में भी इंदौर के राजाराजवंशी की हत्या जैसी घटना हुई है। यहां बुद्धनाथ सिंह नामक व्यक्ति की उसकी पत्नी सुनीता देवी ने जहर देकर हत्या कर दी। बुद्धनाथ की शादी भी 11 मई को हुई थी। इस संबंध में मृतक के परिजनों ने कहा कि शादी के बाद बुद्धनाथ सिंह की पत्नी सुनीता देवी दूसरे ही दिन मायके चली गई थी। वहां उसने अपने परिजनों से ससुराल नहीं जाने की बात कही थी।

मृतक के परिजनों के मुताबिक सुनीता को बुद्धनाथ शुरू से ही पसंद नहीं था। वह उसके साथ नहीं रहना चाहती थी। बुद्धनाथ के ससुरालव घर के लोगों ने इस शादी को बनाए रखने के लिए पूरा प्रयास किया। 5 जून को दोनों पक्ष के बीच पंचायती के बाद सुनीता को बुद्धनाथ विदाई करवाकर अपने घर ले आया। 12 दिन तक सुनीता किसी तरह बुद्धनाथ के साथ उसके घर में रही।

शनिवार को दोनों पति-पत्नी छत्तीसगढ़ के रामानुजगंज में बाजार करने के लिए गए हुए थे। यहां सुनीता के कहने पर बुद्धनाथ ने बाजार से कीटनाशक दवा खरीदी थी। सुनीता ने कहा था कि फसलों में लग रहे किट को मारने के लिए दवा की आवश्यकता है। बुद्धनाथ को यह कहां पता था कि जो कीटनाशक वह खरीद रहा है उसी से उसकी हत्या कर दी जाएगी। सुनीता ने बुद्धनाथ को कीटनाशक देकर मार डाला।

इस संबंध में मृतक की मां राजमती देवी ने रंका थाना में प्राथमिकी दर्ज करवाते हुए कहा है कि उसके बेटे की हत्या उसकी बहू ने कर दिया है। उसने कहा कि उसकी बहू कभी भी उसके बेटे के साथ रहना नहीं चाहती थी। समाज व परिवार के भय से वह ससुराल आ गई थी।

डालटनगंज रेलवे स्टेशन का ऐतिहासिक फुट ओवरब्रिज काट कर हटाया गया, 80 के दशक में हुआ था निर्माण

पलामू, एजेंसी। डालटनगंज रेलवे स्टेशन के ऐतिहासिक फुट ओवरब्रिज को काट कर हटा दिया गया है। मंगलवार को आधे से अधिक हिस्से को काटकर हटा दिया गया है, जबकि बुधवार को पूरी तरह से फुट ओवरब्रिज को काटकर हटा दिया जाएगा। 80 के दशक में डालटनगंज रेलवे स्टेशन पर फुट ओवरब्रिज बनाकर तैयार किया गया था। अमृत भारत योजना के तहत डालटनगंज रेलवे स्टेशन का चयन हुआ था।

अमृत भारत योजना के तहत डालटनगंज रेलवे स्टेशन का कायाकल्प किया गया है। इसी क्रम में 12 मीटर चौड़ा एक नया फुट ओवरब्रिज तैयार हुआ है। नए फुट ओवरब्रिज बनने के बाद पुराने फुट ओवरब्रिज को हटाया गया है, जिसके कारण एक घंटे तक ट्रेनों का परिचालन बंद कर दिया गया था।

पुराना फुटओवर ब्रिज काफी जर्जर हालत में भी हो गया था, जिससे दुर्घटना की भी आशंका थी। छह महीने पहले पुराने फुट ओवरब्रिज को बंद कर दिया गया था और नए ओवरब्रिज का इस्तेमाल शुरू हुआ था। पुराने फुट ओवरब्रिज को हटाने के लिए मंगलवार की शाम 5: 30 बजे से लेकर 6: 30 बजे तक ट्रेनों का परिचालन बंद किया गया था। ट्रैफिक इंस्पेक्टर अनिल कुमार तिवारी ने पूरे मामले की पुष्टि की है।

डालटनगंज रेलवे स्टेशन, धनबाद रेल डिवीजन का दूसरा सबसे बड़ा स्टेशन है। धनबाद के बाद डालटनगंज रेलवे स्टेशन से रेलवे को सबसे अधिक यात्रियों के किराए से आय होती है। डालटनगंज रेलवे स्टेशन से करीब 40 सुपर फास्ट एक्सप्रेस और पैसेंजर ट्रेन होकर गुजरती हैं।

आम्रेश्वर धाम में सावन की तैयारी, खूंटी में लगेगा आध्यात्मिक मेला

खूंटी, एजेंसी। डीसी आर रॉनिटा ने आम्रेश्वर धाम मंदिर स्थित सभागार में मंदिर प्रबंधन समिति के साथ बैठक की। इस दौरान विभिन्न विभागों के सभी संबंधित पदाधिकारी बैठक में उपस्थित रहे। दरअसल खूंटी जिला में 11 जुलाई से 9 अगस्त तक लगने वाले श्रावणी मेला को लेकर प्रशासन अपनी तैयारियों को पुख्ता कर रहा है।

अंगरा बारी में मिनी बाबा धाम से मशहूर बाबा आम्रेश्वर धाम में तैयारियों को लेकर जिला प्रशासन के साथ बैठक की गई। इस बैठक में डीसी आर रॉनिटा ने आम्रेश्वर धाम मंदिर प्रबंध समिति को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सावन के विषय पर मंदिर परिसर की साफ सफाई से लेकर विशेष श्रृंगार की व्यवस्था, प्रबंध समिति द्वारा की जाएगी।जल उठाव वाले नदी स्थल से मंदिर तक श्रद्धालुओं के पहुंचने के लिए बैरेकिंग की व्यवस्था की जाएगी। विद्युत व्यवस्था भी पूरे परिसर में मुकम्मल की जाए तथा महिला और पुरुष श्रद्धालुओं की पंक्ति अलग अलग बनाई जाए। सावन को लेकर मजिस्ट्रेट भी बहाल किए जाएंगे। मुरहू और तोरपा थाना पुलिस की ड्यूटी भी

सावन माह में आम्रेश्वर धाम में रहेगी।

मंदिर परिसर में लगने वाली पूजन सामग्रियों समेत अन्य दूकानों की व्यवस्था का दायित्व मंदिर प्रबंधन समिति का होगा। दुकानदारों और श्रद्धालुओं के लिए सभी तरह की उचित व्यवस्था की देखरेख की जिम्मेदारी प्रबंधन समिति करेगी। मेले का आयोजन की देखरेख की जिम्मेदारी भी प्रबंध समिति द्वारा की जाएगी। हालांकि सुरक्षा व्यवस्था के लिए मुरहू और तोरपा थाना पुलिस के पास होगी। जिला प्रशासन की ओर से पावन माह में श्रद्धालुओं के लिए, चिकित्सा सुविधा भी बहाल की जाएगी। सावन पावन माह की सभी आवश्यक तैयारियां बेहतर तरीके से की जाएगी।

इस बैठक में मंदिर प्रबंधन समिति को अपने स्तर से वॉलंटियर्स सीसीटीवी एवं क्षेत्र के दुकानदारों से डस्टबिन का उपयोग कराना सुनिश्चित करने को कहा गया है। जिससे क्षेत्र को स्वच्छ रखा जा सके। महिला, पुरुष एवं वीआईपी दर्शन की व्यवस्था को लेकर भी उपायुक्त ने जायजा लिया। श्रद्धालुओं के लिए एंट्री और एग्जिट पॉइंट की भी अच्छे से व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया है।

सड़क के आसपास की झाड़ियों की साफ-सफाई को लेकर पथ निर्माण विभाग को निर्देश दिया गया है। बनई नदी एवं अमरेश्वर धाम परिसर के तालाब के समीप बैकेडिंग करने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो सके। वही शौचालय स्थायी एवं अस्थायी शौचालय को साफ रखने का निर्देश दिया गया है।ट्रैफिक डायवर्जन, बैरिकेडिंग, लाउड स्पीकर आदि लगाने को लेकर भी चर्चा की गई। बैठक के दौरान मंदिर प्रबंधन समिति द्वारा कई सुझाव एवं प्रस्ताव जिला प्रशासन के समक्ष रखे गए हैं।

देवघर में 108 एंबुलेंस सेवा ठप, कर्मचारियों ने किया कार्य बहिष्कार, मरीज परेशान

देवघर, एजेंसी। विभिन्न मांगों को लेकर जिले के एंबुलेंस कर्मचारियों ने काम ठप कर दिया है। सरकार और विभाग की नीतियों के खिलाफ 108 एंबुलेंस के कर्मचारी सदर अस्पताल परिसर में धरने पर बैठ गए हैं। इस कारण मरीजों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में धरने पर बैठे 108 एंबुलेंस चालक मुकेश पंडित ने कहा कि पिछले चार महीने से काम करने के बावजूद ना तो उन्हें वेतन दिया जा रहा है और ना ही उन्हें अब तक ज्वाइनिंग लेटर दिया गया है। उन्होंने ने कहा कि सम्मान फाउंडेशन कंपनी के द्वारा उन लोगों को एंबुलेंस चालक के रूप में नियुक्त किया गया था। फरवरी 2025 में उनके साथ कई एंबुलेंस चालकों ने नई कंपनी के साथ काम शुरू किया था, लेकिन अभी तक उन्हें वेतन नहीं मिला है।

धरना पर बैठे एंबुलेंस चालकों ने बताया कि सम्मान फाउंडेशन को फरवरी महीने से राज्य सरकार की तरफ से 108 एंबुलेंस की जिम्मेदारी दी गई है। लेकिन जब से इस

कंपनी ने जिम्मेदारी ली है, तब से एंबुलेंस चालकों का वेतन अनियमित हो गया है। किसी भी चालक को ना तो ग्रेच्युटी मिल रही है और ना ही पीएफ के पैसे कट रहे हैं। देवघर जिले में करीब 25 की संख्या 108 एंबुलेंस हैं, जिसमें करीब 105 कर्मचारी काम कर रहे हैं। वेतन नहीं मिलने से सभी कर्मचारियों की माली हालत खराब होती जा रही है। जिसको देखते हुए एंबुलेंस चालकों ने सदर अस्पताल के सामने धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया है।

आपको बता दें कि सरकार के द्वारा 108 एंबुलेंस की जिम्मेदारी वर्तमान में सम्मान फाउंडेशन नाम की कंपनी को दी गई है। इसके पूर्व की कंपनी के पास भी कर्मचारियों का पैसा बकाया है। कंपनी के खिलाफ आक्रोश जाहिर करते हुए 108 एंबुलेंस चालकों ने बताया कि यदि जल्द से जल्द उनका बकाया पैसा और बकाया वेतन नहीं दिया जाता है तो वे लोग उग्र प्रदर्शन करने के लिए बाध्य हो जाएंगे। इधर, 108 एंबुलेंस की सेवा बंद होने से मरीजों को निजी एंबुलेंस सेवा पर निर्भर रहना पड़ा। सदर अस्पताल में धरना पर बैठे कर्मचारियों और एंबुलेंस चालकों ने कहा कि उनकी समस्या को देखते हुए राज्य सरकार कोई ठोस कदम उठाए, ताकि कंपनी के अधिकारी कर्मचारियों की मांग को पूरा करने के लिए संज्ञान लें।

शराब घोटाला मामले में दूसरा आईएएस अरेस्ट: पूर्व उत्पाद आयुक्त अमित प्रकाश गिरफ्तार

रांची, एजेंसी। झारखंड शराब घोटाला मामले में दूसरे पूर्व आईएएस अमित प्रकाश को एसीबी ने अरेस्ट किया है। इससे पहले इस मामले में आईएएस विनय चौबे को गिरफ्तार किया गया था। अमित प्रकाश उत्पाद विभाग के पूर्व आयुक्त और झारखंड स्टेट बिवरेज कॉरपोरेशन लि. के पूर्व जीएम रह चुके हैं। इनकी गिरफ्तारी के साथ ही शराब घोटाला मामले में कुल छह गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। इससे पहले एसीबी उत्पाद विभाग के पूर्व प्रधान सचिव विनय कुमार चौबे, संयुक्त आयुक्त गजेंद्र सिंह, दो पूर्व जीएम सुधीर कुमार दास व सुधीर कुमार और प्लेसमेंट एजेंसी के प्रतिनिधि नीरज कुमार सिंह को जेल भेज चुकी है।

अमित प्रकाश पर वित्तीय अनियमितताओं का गंभीर आरोप है। उन्होंने 2022 में मंत्री योगेंद्र प्रसाद के कार्यभार संभालने के कुछ दिन बाद ही बिना उन्हें सूचना दिए छत्तीसगढ़ की दो थोक शराब आपूर्ति कंपनियों को भुगतान किया था।

इनमें दीशिता वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड और ओम साईं विबरेजेज प्राइवेट लिमिटेड को करीब 11 करोड़ रुपए का भुगतान कर दिया था। यह भुगतान उस समय हुआ, जब झारखंड सरकार छत्तीसगढ़ की चार ब्लैकलिस्टेड प्लेसमेंट एजेंसियों से 450 करोड़ की वसूली के लिए

सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटा चुकी थी।

एसीबी की पूछताछ से बचने के लिए अमित प्रकाश ने आरटीआई के तहत अपने ही विभाग से शराब घोटाले से संबंधित जानकारी मांगी थी। उन्होंने 20 मई को दर्ज प्राथमिकी को आधार बनाते हुए 12 जून को 1200 पन्नों की जानकारी प्राप्त की थी।

फिर भी पूछताछ में वे संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। एसीबी के अनुसार, अमित के कार्यकाल के दौरान प्लेसमेंट एजेंसियों से बकाया राशि की वसूली के लिए कोई प्रयास नहीं किया। फर्जी बैंक गारंटी उजागर होने के बाद भी प्लेसमेंट एजेंसियों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई।

जनता दरबार में भू-माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई, जमीन म्यूटेशन में लापरवाही पर डीसी सख्त

रांची, एजेंसी। जिले में जमीन से जुड़ी समस्याओं को लेकर सोमवार को उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री के जनता दरबार में कई अहम मामले सामने आए. भू-माफियाओं की मिलीभगत, म्यूटेशन में लापरवाही और सरकारी योजनाओं से वंचित लोगों की शिकायतों पर डीसी ने त्वरित कार्रवाई की. वहीं, शहर और कांके अंचल से जुड़ी जमीन विवादों में डीसी ने संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए.जनता दरबार में रामेश्वर कुमार यादव ने अपनी समस्या रखते हुए बताया कि उन्होंने करमटोली स्थित एक जमीन वर्ष 2020 में खरीदी थी और तभी से म्यूटेशन के लिए प्रयासरत थे. इस दौरान कुछ भू-माफिया फर्जी दस्तावेज बनाकर उस जमीन को किसी अन्य व्यक्ति को बेचने की कोशिश कर रहे थे।

यादव ने उपायुक्त को बताया कि लगातार प्रयास के बावजूद न तो म्यूटेशन हो रहा था और न ही उनकी शिकायतों पर कोई सुनवाई हो रही थी. उपायुक्त के आदेश पर त्वरित कार्रवाई हुई और म्यूटेशन की प्रक्रिया पूरी कर दी गई. समाधान के बाद रामेश्वर ने कहा थैंक यू डीसी सर, भू-माफियाओं का मंसूबा नाकाम हो गया।

जनता दरबार में कांके अंचल से भी एक गंभीर मामला सामने आया, जिसमें मौजा मदनपुर के अंतर्गत फर्जी

दस्तावेज के आधार पर म्यूटेशन कर जमीन हड़पने की कोशिश की गई. पीड़ित ने मानसिक प्रताड़ना और परिवार को मिल रही धमकियों की जानकारी दी. उपायुक्त ने मामले की गंभीरता को देखते हुए अंचल सर्वे अधिकारी को जांच का निर्देश देते हुए कहा कि दोषी पाए जाने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। शहर अंचल के एक कर्मचारी पर म्यूटेशन फाइल को जानबूझकर रोकने का आरोप लगा. रंजीत मोहन नामक व्यक्ति ने बताया कि उन्होंने 31 मार्च 2025 को म्यूटेशन के लिए आवेदन दिया था, लेकिन कर्मचारी की टालमटोल से फाइल आगे नहीं बढ़ी. डीसी ने संबंधित कर्मचारी को शो-कॉज करने और एक सप्ताह के भीतर अग्रतर कार्रवाई नहीं होने पर प्रपत्र 'क' गठित करने का निर्देश दिया।

रामवृक्ष उरांव नामक व्यक्ति ने अपनी बेटी की इसी महीने होने वाली शादी के लिए मुख्यमंत्री कन्यादान योजना का लाभ दिलाने की गुहार लगाई. उपायुक्त ने तुरंत जिला समाज कल्याण पदाधिकारी को फोन कर लाभ सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया. इसके अलावा एक सड़क दुर्घटना में मृतक के पिता ने प्राकृतिक आपदा मुआवजा के लिए आवेदन दिया था, जिस पर डीसी ने जिला परिवहन पदाधिकारी को बुलाकर तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए. ग्राम प्रधान संघ, अनगड़ा के सदस्यों ने पिछले एक साल से लंबित मानदेय भुगतान की शिकायत की. डीसी ने कोषागार पदाधिकारी से अद्यतन जानकारी ली, जहां आईएफएससी कोड की गलती सामने आई. उसे सुधार कर भुगतान का निर्देश दिया गया।

जनता दरबार में उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री लोगों को नशा के खिलाफ जागरूक करते रहे. उन्होंने अपील की कि लोग नशे का विरोध करें और 'अबुआ साथी' व्हाट्सएप नंबर 9430328080 पर शिकायत दें।

गौरतलब हो कि उपायुक्त की पहल पर जनता दरबार में शिकायत करने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है. सोमवार को आयोजित दरबार में राजस्व, पेंशन, म्यूटेशन, प्रमाण-पत्र और अवैध कब्जा जैसे मामलों की भरमार रही, जिन पर डीसी ने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए. मौके पर डीसी ने कहा कि यह जनता दरबार लोगों के लिए है. लोग यहां बिना झिझक के शिकायत दर्ज कर सकते हैं।

ससुर ने कराई बहू की हत्या, 2 लाख में तय हुआ था सौदा, 6 आरोपी गिरफ्तार

सरायकेला, एजेंसी। जिले के दरभंगा ओपी अंतर्गत मुत्तुगोडा गांव में बीते 13 जून को 35 वर्षीय महिला की हत्या मामले में पुलिस ने 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। हत्याकांड का खुलासा करते हुए सरायकेला पुलिस अधीक्षक मुकेश लुनायत ने बताया कि मुत्तुगोडा गांव में बीते 13 जून को पांडु मुंडा की 35 वर्षीय पत्नी मोगरो मुंडा की अज्ञात लोगों द्वारा गला काटकर हत्या कर दी गई थी। जिसकी जानकारी दरभंगा ओपी पुलिस को प्राप्त हुई थी।

पुलिस ने महिला के शव को बरामद कर हत्या का मामला दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया।इसी कड़ी में पुलिस ने तकनीकी एवं मानवीय सबूतों के आधार पर महिला की हत्या में शामिल 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जिनके पास से पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त चाकू और मोटरसाइकिल भी जब्त की है। एसपी ने बताया कि एसडीपीओ समीर सेवइयां के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया था, जिसमें सर्किल इंस्पेक्टर नितिन कुमार, कुचाई थाना प्रभारी और दरभंगा ओपी प्रभारी शामिल थे।एसपी मुकेश लुनायत ने बताया कि डायन बिसाही के आरोप में महिला के ससुर सोयना मुंडा, फुफेरे देवर सुखलाल मुंडा, देवरानी डोली मुंडा ने हत्या की साजिश रची थी। खरसावां के तीन युवकों को हत्या के लिए कॉन्ट्रैक्ट दिया गया था।

सुभाषितम्

मनुष्य का दिमाग ही सब कुछ है, जो वह सोचता है वही वह बनता है।

- गौतम बुद्ध

किस ओर जा रहा है न्याय तंत्र ?

केन्द्रीय प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता अरविंद दातार को समन भेजा। ईडी की यह कार्रवाई ना केवल दुर्भाग्यपूर्ण है। यह हमारे संविधान ओर लोकतंत्र को चुनौती देने जैसा है। यह मामला किसी आम प्रशासनिक चूक का नहीं है। बल्कि वकीलों की पेशेवर स्वतंत्रता और न्यायिक प्रक्रिया की पवित्रता पर सरकार और ईडी का सीधा हमला है। ईडी ने मुअक्किल को दी गई कानूनी सलाह से नाराज होकर, सुप्रीम कोर्ट में पैरवी करने वाले वकील को जांच के घेरे में लाकर धमकाने की कोशिश की है। यह सोच कितनी भयावह है, इसका अंदाजा भी नहीं लगाया जा सकता है। सरकार की एजेंसियां अब वकीलों और अदालतों को धमकाने का काम करने लगी हैं। जांच एजेंसी जब वकील से यह पूछें कि उसने अपने मुअक्किल को क्या राय दी है। इसे ईडी को बताया जाए। एडवोकेट्स ऑन रिकॉर्ड एसोसिएशन ने ईडी की इस कार्रवाई पर सख्त आपत्ति की है। एसोसिएशन ने इसे न्याय प्रणाली को डराने और वकालत की स्वतंत्रता को कमजोर करने का कृत्य बताया है। जांच एजेंसियों की यह कार्यवाही अधिवक्ताओं और अदालतों के बीच में डर और भय फैलाने जैसी कार्यवाही की एक मिसाल है। ईडी और सरकार की कोई भी जाँच एजेंसी के खिलाफ अब हर वकील यह सोचेगा कि उसे सरकार के किसी एजेंसी के खिलाफ पैरवी करनी है, या नहीं। यदि उसने पैरवी की तो उसे जांच एजेंसी की प्रताणना का सामना करना पड़ेगा। उसे भी जांच एजेंसियां परेशान करेंगी। ईडी की इस कार्रवाई से कानूनी कार्यवाही में बकीलों के बीच में भय का माहौल बनाने का जो प्रयास ईडी द्वारा किया गया है। देश में इसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हुई है। सुप्रीम कोर्ट पहले ही ईडी की गिरफ्तारी और छापेमारी की शक्तियों पर समय-समय पर सवाल खड़ी कर चुकी है। ईडी अब वकीलों को निशाना बना रही है, जिसके कारण नागरिकों के मौलिक अधिकार भी अब संकट में पड़ते हुए दिख रहे हैं। न्याय व्यवस्था के लिए यह एक खतरनाक मोड़ है। इससे न केवल वकील, बल्कि हर नागरिक के उस अधिकार को खतरा उत्पन्न हो गया है। जिसमें वह स्वतंत्र कानूनी सलाह ले सकता है। कोर्ट में आम आदमी अब अपने अधिकारों की लड़ाई भी नहीं लड़ सकता है। यह कार्यवाही उस समय की याद दिलाता है। जब 2019 में सीनियर एडवोकेट्स आनंद ग्रोवर और इंदिरा जयसिंह को निशाना बनाया गया था। दातार के खिलाफ जारी समन का विरोध होने पर ईडी ने समन भले वापस ले लिया है। लेकिन सवाल जस का तस है। सत्ता में बैठे लोग कानून को भय का हथियार बनाकर अब वकीलों को भी प्रताड़ित कर रहे हैं ? क्या वकील भी अब स्वतंत्र नहीं रहे ? क्या न्यायपालिका स्वतंत्र रह गई है ? पैरवी करने और फैसला करने वालों को ही सरकार कानून के कठघरे में खड़ा करेगी। तो आम नागरिको की क्या हालत होगी ? इसका अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। इस घटनाक्रम के बाद जरूरी हो गया है, सुप्रीम कोर्ट, हाई कोर्ट और सभी बार काउंसिल मिलकर सरकार और उसकी जांच एजेंसियों की ऐसी प्रवृत्तियों को रोकने से सख्ती से आगे आएं। वकील और न्यायाधीश न्याय पालिका के दो पहिए हैं। दोनों ही न्यायपालिका के विशिष्ट अंग हैं। जब इनमें से किसी एक पर हमला होता है, तो न्यायपालिका और लोकतंत्र की गाड़ी डगमगाने लगती है। नागरिकों के संविधान प्रदत मौलिक अधिकार खतरे में पड़ने लगते हैं। न्याय के नाम पर अन्याय करने का जो काम सरकारें करती हैं। यदि इस तरीके की कार्यवाही को समय रहते नहीं रोका गया, तो आपातकाल से भी ज्यादा खराब तानाशाही की ओर ले जाने वाली कार्रवाई होगी। जांच एजेंसियों और सरकार की इस कार्रवाई के विरोध में वकीलों को आगे आना होगा, अन्यथा उनका भी कोई अस्तित्व नहीं रह जाएगा। अब तो वकील भी इसके शिकार होने लगे हैं। इससे गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है। 1975 का आपातकाल कानून के तहत लागू किया गया था। वर्तमान में आपात काल नहीं है। उसके बाद भी आपातकाल से ज्यादा तानाशाही और सरकारी प्रताणना आम नागरिकों को झेलना पड़ रही है।

चिंतन-मनन

श्रद्धा से मिलता है ज्ञान

एक बार बालक नचिकेता ने अपने पिता से कहा, आप ब्राह्मणों को जर्जर, कृशगात और अनुपयोगी गाय दान में दे रहे हैं। उन्होंने यह नहीं कहा कि ऐसा ठीक नहीं है परंतु पिता समझ गए कि यह मेरी निंदा कर रहा है, मेरा अनादर कर रहा है, मेरे कृत्य की भर्त्सना कर रहा है। नचिकेता ने पिता से कहा- शाछ्व कहते हैं कि अच्छी वस्तु, अच्छी निधि तथा अच्छी संपदा का दान करना चाहिए। अगर आप दान ही कर रहे हैं तो मुझको किसे दान में देंगे ?
पिता को चुप लग गया लेकिन बालक नचिकेता बार- बार टोकने लगा- पिताजी ! आप मुझे किसे दान में देंगे ? आपने यह भी विचार किया होगा कि मुझे भी किसी को दान में देंगे। इस पर पिता ने प्रोध में कहा-मैं तुझे यमराज को दान में देता हूं। आज से तू यम की वस्तु हुआ। दान की गई वस्तु कभी ली नहीं जाती और कभी लौटाई नहीं जाती। अब तू मेरा नहीं रहा। चूंकि मैं तुझे दान कर चुका हूं इसलिए तू मेरे पास नहीं रहेगा। बालक नचिकेता को यह बुरा नहीं लगा कि मेरे पिता ने मुझे कुछ कहा है। ऐसी श्रद्धा थी नचिकेता की अपने पिता के प्रति। यही श्रद्धा ज्ञानकारक बनी और नचिकेता को यमराज के द्वार पर लेकर गई। यमराज ने देखा कि यह सामान्य बालक नहीं, श्रद्धावान बालक था। जब हमारे पास श्रद्धा आती है तो वह हमें बाध्य करती है। गुरु के पास जो गुरुत्व है, साधु के पास जो साधुत्व है, संन्यासी के पास जो संन्यस्त है, गंगा के पास जो गंगत्व है,देवताओं के पास जो देवत्व है और भगवान के पास जो भगवत्ता है; उसके हम स्वाभाविक रूप से अधिकारी बन जाते हैं। श्रद्धावान व्यक्ति स्वाभाविक रूप से योग्यता रखता है चूंकि उसके पास तर्प नहीं होते। नचिकेता संकल्लित मन से यमराज की चौखट पर बैठ गया। यमराज ने कहा- तू तीन दिन से मेरे द्वार पर बैठा है, बड़ा हठी है। मांग क्या मांगना चाहता है ? इस पर बालक नचिकेता ने कहा-मैं मृत्यु का भेद जानने आया हूं।

एफएटीएफ के निशाने पर है पाक का आतंकवाद

- ललित गर्ग

विश्व में मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद के वित्तपोषण पर नजर रखने वाली संस्था वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) ने भले ही अभी पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट में नहीं डाला है, लेकिन उसने अंततः 22 अप्रैल को पहलगाम की क्रूर आतंकवादी हमले की निंदा की है। ऐसा करते हुए एफएटीएफ ने भारत की तार्किक दलील पर ही मोहर लगायी है जो भारत की इस विषयक सफलता को द्योतक हैं। एफएटीएफ ने दो टूक शब्दों में कह दिया है कि ह्यऐसे घटनाक्रम बिना पैसे और आतंकवादियों के समर्थकों के बीच फंडों के स्थानांतरित करने के बगैर नहीं हो सकते। आखिरकार भारत की यह चिर-प्रतीक्षित मांग कि पाक को आतंकवाद के पोषण के लिये कटघरे में खड़ा किया जाए, इस मांग के सफलता की सीढ़ियां चढ़ने का ही संकेत हैं। भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद विश्व जनमत को पाकिस्तान की हकीकत बताने के जो सार्थक प्रयास किए थे, भारत के सांसदों एवं अफसरों के प्रतिनिधिमण्डल को पाक को बेनकाब करने के लिये विश्व के प्रमुख देशों में भेजा, वे फलीभूत होते नजर आ रहे हैं।
एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में किसी देश को तब तक निगरानी में रखा जाता है, जब तक कि वह अपनी वित्तीय प्रणाली में पहचानी गई खामियों, त्रुटियों, विसंगतियों को ठीक नहीं कर लेता। पाकिस्तान निरंतर आतंकवाद को पोषण एवं प्रोत्साहन देने के लिये 2022 तक ग्रे लिस्ट में था, उसी वर्ष उसे ग्रे लिस्ट से हटाया गया, बावजूद पाकिस्तान ने कोई सुधार नहीं किया है और आतंकवादियों को न सिर्फ सुरक्षित पनाहगाह उपलब्ध करा रहा है, बल्कि आतंकवाद के वित्तपोषण जैसे आपराधिक कामों में भी खुद को शामिल करते हुए आतंकवाद की प्रयोगशाला बना हुआ है। एफएटीएफ ने फरवरी 2019 में पुलवामा आत्मघाती हमले की भी निंदा करते हुए ऐसे ही कठोर शब्दों का उपयोग किया था। लेकिन इस बार का अंतर यह है कि एफएटीएफ ने घोषणा की है कि ह्यराज्य प्रायोजित आतंकवाद इसकी आगामी रिपोर्ट में आतंकवाद के वित्तपोषण मामलों की जांच का हिस्सा होगा। दरअसल, पहलगाम नरसंहार के बाद भारत लगातार पाक को फिर से एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में डालने की मांग करता रहा है। जो पाकिस्तान की अंतर्राष्ट्रीय ऋणों तक पहुंच को गंभीर रूप से सीमित कर देगा। दरअसल, पाकिस्तान गढ़े हुए तर्कों के आधार पर इस निगरानी संगठन एफएटीएफ को मनाने में आंशिक रूप से सफल रहा था कि वह धन शोधन और आतंकवाद वित्तपोषण से निपटने के लिये अपने सिस्टम में सुधार कर रहा है। उल्लेखनीय है कि भारत के प्रबल विरोध के बावजूद इस्लामाबाद ने अंतर्राष्ट्रीय मद्रा कोष यानी आईएमएफ से एक अरब डॉलर का बेलआउट पैकेज हासिल करने में कामयाबी हासिल कर ली थी। हालांकि, इस बेलआउट पैकेज के साथ कई कड़ी शर्तों का सामना भी पाक को करना पड़ेगा। यूं भी यह अन्तर्राष्ट्रीय धन का गलत एवं अतिश्योक्तिपूर्ण इस्तेमाल देरसबेर विश्व के सामने आयेगा। भारत दुनिया के देशों को यह बताने और समझाने में कामयाब रहा है कि पाक न केवल आतंकवाद का समर्थन करता है, बल्कि वह आतंकवाद का पोषक भी है और वह आतंकवाद के लिए फंडिंग भी करता है। इस तरह इसे भारत की कूटनीतिक विजय कहा जा सकता है। क्योंकि एफएटीएफ का इतना बोल्ड बयान पाकिस्तान के मुंह पर तमाचा है। एफएटीएफ की ओर से जारी आधिकारिक बयान की गहराई को समझने की जरूरत है, कि आतंकवादी हमले दुनिया भर में लोगों की जान लेते हैं, उन्हें अपंग बनाते हैं और भय पैदा करते हैं। यानि एफएटीएफ ने यह मान लिया है कि पहलगाम हमला आतंकवादी वित्त पोषण के कारण ही अमल में आया। एफएटीएफ का यह बयान भारत के लिए बहुत अहम है। ध्यान रहे कि एफएटीएफ, जी-7 देशों की ओर से स्थापित एक स्वतंत्र संस्था है, जो देशों की वित्तीय नीतियों का मूल्यांकन करती है। गौरतलब है कि वर्तमान में एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में 24 देशों का नाम है, जो धन शोधन, आतंकवादी वित्तपोषण और प्रसार वित्त पोषण के लिए निगरानी में हैं। यहां यह उल्लेखनीय एवं ध्यान देने वाली बात है कि पाक को कई बार एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में डाला जा चुका है। इसे पहली बार 2008 में ग्रे लिस्ट में डाला गया था, लेकिन बाद में 2010 में इसे हटा लिया गया। इसके बाद, 2012 में पाक को फिर से इस लिस्ट में डाला गया और 2015 में इसे दुबारा हटा दिया गया। इसके बाद, पाक को जून 2018 में फिर से ग्रे लिस्ट में डाला गया था और अक्टूबर 2022 में इसे हटा लिया गया। लेकिन यह कुत्ते की ऐसी दूम है जिसे कितने की कड़े प्रावधानों में रखा जाये, यह टेढ़ी की टेढ़ी ही रहती है। उल्लेखनीय है कि एफएटीएफ ने वैश्विक नेटवर्क में 200 से अधिक क्षेत्रों के मूल्यांकन में योगदान देने वाले विशेषज्ञों का समर्थन करने के लिए आतंकवादी वित्तपोषण जोखिम पर मार्गदर्शन विकसित किया है। अहम बात यह है कि एफएटीएफ के सख्त एवं कठोर व्यवहार के बाद अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के यह समझ में आने लगा है कि पाकिस्तान एक असुरक्षित एवं आतंकवादी पोषक गंतव्य बनता जा रहा है। ऐसे में एफएटीएफ के दबाव और आर्थिक प्रतिबंधों की संभावना के कारण पाक की पहले से ही डांवाडोल अर्थव्यवस्था को और झटका लग सकता है। जी-7 शिखर बैठक 15 से 17 जून 2025 तक कनाडा के अल्बर्टा प्रांत के कनानास्किस में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की मेजबानी में हो रही है। इसमें जी-7 देशों के प्रमुखों के अलावा, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमीर जेलेंस्की, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज जैसे नेताओं को भी आमंत्रित किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस बैठक के दौरान जी-7 के सदस्य देशों के राष्ट्राध्यक्षों को पाक का सच और ऑपरेशन सिंधूर की सफलता के बारे में बताते हुए आतंकवाद के विरोध में संगठित होने के लिये वातावरण बना रहे हैं। भारत ने एफएटीएफ के बयान का स्वागत करते हुए कहा भी है कि यह वैश्विक स्तर पर आतंकवाद के खिलाफ एकजुट रुख की पुष्टि करता है। सुरक्षा विशेषज्ञों ने भी एफएटीएफ की चेतावनी को गंभीर बताते हुए कहा कि यह पाक के लिए एक और बड़ा झटका है।

बेटियाँ आगे बढ़ रहीं, पर मंच अब भी खाली !

- सोनम लववंशी

यूनेस्को की वैश्विक शिक्षा निगरानी रिपोर्ट 2024 जब यह कहती है कि लड़कियों की शैक्षणिक प्रगति वैश्विक स्तर पर उल्लेखनीय रही है, तो यह सिर्फ एक आंकड़ा नहीं, एक उम्मीद का सिरा है। भारत में भी यह बदलाव साफ नजर आता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के लागू होने के बाद से प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा तक लड़कियों की भागीदारी में बढ़ोतरी हुई है। उच्च शिक्षा में उनकी भागीदारी अब 49 प्रतिशत तक पहुँच चुकी है। यह एक ऐसा तथ्य है जो न केवल भारत के भविष्य की दिशा तय करता है, बल्कि सामाजिक संरचना में बदलाव के संकेत भी देता है, किंतु इसी उजाले के साथ एक लंबी छाया खिंचती है। जब बात नेतृत्व की होती है, चाहे वह राजनीति का क्षेत्र हो, कॉरपोरेट की ऊँचाइयाँ, या तकनीकी दुनिया के निर्णायक मोर्चे, महिलाएं वहाँ बहुत पीछे खड़ी नजर आती हैं। केवल 7.2 प्रतिशत भारतीय कंपनियों में महिलाएं सीईओ पद पर हैं। संसद में उनकी भागीदारी 14 प्रतिशत से भी कम है। वैश्विक स्तर पर यह आंकड़ा थोड़ा ही बेहतर है। विश्व बैंक की साल 2024 की रिपोर्ट की माने तो, विश्वभर में शीर्ष नेतृत्वकारी पदों में केवल 10 प्रतिशत हिस्सेदारी महिलाओं की है। यह आंकड़े न सिर्फ स्थिति की गंभीरता बताता हैं, ये सवाल भी उठाता हैं कि आखिर क्यों शिक्षा में आगे निकल चुकी महिलाएं नेतृत्व के पायदान पर पिछड़ जाती हैं ?
यह सवाल और भी गंभीर तब हो जाता है, जब हम मातृसत्तात्मक समाज की बात करते हैं। मेघालय इसका ज्वलंत उदाहरण है। यहाँ खासी और जयंतिया जनजातियों में संपत्ति और वंशानुक्रम महिलाओं से जुड़ा है। इन सबके बावजूद इस राज्य की विधानसभा में महिलाओं की भागीदारी बहुत कम या यूं कहें नाममात्र ही है। ऐसे में यह विसंगति केवल सांस्कृतिक ही नहीं, संरचनात्मक और मनोवैज्ञानिक भी है। क्या यह किसी सुनियोजित दमन का परिणाम है, या महिलाएं स्वयं नेतृत्व से दूर रहना चाहती हैं ? शायद सत्य इन दोनों के बीच कहीं छिपा है, क्योंकि देश के बाकी हिस्सों की स्थिति भी काफी दयनीय है। पितृसत्तात्मक सोच, सामाजिक अपेक्षाएं, और कार्यस्थलों पर मौजूद लैंगिक भेदभाव की संरचनाएं मिलकर एक ऐसा वातावरण निर्मित करती हैं, जहाँ महिलाएं नेतृत्व के अवसरों से वंचित रह जाती हैं। अवसर मिलने पर भी उन्हें दुगना संघर्ष करना होता है। राजनीति जैसे क्षेत्र में तो यह और भी कठिन हो जाता है, जहाँ जोखिम, सार्वजनिक आलोचना, और कभी-कभी हिंसा तक का सामना करना पड़ता है। विश्व आर्थिक मंच की 2024 की रिपोर्ट बताती है कि कार्यबल में वैश्विक रूप से महिलाओं की भागीदारी 42 प्रतिशत है, लेकिन वरिष्ठ नेतृत्व में यह संख्या घटकर केवल 31.7 प्रतिशत रह जाती है। इसी प्रकार, स्टीम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) क्षेत्रों में महिलाओं की वैश्विक भागीदारी मात्र 28.2 प्रतिशत है। इसका अर्थ यह है कि महिलाएं केवल शिक्षा तक सीमित नहीं, ज्ञान के अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भी अनदेखी का शिकार हैं।
वेतन असमानता भी एक बड़ी बाधा है। विश्व बैंक की वीमेन, बिजनेस एंड द लॉ-2024 की रिपोर्ट बताती है कि महिलाएं औसतन पुरुषों की तुलना में 2.4 घंटे अधिक अवैतनिक देखभाल कार्य करती हैं। इसके अतिरिक्त, 98 देशों में समान वेतन के कानून तो हैं, लेकिन केवल 35 देशों में ही ऐसे कानूनों के प्रवर्तन और पारदर्शिता के लिए मजबूत ढांचा है। इसका सीधा प्रभाव महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता और नेतृत्वकारी भूमिका पर पड़ता है। इन सबके बावजूद, तस्वीर पूरी तरह धुंधली नहीं है। बदलाव की किरणें मौजूद हैं। भारत में पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं को आरक्षण दिए जाने के बाद से स्थानीय स्तर पर नेतृत्व में उनकी भागीदारी में सुधार देखा गया है। यह दिखाता है कि जब अवसर और संरचना दोनों सकारात्मक रूप में मिलते हैं, तो महिलाएं नेतृत्व में भी उत्कृष्टता दिखा सकती हैं। वैश्विक स्तर पर भी प्रयास किए जा रहे हैं। विश्व बैंक की जेंडर स्ट्रेटेजी 2024-2030 का लक्ष्य है कि 2030 तक 300 मिलियन महिलाओं को डिजिटल कनेक्टिविटी, 250 मिलियन को सामाजिक सुरक्षा नेटवर्क और 80 मिलियन महिला-नेतृत्व वाले व्यवसायों को वित्तीय समर्थन दिया जाए। ये योजनाएं महिलाओं को सशक्त करने के प्रयास नहीं, एक समावेशी भविष्य की नींव हैं। सवाल यह है कि इस नींव पर हम कैसे निर्माण करेंगे ? सबसे पहले तो जरूरी है कि समाज में गहराई तक समाई लैंगिक रूढ़ियों को तोड़ा जाए। यह काम केवल पाठ्यक्रम बदलने या पोस्टर लगाने से नहीं होगा। इसके लिए जरूरी है कि बचपन से ही लड़के और लड़कियों दोनों को समानता, नेतृत्व और सह-अस्तित्व के मूल्यों की शिक्षा दी जाए।
कार्यस्थलों पर भी व्यापक बदलाव जरूरी हैं। मातृत्व अवकाश, लचीली कार्य व्यवस्था, यौन उत्पीड़न के मामलों में सख्त कार्यवाही, और महिलाओं की पदोन्नति के लिए पारदर्शी और न्यायसंगत प्रणाली का निर्माण अनिवार्य है। राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए सिर्फ आरक्षण पर्याप्त नहीं होगा। यह सुनिश्चित करना होगा कि आरक्षण सांकेतिक न रहे, बल्कि उसके माध्यम से वास्तविक और प्रभावी नेतृत्व उभर कर सामने आए। इसके लिए उन्हें प्रशिक्षण, संसाधन और एक सुरक्षित सार्वजनिक वातावरण प्रदान करना होगा। समाज को यह समझने की आवश्यकता है कि महिलाओं का नेतृत्व महिलाओं के लिए नहीं, पूरे समाज के विकास के लिए जरूरी है।

वैश्विक स्तर पर भारत के विरुद्ध पुनः गढ़े जा रहे झूठे विमर्श

- प्रहलाद सबनानी

वैश्विक स्तर पर आर्थिक जगत में भारत का उदय कुछ देशों को रास नहीं आ रहा है। विकसित देशों के बीच पूरे विश्व में भारत आज सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है। जापान, ब्रिटेन, फ्रांन्स, इटली आदि देशों से आगे निकलते हुए भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और शीघ्र ही लगभग एक वर्ष के बाद जर्मनी को पीछे छोड़ते हुए भारत के विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के आसार भी अब स्पष्टतः दिखाई दे रहे हैं। भारत एक ओर अतिआधुनिक तकनीकि के आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स एवं डाटा सेंटर जैसे क्षेत्रों में पूरे विश्व का नेतृत्व करता हुआ दिखाई दे रहा है तो दूसरी ओर वित्तीय क्षेत्र में ऑनलाइन व्यवहारों के मामले में भी भारत आज कई देशों का मार्गदर्शन करता हुआ दिखाई दे रहा है। कुल मिलाकर भारत आज लगभग प्रत्येक क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनते हुए विश्व के अन्य देशों पर अपनी निर्भरता को कम करता जा रहा है। भारत के विकास की यह गति एवं राह कुछ देशों को बिलकुल उचित नहीं लग रही है एवं वे वैमनस्य का भाव पालते हुए भारत के विरुद्ध एक बार पुनः कुछ झूठे विमर्श गढ़ने का प्रयास कर रहे हैं।
हाल ही में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) द्वारा जारी की गई एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 2,730 अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है, जबकि बांग्लादेश में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 2,870 अमेरिकी डॉलर है। इस प्रकार, भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के बावजूद प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में बांग्लादेश जैसे छोटे देश से भी पीछे है। अतः यह झूठा विमर्श गढ़ने का प्रयास किया जा रहा है भारत में किस प्रकार का आर्थिक विकास हो रहा है जिससे भारतीय नागरिकों की आय तो उतनी तेजी से नहीं बढ़ पा रही है, जिस तेजी से भारत का आर्थिक विकास होता हुआ दिखाई दे रहा है। आंकड़ों का उचित तरीके से विश्लेषण न करते हुए भारत के संदर्भ में गलत जानकारी देने का कुत्सित प्रयास किया जा रहा है। यहां यह स्पष्ट करना जरूरी है कि किसी भी मामले में तुलना दो आमों के बीच ही सम्भव है आम एवं संतरे के बीच तुलना कैसे सम्भव है। भारत की जनसंख्या 140 करोड़ है, जबकि बांग्लादेश की जनसंख्या केवल 17 करोड़ से कुछ ही अधिक है। भारत एक विशाल देश है जिसमें 60 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या आज भी गावों में निवास करती है। भारत में 28 राज्य एवं 8 केंद्र शासित प्रदेश हैं। बांग्लादेश, भारत के सामने एक पिद्दी सा देश है। यदि तुलना करनी ही हो तो भारत की तुलना चीन से की जा सकती है। इसी प्रकार, बांग्लादेश की तुलना स्विट्जरलैंड, नीदरलैण्ड, स्वीडन आदि जैसे छोटे देशों से की जा सकती है। स्विट्जरलैंड में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 99,564 अमेरिकी डॉलर; नीदरलैण्ड में 64,572 अमेरिकी डॉलर एवं स्वीडन में 55,516 अमेरिकी डॉलर प्रति व्यक्ति है। ब्रिटेन ने जब भारत में अपनी सत्ता को छोड़ा था अर्थात भारत ने वर्ष 1947 में जब राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्त की थी तब भारत की 70 प्रतिशत से अधिक आबादी गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रही थी, परंतु आज केवल 4 से 4.5 प्रतिशत भारतीय ही गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे हैं। जबकि, बांग्लादेश में लगभग 19 प्रतिशत नागरिक गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने को मजबूर हैं।

आज का राशिफल

मेष कार्यक्षेत्र में कोई महत्वपूर्ण मीटिंग या डील फाइनल हो सकती है, जिससे भविष्य में उन्नति के द्वार खुलेंगे।

तुला आज आप व्यावसायिक और पारिवारिक जिम्मेदारियों में सामंजस्य बैठाने में सक्षम रहेंगे।

वृषभ आज भाग्य साथ देगा और करियर के मामले में कहीं यात्रा पर जाने के योग बन रहे हैं।

वृश्चिक आपको अचानक किसी महत्वपूर्ण कार्य या मीटिंग की जिम्मेदारी मिल सकती है।

मिथुन हर काम संभलकर करने की सलाह है। लंबे समय से छिपी जानकारी उजागर हो सकती है।

धनु आज वाणी और व्यावसायिक सूझबूझ से आर्थिक क्षेत्र में नए द्वार खुल सकते हैं।

कर्क किसी प्रॉजेक्ट पर काम कर रहे हैं तो उसके परिणाम सकारात्मक मिल सकते हैं।

मकर आज आत्मबल और नेतृत्व क्षमता के बल पर कोई बड़ा और चुनौतीपूर्ण प्रॉजेक्ट मिल सकता है।

सिंह आपकी संगठित कार्यशैली और समय प्रबंधन कौशल से सब संभल जाएगा।

कुंभ आज दिन की शुरुआत थोड़ी उलझनों से हो सकती है, लेकिन जैसे-जैसे दिन बढ़ेगा।

कन्या मीडिया, कंटेंट, एजुकेशन, या आर्ट से जुड़े लोगों को नया अवसर मिल सकता है।

मीन अगर आप नौकरी कर रहे हैं तो प्रमोशन या बड़ी ज़िम्मेदारी मिलने के संकेत हैं।

विशेष

रील बनाने वाले मंत्रियों पर प्रधानमंत्री मोदी की निगाहें टेढ़ी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 2001 से ही नीति रही है। उनके सामने किसी का प्रचार नहीं होना चाहिए। जब वह गुजरात के मुख्यमंत्री थे। वहां के समाचार पत्रों में कभी मंत्रियों के फोटो नहीं छपते थे। हर काम का श्रेय मुख्यमंत्री मोदी लेते थे। गुजरात के समाचार पत्रों में यदि किसी मंत्री का फोटो छप जाता था। दूसरे दिन उसकी मुख्यमंत्री कार्यालय में पेशी हो जाती थी। 2014 के बाद से यही स्थिति प्रधानमंत्री के रूप में मोदी की बनी हुई है। समाचार पत्रों में प्रधानमंत्री की फोटो ही छपती है। मंत्री अखबारों और टीवी में अपना चेहरा देखने के लिए तरस जाते हैं। इस बार कुछ केंद्रीय मंत्रियों ने रील के जरिए अपना प्रचार अभियान शुरू किया। जैसे ही इसकी जानकारी मोदी जी को लगी। उन्होंने मंत्रियों को निशाने पर ले लिया है। रील बनाने वाले मंत्रियों के ऊपर क्या कार्रवाई होगी, इसका पता जल्द ही लग जाएगा। अति उत्साह में रील बनाने वाले मंत्रियों से गलती हो गई है। इसकी कितनी कीमत चुकानी पड़ेगी,यह तो समय ही बताएगा।

तमिलनाडु का चुनाव तमिल सभ्यता पर लड़ा जाएगा

भारतीय जनता पार्टी हिंदुत्व और सनातन के आधार पर चुनाव लड़ती है। तमिलनाडु में इस बार का विधानसभा चुनाव तमिल सभ्यता पर आधारित होगा। तमिलनाडु के किलाड़ी में खुदाई चल रही है। यहां पर तमिल सभ्यता के 2600 वर्ष से ज्यादा पुरानी सभ्यता के प्रमाण मिले हैं। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन दावा कर रहे हैं। सनातन और सिंधु घाटी जैसी पुरानी, तमिल सभ्यता है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1819 वाष्पचालित जहाज से पहली बार अटलांटिक पार कर एस. एस. एवन्ना लिवरपुल लौटा. 1862 अमरीका ने अपने यहाँ दास प्रथा पर प्रतिबंध लगाया. 1885 स्वतंत्रता की देवी की मूर्ति फ्रांस से न्यूयार्क पहुंची. 1944 द्वितीय विश्व युद्ध में प्रशांत महासागर स्थित ऐपान द्वीप अमरीका ने जापानियों से छीन लिया. 1953 सोवियत संघ में परमाणु बम की जानकारी खुफिया तौर पर देने के लिए अमरीका के जूलियन और इथेल रोर्जनबर्ग को मौत की सजा दी गई. 1961 कुवैत को ब्रिटेन से स्वतंत्रता मिली.1970 सोवियत अंतरिक्ष यान सोयुज-9 सत्रह दिन अंतरिक्ष में रहने के बाद कजाकिस्तान में सुरक्षित उतरा. 1981 भारतीय उपग्रह एपल का कोरु, फ्रेन्च, गुयाना से सफल परीक्षण. 1987 लोकतंत्र समर्थकों पर सैनिक कार्रवाई को चीन के प्रधानमंत्री ली फंग ने जायज करार दिया.

दैनिक पंचांग

19 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	मिथुन	04.58 बजे से
चंद्र	मीन में	कर्क	07.16 बजे से
मंगल	सिंह में	सिंह	09.32 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या	11.44 बजे से
गुरु	मिथुन में	तुला	13.55 बजे से
शुक्र	मेष में	वृश्चिक	16.09 ब.से
शनि	मीन में	धनु	18.25 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	20.30 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	22.17 बजे से
राहुकाल		मीन	23.50 बजे से
1.30 से 3.00		मेष	01.20 बजे से
बजे तक		वृष	03.00 बजे से

गुरुवार 2025 वर्ष का 170 वा दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** अष्टमी 11.56 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराभाद्रपदा 23.17 बजे को समाप्त। **योग** आयुष्मान 05.24 बजे तदनन्तर सौभाग्य 02.46 बजे रात्र को समाप्त। **करण** कौलव 11.56 बजे तदनन्तर तैतिल 22.56 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 22.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 25'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872380
जूलियन दिन 2460845.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना जिल्हेज
तारीख 22

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक		अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक	
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक		चर	07.11 से	08.43 बजे तक	
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक		रोग	08.43 से	10.15 बजे तक	
चर	10.19 से	11.47 बजे तक		काल	10.15 से	11.47 बजे तक	
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक		लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक	
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक		उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक	
काल	02.43 से	04.11 बजे तक		शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक	
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक		अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

ये हैं दुनिया की 5 सबसे कठिन डिग्रियां

अगर आप अपने करियर को ऊंचाइयों तक ले जाना चाहते हैं और शानदार कमाई करना चाहते हैं, तो इस आर्टिकल में बताए गई कठिन डिग्रियों में से किसी एक को चुन सकते हैं। हालांकि, इन डिग्रियों को हासिल करना आसान नहीं होता, लेकिन मेहनत और लगन से इन्हें पूरा करके आप अपने भविष्य को सुरक्षित और शानदार बना सकते हैं। अगर आप करियर में ऊंचाइयों को छूना चाहते हैं और अच्छी कमाई का सपना देख रहे हैं, तो आपके लिए सही डिग्री चुनना बेहद जरूरी है। दुनिया में कई डिग्रियां ऐसी हैं, जिन्हें पूरा करना आसान नहीं होता है, लेकिन एक बार हासिल करने के बाद इनका स्कोप और सैलरी पैकेज जबरदस्त मिलता है। कठिनाई के बावजूद, इन डिग्रियों की डिमांड हमेशा बनी रहती है। तो आइए दुनिया की 10 सबसे कठिन डिग्रियों के बारे में जानते हैं, जिन्हें पाकर आप लाखों की कमाई कर सकते हैं।

बैचलर ऑफ मेडिसिन एंड बैचलर ऑफ सर्जरी

अगर आप डॉक्टर बनना चाहते हैं, तो MBBS दुनिया की सबसे कठिन डिग्रियों में से एक मानी जाती है। इसमें लंबे समय तक पढ़ाई, इंटर्नशिप और प्रैक्टिकल ट्रेनिंग करनी होती है। लेकिन इस फील्ड में करियर बना लिया, तो कमाई की कोई सीमा नहीं होती।

इंजीनियरिंग

इंजीनियरिंग डिग्री कोर्स काफी कठिन होता है, खासकर तब जब आप टॉप ब्रांच जैसे कंप्यूटर साइंस, इलेक्ट्रिकल या मैकेनिकल इंजीनियरिंग में पढ़ाई कर रहे हों। इसमें थ्योरी, प्रैक्टिकल, प्रोजेक्ट्स और इंटर्नशिप का कॉम्बिनेशन होता है, जो इसे और भी चैलेंजिंग बना देता है।

चार्टर्ड अकाउंटेंसी

CA कोर्स दुनिया के सबसे कठिन कोर्सों में से एक है। इसमें कई स्तर के एग्जाम होते हैं और पास करने की दर भी काफी कम होती है। लेकिन अगर आप इसे पूरा कर लेते हैं, तो बड़े कॉरपोरेट हाउस में लाखों-करोड़ों के पैकेज पर जॉब पा सकते हैं या खुद की फर्म शुरू कर सकते हैं।

एस्ट्रोनॉमी और एयरोस्पेस इंजीनियरिंग

अगर आपको अंतरिक्ष और विमानन विज्ञान में रुचि है, तो यह डिग्री आपके लिए है। लेकिन यह बहुत ही कठिन होती है, क्योंकि इसमें गणित, भौतिकी और तकनीकी ज्ञान की गहरी समझ जरूरी होती है। नासा, इसरो जैसी एजेंसियों में काम करने का सपना देखने वालों के लिए यह एक बेहतरीन करियर ऑप्शन है।

लॉ के बाद जज बनने और वकालत करने के अलावा भी हैं ढेर सारे विकल्प

लॉ में करियर लंबे समय से युवाओं के बीच पॉपुलर रहा है और अब इसमें विकल्पों के बढ़ने आपके लिए मनमाफिक विकल्प चुनना भी आसान हो गया है। दरअसल कानूनी पेचिदगियों और समाज के विस्तार के चलते कानून के जानकार प्रोफेशनल्स की जरूरत हर जगह बढ़ गई है। आज के समय में आम लोगों अपने अधिकारों के प्रति काफी जागरूक हैं, वे कानूनी प्रक्रियाओं को समझना चाहते हैं, ऐसे में लॉ में करियर बनाने वालों का महत्व और भी ज्यादा बढ़ गया है। साथ ही हर दिन किसी नई खोज या तकनीकी विकास के चलते पुराने और प्रचलित कानूनों में संशोधन करने की जरूरत होती है। और इस लिहाज से भी कानून के जानकारों की मांग में में इजाफा हुआ है।

लॉ का ये है पाठ्यक्रम

लॉ से सम्बंधित 2 पाठ्यक्रम होते हैं पहला, 10+2 के बाद पांच वर्षीय इंटिग्रेटेड लॉ पाठ्यक्रम और ग्रेजुएशन के बाद तीन वर्षीय लॉ पाठ्यक्रम। पांच वर्षीय इंटिग्रेटेड लॉ पाठ्यक्रमों में भी अब पाँच प्रकार के पाठ्यक्रम हो गए हैं – आर्ट्स के छात्रों के लिए बीए एलएलबी, साइंस के छात्रों के लिए बीएससी एलएलबी, कॉमर्स के छात्रों के लिए बीकॉम एलएलबी, कंप्यूटर साइंस के छात्रों के लिए बीसीए एलएलबी और मैनेजमेंट के छात्रों के लिए बीबीए एलएलबी। उक्त पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए आपको क्लैट यानि कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट से गुजरना होगा, जो वर्ष में एक बार होता है। आपकी रैंकिंग के आधार पर आपको कॉलेज अलॉट किए जायेंगे। देश में कई ऐसे सरकारी विश्वविद्यालय हैं, जहाँ केवल लॉ की ही पढ़ाई होती है। ग्रेजुएशन के बाद के लॉ पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए विश्वविद्यालय अपना-अपना एंट्रेंस टेस्ट संचालित करते हैं।

इस तरह बनें लायर

वह समय ख़त्म हो गया, जब आप लॉ की परीक्षा पास कर काला कोट पहन कर सीधे वकालत में सकते हैं। लॉ के बाद आपको बार काउन्सिल ऑफ़ इंडिया द्वारा संचालित आल इंडिया बार एग्जामिनेशन यानि एआईबीई देना होगा, जिसके बाद ही आप वकालत के लिए योग्य घोषित कर दी जाएंगी। इसके बाद आपका रजिस्ट्रेशन बार काउन्सिल ऑफ़ इंडिया में हो जायेगा और तब आप वकील के तौर पर काम करने की योग्यता प्राप्त कर लेंगीं।

एकेडमिक्स में जाएं

यदि आपका ध्येय केवल एक वकील की तरह भारत के किसी भी न्यायलय में वकालत को अपना करियर बनाना है, तो इसमें एलएलएम (लॉ में पोस्ट ग्रैजुएट) की कोई भूमिका नहीं है। इसके लिए आपकी एलएलबी की डिग्री ही पर्याप्त है। एलएलएम और पीएचडी मुख्य रूप से वे महिलाएं करती हैं, जो लॉ के क्षेत्र में एकाडेमिक्स में जाना चाहती हैं और आगे चलकर किसी लॉ कॉलेज में एक लेक्चरर के रूप में अपना करियर बनाना चाहती हैं। अगर आप किसी कानून विशेष में स्पेशलाइजेशन करना चाहती हैं, तो पीजी और पीजी डिप्लोमा स्तर पर स्पेशलाइजेशन के लिए कई विकल्प उपलब्ध हैं।

एनवायरमेंटल लॉयर

अगर आप प्रकृति के संरक्षण के बारे में गंभीरता से सोचती हैं तो एन्वायरमेंटल लॉयर बनने के बारे में सोच सकती हैं। इसके जरिए आप प्राकृतिक संपदा के नष्ट होने से जुड़ी चीजों को बचाने की बात कह सकती हैं। इसके तहत आप पब्लिक इंट्रस्ट लिटिगेशन भी डाल सकती हैं। इसके अलावा एन्वायरमेंटल लॉयर्स की जरूरत एनजीओज में भी होती है, जो प्रकृति को होने वाले नुकसान पर आवाज उठाते हैं।

साइबर लॉयर

टेक्निकल एडवांसमेंट के दौर में साइबर अपराध भी तेजी से बढ़ रहे हैं और इन पर काबू पाने के लिए साइबर लॉयर्स की मांग तेजी से बढ़ रही है। खासतौर पर फर्जी ई-मेल भेजना, सोशल अकाउंट हैक करना, कंपनियों के साथ फ्रॉड, खातों से फर्जी तरीके से पैसे निकालना, एसएमएस हैकिंग, मोबाइल क्लोनिंग जैसे मामले सामने आ रहे हैं। इसे देखते हुए कंप्यूटर और नेटवर्क सिक्योरिटी पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसे देखते हुए आप कंप्यूटर एंड डिजिटल फॉरेंसिक एक्सपर्ट बनने के बारे में भी सोच सकती हैं।

पेटेंट एंड कॉपीराइट लॉयर

कई बार लोग अवैध रूप से किसी अन्य व्यक्ति की खोज को अपना नाम दे देते हैं, इससे सुरक्षा देता है पेटेंट एंड कॉपीराइट लॉ। कानूनी तौर पर अगर कोई थर्ड पार्टी मूल प्रॉडक्ट को बनाना चाहती है, तो उसे इसके लिए लाइसेंस लेने की जरूरत होती है और उस पर रॉयल्टी शुल्क देना पड़ता है। बौद्धिक संपदा यानी Intellectual Property बिजनेस के उभरते हुए क्षेत्रों में से एक है और इसमें यंग प्रोफेशनल्स की अच्छी खासी मांग है।

लेबर लॉयर

कंपनियों में काम करने वाले कर्मचारियों के अधिकार लेबर लॉ के तहत आते हैं। अक्सर कंपनियों में काम कर रहे इंप्लॉई अपने अधिकार और अन्य विवादों को लेकर अदालत में पहुंच जाते हैं। लेबर लॉ से जुड़े मामलों में इजाफा होने की वजह से इसमें भी आपके लिए आपके लिए अच्छी संभावनाएं हो सकती हैं।

इंटरनेशनल लॉयर

अगर आपकी अंग्रेजी अच्छी है और आपकी अंतरराष्ट्रीय घटनाओं में रुचि है तो आप इंटरनेशनल लॉयर बनने के बारे में भी सोच सकती हैं। इसके तहत विभिन्न राष्ट्रों के राष्ट्रीय हितों से जुड़ी समस्याओं का कानूनी तरीके से हल निकाला जाता है।

कॉरपोरेट लॉयर

देश में कंपनियों के बढ़ते प्रसार के बीच आजकल कॉरपोरेट लॉ का स्कोप भी काफी अच्छा है। इसके तहत कंपनियां ऐसे प्रोफेशनल्स अपने यहां रखती हैं, जो उन्हें अपनी कानूनी अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में सलाह दे सकें। कॉरपोरेट लॉयर्स के तौर पर अच्छा तजुर्बा हासिल होने पर अच्छा पे-पैकेज भी मिलता है।

ये हैं जरूरी गुण

- बेहतर संवाद क्षमता
- अच्छी मेमोरी
- हाजिरजवाब
- तार्किक और चीजों का विश्लेषण करने में निपुण
- धैर्यवान होने का गुण
- समस्याओं के अनूठे हल निकालने में सक्षम
- कानूनी पहलुओं की अच्छी जानकारी
- समर्पण और कड़ी मेहनत

यदि आप अपनी बातों को प्रभावी ढंग से सामने वाले के सामने रख सकते हैं और जिसे भारत के कानून के बारे में नई-नई बात जानने की उत्सुकता बनी रहती है, आपके मन में अक्सर किसी व्यवस्था को लेकर उदगार पैदा होते हैं और आप समझते हैं कि यदि आपके हाथ में कानून होता तो इसे ठीक करने की कोशिश करते , तो फिर लॉ का क्षेत्र आपके लिए ही है। अगर आप लॉ के बाद इसमें करियर बनाने की सोच रहे हैं तो आपको बता दें कि इसमें काफी अच्छी संभावनाएं हैं।

बीसीए के बाद अच्छी जॉब के लिए बेहतरीन करियर ऑप्शंस

बीसीए, एक पॉपुलर अंडरग्रेजुएट कोर्स है, जिसे कंप्यूटर साइंस और आईटी फील्ड में करियर बनाने के लिए किया जाता है। हालांकि, इस कोर्स को करेने के बाद, आगे क्या करें सोच कर आप भी परेशान चल रहे हैं, तो चलिए हम आपको यहां बीसीए के बाद के कुछ बेहतरीन करियर ऑप्शंस के बारे में बताते हैं।

अगर आपने अंडरग्रेजुएट कोर्स बीसीए कर लिया है और अब समझ नहीं आ रहा कि आगे क्या करें, तो परेशान होने की जरूरत नहीं है। भले ही, अक्सर स्टूडेंट्स बीसीए के बाद क्या करें? इस सवाल को लेकर कंफ्यूज हो जाते हैं, पर आपको इतना सोचने की जरूरत अब तो बिल्कुल भी नहीं है, क्योंकि बीसीए के बाद आपके पास करियर के कई बेहतरीन विकल्प होते हैं, जिनमें उच्च शिक्षा, सरकारी नौकरियां और प्राइवेट सेक्टर में हाई-सैलरी जॉब्स शामिल हैं। सही करियर ऑप्शन का चुनाव आप अपने स्किल्स, इंटरेस्ट और करियर गोल्स के आधार पर कर सकते हैं।

इसी क्रम में आइए हम आपकी दुविधा को दूर करते हैं। दरअसल, इस आर्टिकल में हम आपको बीसीए के बाद मिलने वाले टॉप करियर ऑप्शंस के बारे में विस्तार से बताएंगे, जिससे आप अपने फ्यूचर के लिए सही फैसला ले सकें और आगे जाकर आप एक अच्छी जॉब व हाई सैलरी पा सकें। बीसीए के बाद बेहतरीन करियर ऑप्शंस –

MCA (Master of Computer Applications)

अगर आप अपनी तकनीकी स्किल्स को और मजबूत करना चाहते हैं, तो MCA करना एक बेहतरीन ऑप्शन है। यह कोर्स आपको सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा साइंस जैसे एडवांस्ड टॉपिक्स सिखाता है। रही बात इस कोर्स के बाद जॉब ऑप्शंस की तो आप इससे सॉफ्टवेयर इंजीनियर, वेब डेवलपर, डेटा साइंटिस्ट, आईटी कंसल्टेंट आदि बन सकते हैं। इसमें आपको लगभग रू 5-12 लाख प्रति वर्ष का पैकेज भी मिल सकता है।

MBA (Master of Business Administration)

अगर आप मैनेजमेंट और लीडरशिप में करियर बनाना चाहते हैं, तो स्कूआपके लिए सही रहेगा। खासकर IT Management, Business Analytics और Digital Marketing में MBA करने से आपको कॉर्पोरेट सेक्टर में अच्छी जॉब मिल सकती है। इस जॉब में आपको शुरुआत में कम से कम रू 6-15 लाख प्रति वर्ष का पैकेज मिल सकता है।

डेटा साइंस और मशीन लर्निंग में बनाएं करियर

बीसीए के बाद डेटा साइंस और मशीन लर्निंग में करियर बनाना आज के समय में बहुत अच्छा विकल्प है। इस फील्ड में जॉब्स की डिमांड तेजी से बढ़ रही है और सैलरी भी काफी अच्छी है। बीसीए करने के बाद, आप डेटा साइंटिस्ट, एआई इंजीनियर, मशीन लर्निंग डेवलपर आदि बन सकते हैं। बात अगर सैलरी पैकेज की करें तो आपको रू 8-20 लाख प्रति वर्ष का पैकेज मिल सकता है।

डिजिटल मार्केटिंग और SEO में हाथ आजमाएं

अगर आपको क्रिएटिविटी और मार्केटिंग में रुचि है, तो डिजिटल मार्केटिंग एक बेहतरीन करियर ऑप्शन हो सकता है, जो आप बीसीए करने के बाद आराम से कर सकते हैं। कंपनियां अपने बिजनेस को ऑनलाइन प्रमोट करने के लिए डिजिटल मार्केटर्स को हायर कर रही हैं। ऐसे में, आपको डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर, SEO एक्सपर्ट, कंटेंट मार्केटर की पोस्ट मिल सकती है। साथ ही, रू 4-12 लाख प्रति वर्ष का पैकेज मिल सकता है।

नोमुरा ने 50 प्रतिशत बढ़ाया टारगेट

5 प्रतिशत से ज्यादा उछल गए इंडसइंड बैंक के शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। प्राइवेट सेक्टर के इंडसइंड बैंक के शेयर बुधवार को बीएसइ में 5 पर्सेंट से अधिक के उछाल के साथ 855.20 रुपये पर पहुंच गए हैं। ग्लोबल ब्रोकरेज हाउस नोमुरा ने इंडसइंड बैंक के शेयरों की रेटिंग अपग्रेड की है और इसका प्राइस टारगेट 50 पर्सेंट बढ़ा दिया है। पिछले एक साल में इंडसइंड बैंक के शेयरों में 40 पर्सेंट से अधिक की गिरावट देखने को मिली है। बैंक के शेयरों का 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर

1550 रुपये है। वहीं, इंडसइंड बैंक के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 605.40 रुपये है।

नोमुरा ने इंडसइंड बैंक के शेयर खरीदने को कहा– इंटरनेशनल ब्रोकरेज हाउस नोमुरा ने इंडसइंड बैंक के शेयरों की रेटिंग को अपग्रेड करके बाय कर दिया है। ब्रोकरेज हाउस ने बैंक के शेयरों को खरीदने की सलाह दी है। नोमुरा ने पहले इंडसइंड बैंक के शेयरों को न्यूट्रल रेटिंग दी थी। नोमुरा ने इंडसइंड बैंक के शेयरों का टारगेट प्राइस भी 50 पर्सेंट बढ़ा दिया है। ब्रोकरेज हाउस ने बैंक के शेयरों का टारगेट प्राइस बढ़ाकर 1050 रुपये कर दिया है। पहले, बैंक के शेयरों के लिए 700 रुपये का टारगेट दिया था। रिवाइज्ड टारगेट से संकेत मिलता है कि मंगलवार के क्लोजिंग प्राइस से बैंक के शेयरों में करीब 30 पर्सेंट का उछाल देखने को मिल सकता है।

रेटिंग अपग्रेड के पीछे कई पॉजिटिव फैक्टर– ब्रोकरेज हाउस नोमुरा ने अपने नोट में अपग्रेड के पीछे कई पॉजिटिव फैक्टर्स का हवाला दिया है। इन फैक्टर्स में गवर्नेंस में सुधार लाने को लेकर बोर्ड का कमिटमेंट, नई लीडरशिप की तलाश, मजबूत अर्निंग आउटलुक और क्लीन स्लेट पर वित्त वर्ष 2026 की शुरुआत का स्पष्ट मकसद शामिल है।

भारत में बने खिलौनों की वैश्विक बाजार में जबरदस्त मांग

छोटा भीम से लेकर मोटू-पतलू तक हो रहे निर्यात

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत अब खिलौनों का आयात करने के बजाय निर्यात कर रहा है। छोटा भीम से लेकर मोटू-पतलू तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहे। यहां बने खिलौनों की गुणवत्ता दुनियाभर के मानकों से बेहतर है। शून्य से 16 साल तक के बच्चों के खिलौने बनाने वाली कंपनियां अपने उत्पादों के विदेशी बाजारों में पहुंचाने से उत्साहित हैं। यह स्थिति सिर्फ दो साल में बदली है। यहां के खिलौने स्वास्थ की दृष्टि से भी बड़े पैमाने पर परखे हुए हैं।

भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), मुंबई के

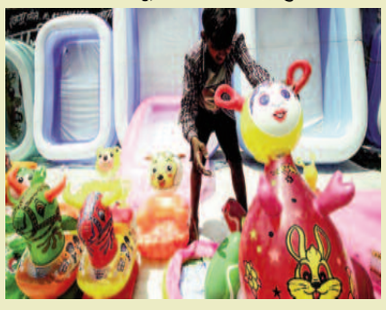

पश्चिमी क्षेत्रीय कार्यालय प्रयोगशाला (डब्ल्यूआरओएल) के वैज्ञानिक और निदेशक अद्भुत सिंह ने कहा, बीआईएस मानकों ने घरेलू और वैश्विक दोनों बाजारों में भारतीय खिलौनों की बिक्री बढ़ाने में सहायता की है। उन्होंने कहा, भारतीय मानक हमारी मौसम स्थितियों और अन्य घरेलू जरूरतों के अनुसार बनाए गए हैं।

टेक्सटाइल इंडस्ट्री में अब भारत बना सबसे बड़ा खिलाड़ी

चीन और बांग्लादेश की हो गई छुट्टी!

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के कपड़ों के निर्यात में अच्छी बढ़त दिख रही है। उद्योग संगठन सीआईटीआई के आंकड़ों के अनुसार मई में कपड़ों का निर्यात 11.3 प्रतिशत बढ़ा है। पश्चिमी देशों के खरीदार अब बांग्लादेश और चीन के बजाय भारत को ज्यादा भरोसेमंद मान रहे हैं। इसलिए भारत के निर्यात को बढ़ावा मिल रहा है।

पिछले साल अगस्त में बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार बदलने से राजनीतिक अस्थिरता हुई थी। इकोनॉमिक टाइम्स के अनुसार इस वजह से कपड़ों का निर्यात और भी तेजी से बढ़ा। सितंबर में निर्यात 17.3 प्रतिशत और अक्टूबर में 24.35 प्रतिशत तक बढ़ गया। विकसित देशों के कई खरीदार भारतीय सप्लायरों पर दबाव डाल रहे हैं कि वे अपनी क्षमता बढ़ाएं और जरूरी सर्टिफिकेट लें। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की ओर से लगाए गए टैरिफ के कारण भारत को चीन पर ड्यूटी का फायदा मिलेगा।

इंडस्ट्री के लिए बड़ी राहत– कपड़ा उद्योग के लिए निर्यात में यह उछाल एक बड़ी राहत है। कोरोना महामारी के बाद से यह उद्योग दो साल से कमजोर चल रहा था। इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स की राष्ट्रीय कपड़ा समिति के अध्यक्ष संजय के जैन ने कहा कि कोविड के बाद भारत के कपड़ों के निर्यात में गिरावट आई थी। क्योंकि लोगों ने कोविड के दौरान ज्यादा कपड़े खरीद लिए थे, इसलिए वे नए कपड़े कम खरीद रहे थे। कोविड के बाद लगभग दो साल तक ठहराव या गिरावट रही।

उथल-पुथल का मिला फायदा!– बांग्लादेश में सरकार बदलने और राजनीतिक उथल-पुथल के बाद उद्योग में सुधार के संकेत

दिखने लगे। उद्योग के नेताओं का कहना है कि कपड़ों की सप्लाई एक लगातार चलने वाली प्रक्रिया है। इसलिए खरीदार सप्लाई चेन में किसी तरह की अनिश्चितता नहीं चाहते हैं।

बनी रहेगी गति– बांग्लादेश के कपड़ा निर्माताओं के पास बहुत बड़ी क्षमता है। वे कम समय में बड़े ऑर्डर पूरा कर सकते हैं। जबकि भारतीय निर्माताओं की क्षमता इतनी ज्यादा नहीं है। भारतीय उद्योग को उम्मीद है कि चीन पर ड्यूटी का फायदा मिलने से निर्यात की गति बनी रहेगी। जैन ने कहा कि भारतीय कपड़ा निर्यातकों के लिए एक बड़ा मौका है। अमेरिका का 120 अरब डॉलर का बाजार सबसे बड़ा अवसर है। हमें बस कच्चा माल प्रतिस्पर्धी दरों पर मिलना चाहिए।

भारत की कितनी हिस्सेदारी

अमेरिका के बाजार में भारत की हिस्सेदारी 10 अरब डॉलर है, जबकि चीन की 30 अरब डॉलर है। कपड़ों का निर्यात तो बढ़ रहा है, लेकिन कच्चे कपास का आयात भी बढ़ रहा है। क्योंकि घरेलू कपास की कीमतें अंतरराष्ट्रीय कीमतों से ज्यादा हैं। अनुमान है कि 2024-25 में भारत का कपास आयात पिछले साल के मुकाबले दोगुना से भी ज्यादा होगा।

सीईए बोले- वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत सकारात्मक

राजकोषीय घाटा व सरकारी कर्ज घटना बड़े सुधार

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत के पास अवसर और संभावनाओं की कमी नहीं है। ऐसा मानना है देश के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंता नागेश्वरन का। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर बढ़ती अनिश्चितताओं के बावजूद भारत चमकदार जगह के रूप में सामने आया है। देश की अर्थव्यवस्था में निरंतर मजबूती दिखी, जो आज के कठिन वैश्विक परिदृश्य को देखते हुए उल्लेखनीय उपलब्धि है।

फरवरी, 2022 से शुरू हुआ रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया में जारी हिंसक संघर्ष, इस्राइल और ईरान के चिंताजनक टकराव, ईंधन और कच्चे

तेल की कीमतों में उछाल की आशंकाओं के बीच एक साक्षात्कार में नागेश्वरन ने कहा, वर्ष 2022 से वैश्विक स्तर पर संघर्ष और व्यवधान लगातार बढ़ते जा रहे हैं। अब ये ज्यादा तीव्र और अप्रत्याशित हो गए हैं, जिससे दुनिया भर में आर्थिक, राजनीतिक और सुरक्षा से जुड़ी चिंता पैदा हुई है। हालात विकास के लिए और भी जटिल बन गए हैं। आज वैश्विक माहौल लगभग सभी देशों के लिए कठिन हो गया है। ऊपर की तरफ जाने की संभावनाओं से अधिक नीचे गिरने का जोखिम बढ़ गया है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था के सामने यह बड़ी चुनौतियां, लेकिन भारत सकारात्मक– मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंता नागेश्वरन ने कहा, यह स्थिति केवल भारत की नहीं है, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के सामने यह चुनौती बड़ी होती जा रही है। हालांकि, इस कठिन परिदृश्य में भी भारत अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति में है।

आर्थिक मोर्चे पर ये बड़े सुधार: राजकोषीय घाटा और सरकारी कर्ज घटा

नागेश्वरन ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था ने 2020 में फैली कोविड-19 महामारी के बाद अच्छी रिकवरी की है। देश में मजबूत आर्थिक वृद्धि दर्ज की गई है। साथ ही भारत का राजकोषीय घाटा) और सरकारी कर्ज भी कम हुआ है। आर्थिक मोर्चे पर ये बड़े सुधार हैं। इससे निवेशकों का भरोसा बढ़ा है और इसका असर भारत और अमेरिका के 10-वर्षीय सरकारी बॉन्ड पर भी हुआ है। बॉन्ड की उपज में अंतर कम होने से ये अंतर साफ दिख रहा है।

यूके की कंपनी ने भारतीय बाजार के लिए इस नई मोटरसाइकिल का कराया ट्रेडमार्क

नई दिल्ली, एजेंसी। यूके की कंपनी नॉर्टन मोटरसाइकिल ने भारतीय बाजार के लिए एक नए मॉडल का ट्रेडमार्क कराया है। कंपनी ने 'इलेक्ट्रा' नाम से इसका रजिस्ट्रेशन कराया है। यह कदम 'कॉम्बैट' नाम के पहले ट्रेडमार्क के बाद उठाया गया है, जो दर्शाता है कि नॉर्टन अपने अगले लॉन्च से पहले मॉडल के नाम सुरक्षित करने की संभावना रखता है। बता दें कि कंपनी का हेडक्वार्टर सोलिहुल (इंग्लैंड) में है। जबकि इसकी पैरेंट कंपनी टीवीएस मोटर कंपनी है। हालांकि, कंपनी ने इस बारे में कोई ऑफिशियल डिटेल जारी नहीं की है कि इलेक्ट्रा नाम किस पर लागू किया जा सकता है, लेकिन फाइलिंग से पता चलता है कि नॉर्टन टीवीएस के ओनरशिप में प्रोडक्ट योजना को आगे बढ़ा रहा है। टीवीएस ने पिछले साल कुछ समय पहले खुलासा किया था कि नॉर्टन अगले 3 सालों में वो 6 नई मोटरसाइकिल लॉन्च करने के लिए तैयार है।

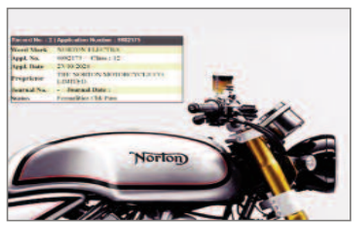

ऑनलाइन फ्रॉड रोकने के लिए गूगल ने लॉन्च किया सेफ्टी चार्टर

नई दिल्ली, एजेंसी। गूगल ने मंगलवार को सेफर विद गूगल इंडिया समिट के दौरान अपने नए सेफ्टी चार्टर को लॉन्च किया। इससे भारत के डिजिटल स्पेस को सुरक्षित बनाने में मदद मिलेगी। यह पहल यूजर्स को ऑनलाइन फ्रॉड से बचाने, जरूरी इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए साइबर सुरक्षा को बढ़ावा देने और यह सुनिश्चित करने पर केंद्रित है कि एआई को जिम्मेदारी से विकसित किया जाए। यह सुरक्षा चार्टर तीन प्रमुख लक्ष्यों के इर्द-गिर्द बना है जिसमें इंटरनेट यूजर्स को घोटालों और धोखाधड़ी से सुरक्षित रखना, सरकारों और व्यवसायों के लिए साइबर सुरक्षा को मजबूत करना और लोगों की सुरक्षा करने वाले जिम्मेदार एआई सिस्टम का निर्माण करना शामिल हैं। पहल का एक महत्वपूर्ण हिस्सा गूगल का डिजिकवाच कार्यक्रम है, जो वित्तीय घोटालों के खिलाफ पहले ही एआई-पावर्ड प्रोडक्ट्स और जागरूकता अभियानों से 17.7 करोड़ से अधिक भारतीयों तक पहुंच चुका है।

स्कैम अटैक में आई गिरावट

गूगल के सिस्टम एआई के साथ और अधिक शक्तिशाली होते जा रहे हैं। इसकी सर्च अब 20 गुना अधिक घोटाले वाली वेबसाइटों की पहचान करती है। साथ ही ग्राहक सेवा और सरकारी प्लेटफार्मों पर स्कैम अटैक में 80 प्रतिशत तक की गिरावट आई है। मैसेजिंग में गूगल मैसेज हर महीने 500 मिलियन से ज्यादा स्कैम टेक्स्ट को ब्लॉक कर रहा है।

बच गए अरबों रुपये

भारत में बड़े स्तर पर इस्तेमाल किए जाने वाले गूगल पे ने संभावित धोखाधड़ी के बारे

में यूजर्स को चेतावनी देने के लिए 4.1 करोड़ से ज्यादा अलर्ट भेजे हैं। इसने अकेले 2024 में 13,000 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी को रोकने में भी मदद की। कंपनी के गूगल प्ले प्रोडेक्ट ने अक्टूबर 2024 में भारत में पायलट किए जाने के बाद से 1.3 करोड़ डिवाइस पर लगभग 6 करोड़ जोखिम भरे ऐप इंस्टॉल को ब्लॉक किया है।

साइबर सिक्योरिटी भी हो रही मजबूत

गूगल बड़े पैमाने पर साइबर सुरक्षा को मजबूत करने के लिए भी काम कर रहा है। इसने खतरों का जल्द पता लगाने और उस जानकारी को दूसरी कंपनियों और सरकारी निकायों के साथ साझा करने के लिए एक नया एआई पावर्ड एप्रोच पेश किया है। गूगल सिक्योरिटी में इंजीनियरिंग की उपाध्यक्ष हीदर एडकिंस ने बताया कि ऑनलाइन खतरे अब मशीन की गति से विकसित हो रहे हैं। एआई की सीखने, तर्क करने और बड़े पैमाने पर कार्य करने की क्षमता डिफेंडर्स को हमलावरों से पहले की तुलना में कहीं आगे रहने की अनुमति दे रही है।

सोने के गिरे भाव पर चांदी ने फिर रच दिया इतिहास, कीमत 109550 पर पहुंची

नई दिल्ली, एजेंसी। सर्राफा बाजारों में आज भी सोने के भाव में गिरावट दर्ज की गई। हालांकि, चांदी ने एक और नया इतिहास रच दिया है। सोना 99018 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव से खुला तो चांदी 109550 रुपये किलो के भाव से। जीएसटी के साथ 24 कैरेट सोना जहां 101988 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट से बिक रहा है तो चांदी 112836 रुपये किलो। इससे पहले मंगलवार को चांदी ऑल टाइम हाई 109100 रुपये पर बंद हुई थी।

क्यों उछल रही चांदी

केडिया कमोडिटिज के प्रेसीडेंट अजय केडिया के मुताबिक ईरान-इजरायल में तनाव, रूस-यूक्रेन में नए सिरे से बढ़े तनाव और दुनिया भर में अस्थिरता ने निवेशकों को सुरक्षित समझी जाने वाली चीजों की ओर धकेला है। सोने के साथ-साथ चांदी को भी इसका फायदा मिल रहा है। वहीं, आपूर्ति घटने और औद्योगिक मांग बढ़ने के कारण चांदी में खूब निवेश हो रहा है।

आर्थिक वृद्धि के चलते 2030 तक वैश्विक तेल मांग का अगुवाई करेगा भारत

इस दशक के अंत तक बढ़ी रहेगी मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक तेल मांग इस दशक के अंत तक तेजी से बढ़ती रहेगी। अमेरिका में सस्ता पेट्रोल और धीमी गति से इलेक्ट्रिक वाहन अपनाने से खपत को समर्थन मिलने से शीर्ष आयातक चीन में यह 2027 में चरम पर होगी। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) ने अपने पूर्वानुमान में कोई परिवर्तन नहीं किया है। आईईए ने कहा, मांग 2029 तक चरम पर होगी, लेकिन अनुमान है कि इलेक्ट्रिक वाहनों में वृद्धि के कारण चीन में मांग पहले ही चरम पर पहुंच जाएगी। वैश्विक मांग कुछ वर्षों में चरम पर होगी। हालांकि, उत्पादक समूह पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक) का मानना है कि खपत बढ़ती रहेगी, लेकिन खपत चरम पर पहुंचने का कोई पूर्वानुमान नहीं लगाया है। आईईए की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, तेल की मांग 2029 तक 10.5 करोड़ बैरल प्रति दिन (बीपीडी) के उच्च स्तर पर पहुंच जाएगी। फिर 2030 में थोड़ी गिरावट आएगी।

बाधा नहीं आई तो 2030 तक आपूर्ति पर्याप्त रहेगी

रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर कोई बड़ी बाधा नहीं आती है तो 2030 तक पर्याप्त आपूर्ति होगी। आईईए के कार्यकारी निदेशक फतिह बिरोल ने कहा, बुनियादी बातों के आधार पर आने वाले वर्षों में तेल बाजारों में अच्छी आपूर्ति होने की संभावना है। लेकिन हाल की घटनाओं ने तेल आपूर्ति सुरक्षा के लिए देशों के बीच तनाव एक प्रमुख मुद्दा है। इस वर्ष विश्व बाजार में आपूर्ति अच्छी दिख रही है, क्योंकि कोई बड़ा व्यवधान नहीं आया है और आपूर्ति में वृद्धि मांग से अधिक है।

अमेरिका-चीन के बीच नहीं टिकेगी डील...

भारत को बढ़ानी होगी ताकत, एक्सपर्ट की चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका और चीन के बीच एक व्यापार समझौते की घोषणा हुई है। लेकिन, प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य संजीव सान्याल ने चेतावनी दी है कि यह समझौता टिकाऊ नहीं होगा। सान्याल ने मिंट को बताया कि अमेरिका-चीन डील से हटकर भारत को अपनी ताकत बढ़ानी चाहिए। उन्होंने कहा कि वैश्विक शक्ति में बदलाव हो रहा है। इसे चीन और अमेरिका दोनों समझते हैं। इसलिए व्यापार समझौता चाहे जैसा भी हो, वह अस्थिर ही रहेगा। सान्याल के अनुसार, व्यापार से अमेरिका और चीन के बीच तनाव कम नहीं होगा। भारत को अपनी ताकत बढ़ानी चाहिए, चाहे अमेरिका और चीन के बीच कैसा भी समझौता हो। यह एक लंबी लड़ाई है। व्यापार समझौता इसे खत्म नहीं कर सकता। हमें चाइना+1 नहीं, बल्कि अपने आप में एक मजबूत देश बनना चाहिए। यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से चीन के साथ व्यापार समझौते की घोषणा के कुछ दिनों बाद आया है।

क्या हुई है अमेरिका-चीन के बीच डील – समझौते में चीन दुर्लभ खनिजों और मैग्नेट पर निर्यात प्रतिबंध हटाएगा। वहीं, अमेरिका चीनी छात्रों को अमेरिकी विश्वविद्यालयों में पढ़ने की अनुमति देगा। बीते दिनों ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर कहा, हमें कुल 55 प्रतिशत टैरिफ मिल रहा है, चीन को 10 प्रतिशत मिल रहा है। रिश्ते बहुत अच्छे हैं! अमेरिका के वाणिज्य सचिव हावर्ड लुट्निक ने कहा कि यह समझौता जिनेवा डील को मजबूत करता है, जो चीन के खनिज निर्यात पर प्रतिबंध के कारण कमजोर हो गई थी। भारत अमेरिका के साथ एक शुरुआती व्यापार समझौते पर काम कर रहा है। 9 जुलाई को खत्म होने वाले टैरिफ पर 90 दिनों के विराम से पहले इसके होने की उम्मीद है। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल के अनुसार, अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर अच्छी प्रगति हो रही है। यह समय पर पूरा हो जाएगा। मुख्य वार्ताकार राजेश अग्रवाल ने बताया कि अमेरिकी टीम 5 से 11 जून तक भारत आई थी। लक्ष्य 2025 तक एक बड़े व्यापार समझौते का पहला चरण पूरा करना है। अधिकारियों ने कहा कि दोनों देशों को 2050 तक द्विपक्षीय व्यापार को 500 अरब डॉलर तक पहुंचाने के लिए टैरिफ कम करने होंगे और गैर-टैरिफ बाधाओं को

दूर करना होगा।

व्यापार सिर्फ एक छोटा सा हिस्सा– संजीव सान्याल का मानना है कि अमेरिका और चीन के बीच का व्यापार समझौता लंबे समय तक नहीं चलेगा। उनके अनुसार, यह समझौता वैश्विक शक्ति के बदलाव को नहीं रोक सकता। यह एक लंबी भू-राजनीतिक लड़ाई है। इसमें व्यापार सिर्फ एक छोटा सा हिस्सा है।

सान्याल ने कहा, मैं यह नहीं बता सकता कि वह डील कैसी होगी। हमें इसके अनुसार ढलना होगा। लेकिन, मुझे लगता है कि यह उस बात को पूरी तरह से अनदेखा करता है कि क्या हो रहा है। यह वैश्विक शक्ति की गतिशीलता में बदलाव है जिसे चीन और अमेरिका दोनों समझते हैं। इसलिए चाहे वह व्यापार समझौता कैसा भी हो - यह स्वाभाविक रूप से अस्थिर है। इसका मतलब है कि सान्याल को इस समझौते पर ज्यादा भरोसा नहीं है। उन्होंने यह भी कहा, इसलिए मेरा मानना है कि हमें चीन-अमेरिका व्यापार समझौते से बेपरवाह होकर अपनी ताकत का निर्माण जारी रखना चाहिए। अगर यह कुछ खास है तो यह लंबे समय तक नहीं चलेगा। अगर यह कुछ सामान्य है तो यह एक अलग मामला है। सान्याल के अनुसार, भारत को अपनी आर्थिक और रणनीतिक ताकत पर ध्यान देना चाहिए।

सान्याल ने आगे कहा, आखिरकार, यह एक सभ्यतागत, भू-रणनीतिक मुद्दा है जिसमें व्यापार एक छोटा सा हिस्सा है। हमें खुद को चीन प्लस वन के रूप में नहीं सोचना चाहिए। हमें खुद को अपने आप में एक मानना चाहिए। उनका मानना है कि भारत को अपनी पहचान बनानी चाहिए और किसी दूसरे देश पर निर्भर नहीं रहना चाहिए।

अब तक का सबसे अच्छा खिलाड़ी : दिग्गज प्लेयर 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी से हुआ प्रभावित

नई दिल्ली, एजेंसी। वैभव सूर्यवंशी ने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 सीजन में 14 साल की उम्र में कदम रखते हुए हैरान कर दिया और इसके बाद सबसे तेज शतक लगाकर बड़े-बड़े खिलाड़ियों को अपने कोशल से मुरीद बना लिया। सूर्यवंशी ने 206 के अविश्वसनीय स्ट्राइक रेट से सिर्फ सात पारियों में 252 रन बनाए। जिसमें गुजरात टाइटन्स (जीटी) के खिलाफ 35 गेंदों में शतक भी शामिल था। सूर्यवंशी की इस प्रतिभा से इंग्लैंड के दिग्गज खिलाड़ी जोस बटलर प्रभावित हुए हैं जोकि उस दिन गुजरात के विकेटकीपर थे। बटलर ने स्टुअर्ट ब्रॉड के साथ पॉडकास्ट पर बात करते हुए कहा, हमारे खिलाफ 35 गेंदों में शतक जड़ने वाली पारी बहुत ही शानदार थी। हमारी (जीटी) गेंदबाजी में मोहम्मद सिराज, शानदार अंतरराष्ट्रीय गेंदबाज, प्रसिद्ध कृष्णा, अंतरराष्ट्रीय गेंदबाज, राशिद खान, सर्वश्रेष्ठ टी20 गेंदबाज शामिल हैं और उन्होंने (सूर्यवंशी) बड़े छक्के लगाए। उन्होंने कुछ मैचों के बाद चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ एक पारी खेली, मैं टीवी पर देख रहा था। ष्ट्रय्च के पास आर अश्विन और रवींद्र जडेजा जैसे अनुभवी खिलाड़ी हैं, लेकिन सूर्यवंशी ने धमाकेदार पारी खेली! और फिर उन्होंने एक शॉट कवर पर मारा, जैसे मैं इतना नियंत्रण में हूं, मैं बस एक शॉट खेलूंगा। उस पल, मुझे लगा कि यह खिलाड़ी अब तक का सबसे अच्छा खिलाड़ी है। मैं बहुत हैरान था। बटलर ने कहा, वास्तव में उन्होंने आईपीएल में अपनी पहली गेंद पर छक्का मारा। उन्होंने खुद को थोड़ी जगह दी और गेंद को लॉन्ग ऑफ के ऊपर से छक्का जड़ दिया। उनमें निडरता थी। बहुत सारे शानदार खिलाड़ी हैं, वे लगभग एक बयान देना चाहते हैं, जैसे कि मुझे देखो। हमें उनसे यह पूछने की कोशिश करनी होगी कि ऐसा होने से कितने समय पहले आपने सोचा था कि मैं अपनी पहली गेंद पर छक्का मारने की कोशिश करूंगा। क्योंकि यह एक पूर्व-निर्धारित शॉट था। उन्होंने इसकी तलाश की। लोगों ने उन्हें इस अद्भुत बल्ले के साथ देखा है। यह युवराज सिंह या ब्रायन लारा की तरह एक बड़ा बयान है। गौर हो कि सूर्यवंशी को इंग्लैंड में आगामी टेस्ट सीरीज के लिए चुना गया है और यदि उन्हें मौका मिलता है तो उनके प्रदर्शन पर सभी की नजर होगी।

खिताब जिताने वाले कोच को मेलबर्न रेनेगेड्स का तोहफा, तीन साल के लिए फिर से अनुबंध

मेलबर्न, एजेंसी। मेलबर्न रेनेगेड्स ने बीते सीजन महिला बिग बैश लीग का खिताब जिताने वाले हेड कोच साइमन हेल्मोट को बड़ा तोहफा दिया है। फ्रेंचाइजी ने हेल्मोट के साथ फिर से तीन साल के लिए कॉन्ट्रैक्ट किया है। बिग बैश लीग ने बुधवार को इसका आधिकारिक ऐलान किया। मेलबर्न रेनेगेड्स ने बयान में कहा, बेखौफ क्रिकेट पर आधारित अभियान में,

हेल्मोट ने अपने चौथे सीजन में रेनेगेड्स को सफलता दिलाई और कम से कम विमेंस बीबीएल-13 के अंत तक वह टीम के साथ होंगे। साइमन हेल्मोट के पास ऑस्ट्रेलिया और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोचिंग का अच्छा-खासा अनुभव है। इसमें आईपीएल, सीपीएल और आईएलटी में भूमिकाएं शामिल हैं। साइमन हेल्मोट इससे पहले बीबीएल-1 से बीबीएल-4 तक रेनेगेड्स पुरुष टीम के साथ रहे थे। साल 2020 में दोनों टीमों के असिस्टेंट कोच के रूप में वह फिर से क्लब में लौटे और इसके बाद महिला टीम की जिम्मेदारी संभाली। साइमन हेल्मोट ने कहा, पिछला सीजन हमारे प्लेइंग ग्रुप और स्टाफ के लिए बेहद खास रहा। मैं हेड कोच के तौर पर बने रहने को लेकर रोमांचित हूं। खिताब जीतना कभी आसान नहीं होता, जो इस ग्रुप का हिस्सा होने को और भी खास बनाता है। हमारे जनरल मैनेजर, जेम्स रोसेनगार्डन और हमारी कप्तान, सोफी मोलिनक्स के शानदार नेतृत्व में, हमने जो हासिल किया, वह एक अविश्वसनीय अनुभव था। हमारे पास खिलाड़ियों और लोगों का एक बेहतरीन कोर ग्रुप है, जो क्लब के प्रति जुनूनी हैं। मैं इसके लिए उत्साहित हूं कि हम आगे क्या कर सकते हैं। मेलबर्न रेनेगेड्स ने रॉब कैसल को बीबीएल के लिए असिस्टेंट कोच और बॉलिंग कोच के रूप में भी नियुक्त किया है।

13 छक्के मारकर फॉर्म में मैक्सवेल 48 गेंदों पर ठोका हाहाकारी शतक

8 वीं बार ऐसे किया दुनिया को दंग

नई दिल्ली, एजेंसी। ग्लेन मैक्सवेल का फॉर्म लंबे समय से सवालों में था. लेकिन अब नहीं. क्योंकि, मेजर लीग क्रिकेट 2025 में उन्होंने इसका जवाब अपने बल्ले से एक के बाद एक 13 छक्के बरसाकर दे दिया है. 2025 में ग्लेन मैक्सवेल ने हाहाकारी शतक ठोका है, जिसकी स्क्रिप्ट उन्होंने केवल 48 गेंदों में लिखी है. ऑस्ट्रेलियाई मैक्सवेल ने ये शतक छठे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए जमाया. एमएलसी 2025 में लॉस एंजिलिस नाइट राइडर्स के खिलाफ मुकाबले में वॉशिंगटन फ्रीडम के कप्तान ग्लेन मैक्सवेल ने वाकई कप्तानी पारी खेली. उन्होंने ये शतक उस मुश्किल वक्त में जड़ा जब आधी टीम सिर्फ स्कोर बोर्ड पर 100 रन लगने से पहले ही डग आउट लौट गई थी.

बांग्लादेश वर्सेस श्रीलंका

रहीम की ऐतिहासिक पारी, 7वीं बार जड़े 150+ रन, गेल, वॉर्नर, पुजारा, अजहर और रिचर्ड्स के क्लब में शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। बांग्लादेशी विकेटकीपर-बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम 18 जून 2025 को विवियन रिचर्ड्स, मोहम्मद अजहरुद्दीन, चेतेश्वर पुजारा, क्रिस गेल, डेविड वॉर्नर और जस्टिन लैंगर जैसे दिग्गजों के क्लब में शामिल हुए। श्रीलंका के खिलाफ गॉल टेस्ट मैच के दूसरे दिन बारिश के चलते खेल रोके जाने तक मुशफिकुर रहीम 159 रन बना चुके थे, जबकि बांग्लादेश का स्कोर 423/4 (130.2) था। इस दौरान मुशफिकुर रहीम ने 325 गेंद का सामना करते हुए 9 चौके भी जड़े। मुशफिकुर रहीम की शानदार पारी के दम पर बांग्लादेश विशाल स्कोर की ओर बढ़ता नजर आ रहा है। टेस्ट करियर में ऐसा 7वीं बार है, जब मुशफिकुर रहीम ने 150 रन का आंकड़ा पार किया हो। इससे पहले मुशफिकुर रहीम श्रीलंका के खिलाफ 200 रन (मार्च 2013), न्यूजीलैंड के खिलाफ 159 रन (जनवरी 2017), जिम्बाब्वे के खिलाफ नाबाद 219 (नवंबर 2018), जिम्बाब्वे के खिलाफ नाबाद 203 (फरवरी 2020), श्रीलंका के खिलाफ नाबाद 175 (मई 2022) और पाकिस्तान के खिलाफ 191 रन (अगस्त 2024) की पारी खेल चुके हैं।

क्लब विश्व कप: इंटर मिलान और मॉन्टेरी का मुकाबला 1-1 से ड्रॉ

नई दिल्ली, एजेंसी। एफसी इंटरनैजियोनेल मिलानो और सीएफ मॉन्टेरी ने बुधवार (आईएसटी) को रोज बाउल में 1-1 से बराबरी के साथ फीफा क्लब विश्व कप 2025 अभियान की शुरुआत की। दोनों टीमें रिवर प्लेट से दो अंक पीछे हैं, जो सिएटल में उरावा रेड डायमंड्स के खिलाफ 3-1 से विजयी रही थी। इंटर ने पहले हाफ में लगातार दबाव बनाए रखा, लेकिन मॉन्टेरी को कप्तान सर्जियो रामोस ने 25वें मिनट में कॉर्नर किक से गोल करके टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई। 39 वर्षीय पूर्व रियल मैड्रिड स्टार ने इंटर सेंटर-बैक एलेसेंड्रो बस्तोनी को पछाड़कर गोलकीपर यान सोमर को छकाते हुए हेडर से गोल किया। इसके बाद 42वें मिनट पर लौटारो मार्टिनेज ने गोल के साथ इंटर को मुकाबले में 1-1 से बराबरी पर ला दिया। 64वें मिनट में मॉन्टेरी ने उस समय बढ़त लगभग हासिल कर ही ली थी, जब सर्जियो कैनालेस का लॉन्ग-रेंज प्रयास सोमर के गोल के बाएं पोस्ट से टकरा गया। इसके बाद यह मुकाबला कुल दो गोलों के साथ ड्रॉ पर समाप्त हुआ। अब दोनों टीमें शनिवार 21 जून को टूर्नामेंट का अपना दूसरा मैच खेलेंगी।

मुझे टेस्ट कप्तान बनाना चाहता था, मैंने इनकार कर दिया, जसप्रीत बुमराह ने पुष्टि की

नई दिल्ली, एजेंसी। रोहित शर्मा और विराट कोहली के टेस्ट से संन्यास के बाद भारत की टेस्ट कप्तानी जसप्रीत बुमराह को मिलने की खबरें थी। लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट दौरे के लिए शुभमन गिल को कप्तान बनाया गया है। क्या इस बारे में बुमराह से पूछा गया, इस बारे में अटकलें लगाई जा रही थी और अब इस पर खुद बुमराह ने चुप्पी तोड़ते हुए कहा कि बीसीसीआई उन्हें टेस्ट कप्तान बनाना चाहता था, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया। पूर्व भारतीय क्रिकेटर दिनेश कार्तिक के साथ बातचीत में जसप्रीत बुमराह ने बताया कि वह टेस्ट कप्तान क्यों नहीं बने। पीठ की बार-बार चोट लगने के कारण बुमराह पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेल सकते हैं। वह इंग्लैंड में केवल तीन मैच ही खेल पाए थे। इसलिए उन्होंने इस दौड़ से बाहर होने का फैसला किया ताकि टीम इंडिया को नुकसान न हो। जसप्रीत बुमराह ने एक इंटरव्यू में दिनेश कार्तिक को बताया, इसमें कोई आकर्षक कहानी नहीं है, कोई विवाद नहीं है या कोई हेडलाइनिंग बयान नहीं है, या मुझे बर्खास्त कर दिया गया या मेरी देखभाल नहीं की गई। आईपीएल के दौरान रोहित और विराट के रिटायर होने से पहले मैंने बीसीसीआई से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में अपने कार्यभार के बारे में बात की थी। मैंने बीसीसीआई को फोन किया और उनसे कहा कि मैं नेतृत्व की भूमिका में नहीं देखा जाना चाहता। बुमराह ने कहा, मैंने उन लोगों से बात की थी जिन्होंने मेरी पीठ (चोट) का इलाज किया था, जिसमें सर्जन भी शामिल थी। उन्होंने हमेशा मुझे बताया था कि मुझे कार्यभार के बारे में कितना होशियार रहना है। इसलिए, हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि मुझे थोड़ा होशियार होना होगा। मैं सभी टेस्ट मैच नहीं खेल पाऊंगा।

इंडिया-इंग्लैंड टेस्ट

तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी में 3 खिलाड़ियों का प्लेइंग 11 से बाहर होना तय

नई दिल्ली, एजेंसी। 20 जून से हेडिंग्ले में शुरू हो रही भारत की पांच मैचों की टेस्ट सीरीज इंग्लैंड दौरे के साथ भारतीय टेस्ट क्रिकेट के एक नए युग की शुरुआत होगी. रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविचंद्रन अश्विन जैसे दिग्गजों के टेस्ट से संन्यास के बाद यह पहला मौका होगा जब भारतीय टीम बिना इन तीनों खिलाड़ियों के इंग्लैंड का दौरा कर रही है. शुभमन गिल के नेतृत्व में और गौतम गंभीर की कोचिंग में यह युवा टीम नए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 चक्र की मजबूत शुरुआत करना चाहेगी. 18 सदस्यीय टीम में कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी शामिल हैं, लेकिन कुछ खिलाड़ियों को इंग्लैंड की परिस्थितियों और टीम संयोजन को देखते हुए प्लेइंग इलेवन से बाहर रहना पड़ सकता है. ऐसे में आइए उन 3 खिलाड़ियों के बारे में बताते हैं जिनका इंग्लैंड में खेलना मुश्किल दिख रहा है.

अभिमन्यु ईश्वरन- करना पड़ सकता है इंतजार

घरेलू क्रिकेट और इंडिया ए के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले अभिमन्यु ईश्वरन एक बार फिर टेस्ट टीम में जगह मिलने के बावजूद प्लेइंग इलेवन से बाहर रह सकते हैं.हाल ही में उन्होंने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ 80 रन की पारी खेली थी, जो उनका इंडिया ए के लिए सातवां अर्धशतक था.टीम के टॉप ऑर्डर में यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल पहले दो ओपनिंग स्लॉट में लगभग तय माने जा रहे हैं. नंबर 3 के लिए करुण नायर और साई सुदर्शन के बीच प्रतिस्पर्धा है, जबकि कप्तान शुभमन गिल नंबर 4 पर खेलेंगे. इस स्थिति में ईश्वरन के लिए कोई स्लॉट उपलब्ध नहीं दिख रहा.

कुलदीप यादव- इंग्लैंड की पिच और रिकॉर्ड पड़ सकते हैं भारी

लेफ्ट-आर्म चाइनामैन स्पिनर कुलदीप यादव, जिनके नाम 13 टेस्ट में 56 विकेट हैं, इंग्लैंड के सीमिंग कंडीशंस में प्लेइंग इलेवन से बाहर रह सकते हैं. टीम में पहले स्पिनर के तौर पर रविंद्र जडेजा की जगह लगभग तय मानी जा रही है. अगर जडेजा को आराम दिया जाता है, तो भारत वॉशिंगटन सुंदर को वरीयता दे सकता है, जो एक बेहतर ऑलराउंड विकल्प हैं.

ध्रुव जुरेल- बैकअप भूमिका में रहेंगे सीमित

इंग्लैंड लायंस के खिलाफ शानदार प्रदर्शन (94 और नाबाद 53) करने वाले युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल को इस दौरे में बैकअप कीपर के तौर पर शामिल किया गया है. ऋषभ पंत, जो चोट से वापसी कर रहे हैं, टीम के उपकप्तान भी हैं और नंबर 5 पर खेलने उतरेंगे. पंत की अनुपस्थिति में भी भारत केएल राहुल को विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी सौंप सकता है. इसके अलावा, टीम में निचले क्रम को मजबूत करने के लिए शार्दुल ठाकुर या नीतीश रेड्डी जैसे ऑलराउंडरों को वरीयता मिलने की संभावना है, जिससे जुरेल के लिए बतौर स्पेशलिस्ट बल्लेबाज़ भी मौका सीमित हो सकता है.

इंग्लैंड दौरे के लिए 18 सदस्यीय भारतीय टीम :

शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, ऋषभ पंत (उप-कप्तान/विकेटकीपर), नीतीश कुमार रेड्डी, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), अभिमन्यु ईश्वरन, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, करुण नायर, वॉशिंगटन सुंदर, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव.

डबल्यूआर चैस ने जीता फीडे विश्व टीम ब्लिट्ज शतरंज चैंपियनशिप का खिताब जीता

लंदन, एजेंसी। फीडे विश्व टीम ब्लिट्ज शतरंज चैंपियनशिप 2025 के फाइनल मुकाबले में डब्ल्यूआर चेस टीम ने कज़चेस को दोनों मैचों में 4-2 से हराकर विश्व टीम ब्लिट्ज शतरंज चैंपियनशिप का खिताब दूसरी बार अपने नाम किया। इससे पहले उन्होंने 2024 में कजाकिस्तान में यह खिताब जीता था। तीन दिवसीय प्रतियोगिता के नॉकआउट चरण में 53 टीमों में से शीर्ष 16 टीमों ने जगह बनाई थी, जिसमें प्री-क्वार्टर फाइनल, क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले खेले गए। हर मुकाबले में टीमों के बीच कम से कम दो मैच हुए, और बराबरी की स्थिति में प्लेऑफ मुकाबले भी कराए गए।

फाइनल मुकाबले में चमके डबल्यूआर के सितारे

डबल्यूआर चेस ने दोनों फाइनल मैचों में 4-2 से जीत दर्ज की। अलीरेज़ा फिरोजा, हिकारु नाकामुरा और मैक्सिम वाचिए-लाग्रेव ने निर्णायक जीत दर्ज कर टीम को खिताबी जीत दिलाई। टीम को बिग बेन और शतरंज मोहरे के

मिश्रण से प्रेरित ट्रॉफी के साथ पुरस्कार राशि भी मिली।

तीसरा स्थान हेक्सामाइंड को

भारतीय सितारों विदित गुजराती और दिव्या देशमुख से सजी हेक्सामाइंड चेस क्लब ने उज्बेकिस्तान की टीम को दोनों मैचों में 3.5-2.5 से हराकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं रैपिड विजेता भारत की एमजीडी 1 ने फ्रीडम टीम को हराकर पांचवां स्थान हासिल किया।

5वां केयर्न्स कप शतरंज: हंपी नें हरिका को हराया, बनाई एकल बढ़त

सेंट लुइस,यूएसए, एजेंसी। में चल रही दुनिया की सबसे मजबूत महिला प्रतियोगिताओं में से एक केयर्न्स कप केछठे राउंड में भारत की दोनों महिला खिलाड़ी विश्व रैपिड चैम्पियन कोनेरु हम्पी और हरिका द्रोणावल्ली के बीच मुक़ाबला हुआ, क्यूंकी दोनों सयुंक्त बढ़त पर चल रही थी यह मुक़ाबला बेहद महत्वपूर्ण था और ऐसे में देश की नंबर एक खिलाड़ी और कोनेरु हम्पी का पडला देश की नंबर 2 खिलाड़ी हरिका पर भारी रहा और लगातार प्रतियोगिता में अपनी तीसरी जीत दर्ज करते हुए कोनेरु हम्पी नें 6 राउंड के बाद 4.5 अंक बनाकर एकल बढ़त कायम कर ली है ।इस जीत के साथ ही हम्पी विश्व रैंकिंग में 2554 अंको पर पहुँच गयी है एक और जीत उन्हे विश्व नंबर 3 पर फिर से पहुंचा देगी फिलहाल वह चीन की लेई टिंगजे से ठीक पीछे चौथे स्थान पर है ।

दोनों के बीच केटालन ओपनिंग में हुए इस मुक़ाबले में हम्पी नें शानदार मध्य खेल और एंडगेम का प्रदर्शन किया और 76 चालों तक चले मुक़ाबले में पहले हाथी और फिर अपने वजीर के शानदार खेल से जीत दर्ज की ।खैर यह दिन सिर्फ इसी मुक़ाबले के लिए परिणाम लाने वाला नहीं रहा, इस राउंड में खेले गए हर मुक़ाबले में परिणाम जीत और हार के तौर पर ही आया जिसनें टूर्नामेंट में एक नई जान फूँक दी है ।

रानी चटर्जी ने शुरू की नई फिल्म परिणय सूत्र की शूटिंग

भोजपुरी अदाकारा रानी चटर्जी के लिए यह साल काफी धमाकेदार है। एक के बाद एक फिल्में उनके हाथ लग रही हैं। हाल ही में उनकी फिल्म प्रिया ब्यूटी पार्लर यूट्यूब पर रिलीज हुई। इसके बाद उन्होंने घमंडी बहू की शूटिंग पूरी की। अब रानी के हाथ एक और फिल्म लगी है, जिस पर उन्होंने काम शुरू कर दिया है। रानी चटर्जी की अगली फिल्म का नाम है परिणय सूत्रा। हाल ही में पूजा सेरेमनी के साथ इस पर काम शुरू हुआ है। आज मंगलवार को अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से मुहूर्त पूजा की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। इस फिल्म में रानी के साथ राकेश बाबू लीड रोल में हैं। कहा जा रहा है कि फिल्म में रानी और राकेश पति-पत्नी की भूमिका अदा करेंगे। सामने आई तस्वीरों में दोनों के हाथ में क्लिपबोर्ड है। फिल्म की शूटिंग क्लिपबोर्ड शॉट से शुरू हुई। कुछ तस्वीरों में रानी को पूजा करते देखा जा सकता है। फिल्म परिणय सूत्र को अरविन्द तिवारी ने लिखा है। फिल्म के निर्देशन की कमान मंजुल ठाकुर के कंधों पर है। वहीं संदीप जनों और मंजुल ठाकुर इसे प्रोड्यूस कर रहे हैं। पोस्ट शेयर कर रानी ने लिखा है, आज से बहुत अच्छी टीम के साथ परिणय सूत्र शुरू हुई।

इस साल रानी के पास हैं ये फिल्में

रानी चटर्जी के हाथ इस साल कई फिल्में लगी हैं। प्रिया ब्यूटी पार्लर, घमंडी बहू के अलावा उन्होंने चुगलखोर बहुरिया की शूटिंग पूरी की। इसके अलावा फिल्म अम्मा को लेकर भी रानी चर्चा में हैं। अब नई फिल्म परिणय सूत्र को लेकर नेटिजन्स उन्हें बधाई दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, आपको किसी की नजर न लगे।

विवेक अग्निहोत्री ने अभिनेत्री तनुश्री दत्ता के आरोपों पर तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड में अक्सर विवाद और बयानबाजी सुर्खियों में रहते हैं। इसी कड़ी में हाल ही में फिर से चर्चा में आए हैं निर्देशक विवेक अग्निहोत्री, जिन्होंने एक पुराने विवाद पर रिएक्शन देकर फिर से मामले को सुर्खियों में ला दिया है। दरअसल अभिनेत्री तनुश्री दत्ता ने कुछ समय पहले अपने एक इंटरव्यू में निर्देशक पर शूटिंग के दौरान अभद्र व्यवहार करने का आरोप लगाया था। अब इस पर विवेक अग्निहोत्री ने पहली बार प्रतिक्रिया दी है।

विवेक अग्निहोत्री ने दिया जवाब

तनुश्री के आरोपों पर चुप्पी तोड़ते हुए विवेक अग्निहोत्री ने पॉडकास्टर शुभंकर मिश्रा से बातचीत में कहा, 'फिल्म इंडस्ट्री एक ऐसा स्थान है जहां कलाकारों पर बहुत दबाव होता है सफल होने का। जब लोग सफल नहीं हो पाते, तो हताशा में उलझ जाते हैं और अपनी मानसिक स्थिति को संभाल नहीं पाते। ऐसे में कई बार वो असंतुलित और अनियंत्रित हो जाते हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'मुझे नहीं लगता कि इन चीजों पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। मैं ऐसे मामलों में उलझना पसंद नहीं करता। लोग क्या कहते हैं, उस पर प्रतिक्रिया देना मेरा स्वभाव नहीं है। मैंने हमेशा माफ़ करना सीखा है और इसीलिए मैं इन बातों को नजरअंदाज करता हूँ।'

राशि खन्ना ने मुंबई की आम सुबह को जिया

दुनिया जहाँ अक्सर दिखावे में खोई हुई रहती है, वहाँ पैन-इंडिया स्टार राशि खन्ना की हालिया मौजूदगी एक सुकून भरे ठहराव जैसी लगती है - जो हमें याद दिलाती है कि असली शालीनता केवल पर्दे पर ही नहीं, बल्कि करुणा में भी रहता है। मुंबई के रंगीन फूल बाजार के बीच, राशि खन्ना सिर्फ वहाँ से गुज़रती नहीं, वह उस माहौल का हिस्सा बन जाती हैं। हल्के हरे रंग के ड्रेस पहने हुए, जिस पर नाजुक काले मोटिफ़ बना हैं राशि स्थानीय फूल विक्रेताओं के बगल में चुपचाप पाँव मोड़कर बैठी हैं, सहजता से हंसती हुई हैं उनकी बातों को ध्यान से सुन रही हैं। हवा में गेंदे, गुलाब और कहानियों की मधुर सरसराहट है और राशि बिना किसी दिखावे के बस उसमें घुलमिल जाती है। यह अनफ़िल्टर्ड सादगी का एक दृश्य है, जहाँ सुंदरता को किसी मंच की आवश्कता नहीं होती बल्कि उसे साझा किया जाता है. ये पल फोटो-ऑप की तरह कम और बल्कि एक ख़ामोश जुड़ाव का जश्न लगते हैं। राशि की गर्मजोशी साफ़ झलकती है, उनकी मौजूदगी में कोई जल्दबाजी नहीं है। दूसरे फ़्रेम में, उन्होंने सूरजमुखी के फूलों का गुच्छा थामे हुए है, उसका चमकीला पीला रंग राशि की मुस्कान में शांत आनंद को दर्शाता है। रंगीन दीवारों और बसी-बसाई जगहों की पृष्ठभूमि में राशि किसी सुपर-स्टार जैसी नहीं, बल्कि इसी ज़मीन से जुड़ी हुई व्यक्तिव का आभास होता हैं। उनकी यह सादगी और ज़मीन से जुड़ाव, उनकी हालिया स्क्रीन लुक से एक दम उलट है। कुछ दिन पहले ही राशी ने अपनी आगामी ऐक्शन-थ्रिलर फिल्म से भरपूर प्रोजेक्ट से अपना चोटिल और इंटेंस लुक शेयर किया था – एक बेखौफ और समर्पित किरदार, जिसने सोशल मीडिया पर तुरंत हलचल मचा दी। जिसने उनके निडर अभिनय और भूमिका के प्रति प्रतिबद्धता के लिए प्रशंसा अर्जित की। एक महिला लीड के रूप में वह ऐसे हाई-ऑक्टेन किरदारों को निभा रही हैं। जो एक नई राह है, जिसे वह अपने शांत आत्मविश्वास से बना रही हैं। इसके साथ ही, उन्हें हाल ही में एक्सेल एंटरटेनमेंट के ऑफिस से बाहर निकलते हुए देखा गया, जिससे एक बड़े प्रोजेक्ट को लेकर अटकलें तेज़ हो गई हैं। प्रोफेशनल फ्रंट पर, राशि को आख़िरी बार तमिल फिल्म अघथिया में देखा गया था, जहाँ वह अर्जुन सरजा और जीव्वा के साथ नज़र आईं। अब वह तेलुसु कडा के लिए तैयार हो रही हैं, जो स्टाइलिस्ट नीरजा कोना के निर्देशन में बन रही पहली फिल्म है – यह साबित करता है कि राशि का करियर कई भाषाओं, विधाओं और एनर्जी के रूप में लगातार आगे बढ़ रहा है।

अली फजल की संगीत यात्रा का चक्र पूरा

जाने माने एक्टर अली फजल को शुरू से ही संगीत से खासा लगाव रहा है। एक्टर ने अब अपनी संगीत यात्रा के चक्र को पूरा कर लिया है! उन्होंने कहा है कि अनुराग बसु की आने वाली फिल्म मेट्रोज्डन दिनों में आकाश का किरदार निभाने से वह अपनी संगीत से जुड़ी यात्रा को पूर्ण महसूस कर रहे है। अली फजल ने बॉलीवुड में अपनी शुरुआत 2009 में फिल्म 3 इडियट्स से की थी। इस फिल्म में उन्होंने जॉय लोबो का छोटा सा किरदार निभाया था, जो एक गिटार बजाने वाला इंजीनियरिंग का छात्र था। यह फिल्म आमिर खान की बड़ी हिट फिल्म थी। अली की पहली फिल्म में उनका किरदार संगीत से जुड़ा था, और अब इस नई फिल्म में भी उनका किरदार संगीत से जुड़ा हुआ है। अली को लगता है कि मेट्रोज्डन दिनों में आकाश का किरदार निभाना कुछ ऐसा है जैसे वह फिर से उसी रास्ते पर लौट आए हैं, जहां से उन्होंने शुरुआत की थी। अली फजल ने कहा, सच में ऐसा लग रहा है जैसे जिंदगी का चक्र पूरा हो गया हो। मैंने फिल्मों में अपना सफर एक छोटे, लेकिन यादगार किरदार जॉय लोबो के साथ शुरू किया था, जो एक गिटार बजाने वाला, सपने देखने वाला छात्र था। उस किरदार ने मेरे अंदर कुछ जगा दिया था, सिर्फ एक अभिनेता के रूप में नहीं, बल्कि एक कलाकार के रूप में भी। अली फजल ने कहा, इतने साल और अलग-अलग किरदार निभाने के बाद अब मैं फिल्म मेट्रोज्डन दिनों में आकाश नाम के एक म्यूजिशियन का लीड रोल निभा रहा हूं। ये ऐसा लग रहा है जैसे मैं फिर वहीं लौट आया हूं, जहां से मेरी शुरुआत हुई थी। यह वापसी बहुत खूबसूरत और किस्मत जैसी लगती है।

अभिनेता ने कहा कि उनका करियर उन्हें अब तक कई अनुभवों और किरदारों से होकर ले गया है। उन्होंने कहा, मैंने ऐतिहासिक कहानियों से लेकर अंतरराष्ट्रीय फिल्मों तक में काम किया है, लेकिन अब फिर से संगीत की तरफ लौटने में एक अलग ही खुशी है, चाहे असल में गिटार की तारें हों या फिर दिल की भावनाएं। अनुराग बसु सर के साथ काम करना मेरा पुराना सपना था, और फातिमा सना शेख के साथ काम करके खुशी हुई। अली का कहना है कि मेट्रोज्डन दिनों उन्हें यह बात याद दिलाती है कि भले ही जिंदगी कई अलग-अलग रास्तों पर चली जाए, लेकिन जो चीजें दिल से जुड़ी होती हैं वो किसी न किसी तरह फिर से हमारी जिंदगी में लौट आती हैं।

मेट्रोज्डन दिनों के निर्देशक अनुराग बसु की 2007 में आई मशहूर फिल्म लाइफ इन एज मेट्रो का सीक्वल है। इसमें आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, अली फजल, फातिमा सना शेख, पंकज त्रिपाठी, कोंकणा सेन शर्मा, अनुपम खेर और नीना गुप्ता अहम किरदार में हैं।

साभार एजेंसी

लुक हुआ लीक

ईशा ने शुरू की शूटिंग

अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर ने एक बार फिर चर्चाओं का बाज़ार गर्म कर दिया है। उनका एक बीहाइंड-द-सीन वीडियो, जिसमें वह एक शक्तिशाली योद्धा के रूप में नज़र आ रही हैं, सोशल मीडिया पर लीक हो गया है। इस वीडियो के वायरल होते ही फैंस और इंडस्ट्री के लोग कयास लगाने लगे हैं कि यह किस प्रोजेक्ट का हिस्सा है। वीडियो में ईशा लाल रंग की शाही साड़ी में दिखाई दे रही हैं, जिस पर सुनहरे ज़री का बारीक काम है। हाथ में एक पारंपरिक ढाल थामे, वह एक सच्ची योद्धा की तरह प्रतीत होती हैं। उनके गहनों से लेकर बालों की बारीकी से की गई स्टाइलिंग तक हर पहलू यह जताता है कि यह कोई साधारण फोटोशूट नहीं, बल्कि एक भव्य और पीरियड-आधारित प्रोजेक्ट का हिस्सा है, जिसमें ऐतिहासिक सटीकता और भव्यता ज़रूरी है। इस दिलचस्प सेटअप ने प्रशंसकों और इंडस्ट्री के अंदरूनी लोगों को ईशा के अगले वेंचर के बारे में अटकलें लगाने पर मजबूर कर दिया है। क्या वह ऐतिहासिक ड्रामा की दुनिया में कदम रख रही हैं, शायद भारतीय इतिहास की किसी महान रानी या योद्धा का किरदार निभा रही हैं? उनकी वेशभूषा और शूटिंग के पेशेवर सेटअप से स्पष्ट प्रोडक्शन वैल्यू एक बड़े प्रोजेक्ट की ओर इशारा करती है, संभवतः एक वेब सीरीज़ या फीचर फिल्म जो इन दिनों बेहद लोकप्रिय हो रहे ऐतिहासिक नारी-केंद्रित विषयों पर आधारित है। इस पूरी कहानी को और भी दिलचस्प बनाता है ईशा कोप्पिकर का हाल के वर्षों में प्रोजेक्ट्स को लेकर चयनशील रवैया। वह अपने काम को लेकर हमेशा संजीदा रही हैं और किसी भी नई भूमिका को चुनने से पहले खूब सोच-विचार करती हैं। ऐसे में अगर वह किसी नए प्रोजेक्ट का हिस्सा बनी हैं, तो यह निश्चित ही कोई साधारण काम नहीं है। चाहे वह स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म की महत्वाकांक्षी ऐतिहासिक सीरीज हो, बॉलीवुड की कोई पीरियड ड्रामा हो या फिर किसी क्षेत्रीय भाषा की कहानी जो भारत की अनकही वीरांगनाओं को सामने लाती हो।

पूजा हेगड़े को बेहद पसंद हैं साड़िया

अभिनेत्री पूजा हेगड़े ने कांजीवरम साड़ियों के प्रति अपने प्यार का इजहार किया। सोशल मीडिया पर पोस्ट कर उन्होंने कहा कि वह हमेशा कांजीवरम गर्ल रहेंगी। पूजा हेगड़े ने इंस्टाग्राम पर बैंगनी और सुनहरे रंग की खूबसूरत कांजीवरम साड़ी में अपनी तस्वीरें पोस्ट कीं। उन्होंने ड्रॉप इयररिंग्स, चोकर और चूड़ियों के साथ अपने लुक को पूरा किया। मेकअप में उन्होंने न्यूड लिप्स चुना और अपने लंबे काले बाल खुले रखे। शेयर की गई तस्वीरों के साथ पूजा ने कैप्शन में लिखा, वन्स कांजीवरम गर्ल, ऑलवेज कांजीवरम गर्ल। कांजीवरम साड़ियां दक्षिण भारत की शानदार शिल्पकला और शुद्ध मलबरी रेशम से बनती है। ये भारी होती है और इनकी बुनाई में बारीक कारीगरी दिखती है। वर्कफ्रंट की बात करें तो पूजा जल्द ही डेविड धवन की अपकमिंग फिल्म है जवानी तो इश्क होना है में नजर आएंगी। इस रोमांटिक-कॉमेडी-ड्रामा में उनके साथ अभिनेता वरुण धवन मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म में पूजा हेगड़े, वरुण धवन के साथ अभिनेत्री मृणाल ठाकुर, मौनी रॉय, चंकी पांडे, मनीष पॉल, जिमी शेरगिल, राकेश बेदी, अली असगर, कुब्रा सैत, रोहित सराफ, राजीव खंडेलवाल, नितीश निर्मल और श्रीलीला जैसे सितारे भी अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म का टाइटल डेविड धवन की साल 1999 की सफल फिल्म बीवी नं.1 के गाने इश्क सोना है से प्रेरित है, जिसमें सलमान खान, करिश्मा कपूर और सुष्मिता सेन मुख्य भूमिकाओं में हैं। रमेश तौरानी के टिप्स बैनर तले बनी इस फिल्म की रिलीज डेट अभी अनाउंस नहीं हुई है। पूजा की हालिया रिलीज रेट्रो कार्तिक सुब्बराज की रोमांटिक-एक्शन है, जिसमें उनके साथ सूर्या मुख्य भूमिका में हैं।

आहूजा सरनेम हटाने के बाद गोविंदा से तलाक ले रहीं सुनीता?

बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा अपने बेबाक अंदाज के लिए जानी जाती हैं। सुनीता ने हाल ही में अपना सरनेम हटा दिया जिसके बाद उनके तलाक की खबरें फिर से सुर्खियों में आने लगीं। अब सुनीता ने सभी अटकलों पर विराम लगा दिया है। बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता आहूजा के बीच तलाक की अफवाहें एक बार फिर फैल रही हैं। वजह है सुनीता द्वारा अपने नाम से आहूजा सरनेम हटाना और नाम में एक अतिरिक्त स जोड़ना। इस छोटे से बदलाव ने सोशल मीडिया पर बड़ी हलचल मचा दी है। तलाक की अटकलें एक बार फिर तूल पकड़ने लगीं, लेकिन अब सुनीता ने खुद सामने आकर इन सभी अफवाहों पर विराम लगा दिया है।

सुनीता ने तलाक की अफवाहों पर लगाया ब्रेक

एक इंटरव्यू में सुनीता आहूजा ने स्पष्ट किया कि उनके नाम में किया गया ये बदलाव किसी भी पारिवारिक समस्या या तलाक से संबंधित नहीं है। उन्होंने बताया कि ये फैसला उन्होंने न्यूमरोलॉजी के मुताबिक लिया है। सुनीता ने कहा कि उन्होंने आहूजा सरनेम हटाया और अपने नाम में एक अतिरिक्त स जोड़ा ताकि उन्हें नाम और शोहरत मिल सके। उनका कहना था, 'कौन नहीं चाहता कि उसका नाम चमके?'

सुनीता का कहना है कि ये बदलाव उन्होंने लगभग एक साल पहले ही कर लिया था, लेकिन अब सोशल मीडिया पर इसे लेकर चर्चा हो रही है। उन्होंने साफ किया कि जब तक उनकी ओर से या गोविंदा की तरफ से कोई अधिकारिक बयान नहीं आता, तब तक कोई भी अपने मन से निष्कर्ष न निकाले। उनका यह भी कहना था कि वह अभी भी एक आहूजा हैं और रहेंगी और यह पहचान तब तक बनी रहेगी जब तक वो इस दुनिया में हैं।

सुनीता और गोविंदा की शादी

सुनीता और गोविंदा की शादी मार्च 1987 में हुई थी। दोनों के दो बच्चे हैं - बेटी टीना और बेटा यशवर्धन। पिछले कुछ सालों में उनके रिश्ते को लेकर कई बार अफवाहें उड़ी हैं, लेकिन हर बार सुनीता ने इन अटकलों को नकारा है। इस बार भी उन्होंने अपने बेबाक अंदाज में सच्चाई सामने रख दी।